A Daily News Magazine
इंदौर
शुक्रवार, 14 फरवरी, 2025

इंदौर एवं भोपाल से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 10 अंक 135, नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2

सुबह सवेरे

subahsaverenews@gmail.com
facebook.com/subahsaverenews
www.subahsavere.news
twitter.com/subahsaverenews

प्रसंगवश

दयानिधि को पता होना चाहिए कि 'द्रविड़' शब्द भी संस्कृत का है

नीरज कुमार दुबे

द्रमुक नेताओं को यह भी समझना होगा कि तमिल गौरव की बात करने भर से काम नहीं चलेगा। यह देखना होगा कि तमिल गौरव बढ़ाने का काम सबसे ज्यादा किसने किया है। द्रमुक नेताओं को देखना चाहिए कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वास्तविक तमिल गौरव को बरकरार रखा है।

तमिलनाडु में सत्तारुढ़ द्रमुक के नेता लगातार सनातन धर्म का अपमान करते रहे हैं। इस पार्टी के नेता सड़क से लेकर संसद तक कभी हिंदुत्व के खिलाफ बोलते हैं तो कभी उत्तर बनाम दक्षिण की राजनीति करने लगते हैं। यही नहीं, इसी पार्टी के एक नेता ने तो मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के सामने ही अलगाववादी बयान देते हुए 'अलग तमिलनाडु' की मांग के बारे में विचार करने तक की बात कह डाली थी। द्रमुक की इस नफरत भरी राजनीति को आगे बढ़ाने का काम अब पूर्व केंद्रीय मंत्री दयानिधि मारन ने किया है। उन्होंने संसद के भीतर चिल्ला-चिल्ला कर और जिस आवेश में संस्कृत भाषा पर हमला बोला उसे देखकर हर कोई हैरान रह गया क्योंकि दुनिया की सबसे प्राचीन और हर भाषा की जननी माने जाने वाली संस्कृत के खिलाफ ऐसी नफरत पहले किसी नेता ने नहीं उगली थी। हालांकि जैसे ही मारन ने यह हमला किया वैसे ही लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने मारन पर तगड़ा पलटवार कर दिया था। वैसे यह हैरानी भरी बात है कि अपनी द्रविड़ पहचान बताने वाली अधिकांश द्रविड़ पार्टियाँ यह नहीं जानतीं कि 'द्रविड़' तमिल शब्द नहीं है। यह एक संस्कृत शब्द है जिसकी अंग्रेजों द्वारा गलत व्याख्या 'बांटो और राज करो' की नीति के तहत की गयी थी।

द्रमुक नेताओं को यह भी समझना होगा कि तमिल गौरव की बात करने भर से काम नहीं चलेगा। यह देखना होगा कि तमिल गौरव बढ़ाने का काम सबसे ज्यादा किसने किया है। द्रमुक नेताओं को देखना चाहिए कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वास्तविक तमिल गौरव को बरकरार रखा है। उन्होंने नए संसद भवन में तमिल सेनगोल स्थापित किया और भारत मंडपम के सामने नटराज की प्रतिमा (भगवान शंकर की नटराज प्रतिमा, जो महान चोल राजाओं द्वारा निर्मित तंजावुर में मिली) स्थापित की। देखा जाये तो राष्ट्रीय स्तर पर तमिल गौरव को इससे अधिक मान्यता पहले कभी नहीं मिली थी। लेकिन इन पार्टियों को तमिल 'सांस्कृतिक गौरव' में कोई दिलचस्पी नहीं है, वे तो बस 'राजनीतिक विभाजन' में अधिक रुचि रखते हैं।

संस्कृत पर होने वाले खर्च को पैसे की बर्बादी बताने वाले दयानिधि मारन को पता होना चाहिए कि भारत की सबसे प्राचीन भाषा संस्कृत है। यह एक ऐसी भाषा भी है जिससे असंख्य भाषाएँ निकली हैं। यही नहीं आज के आधुनिक दौर में भी लगभग हर क्षेत्र में संस्कृत की प्रासंगिकता पूरी तरह बनी हुई है। संस्कृत को भाषाओं की जननी भी कहा जाता है। इस जननी ने सिर्फ भारत में ही नहीं अपितु विदेशों में भी भाषाओं को जन्मा है। देश में तो कुछ राज्यों की यह आधिकारिक भाषा भी है। भारत के प्राचीन ग्रंथ और वेद पुराण आदि सभी संस्कृत में ही लिखे गये हैं। महाभारत काल में भी वैदिक संस्कृत का उपयोग किया जाता था।

जहां तक दयानिधि मारन के विवादित बयान की बात है तो आपको बता दें कि उन्होंने मंगलवार को लोकसभा में आरोप लगाया कि आरएसएस की विचारधारा के कारण लोकसभा की कार्यवाही का संस्कृत में अनुवाद करके करदाताओं का पैसा बर्बाद किया जा रहा है, जिस पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने पलटवार करते हुए कहा कि संस्कृत भारत की मूल भाषा रही है। बिरला ने पूर्व केंद्रीय मंत्री मारन पर निशाना साधते हुए कहा, 'आप किस देश में रह रहे हैं? यह भारत है। भारत की मूल भाषा संस्कृत रही है।'

दयानिधि मारन की ओर से संस्कृत पर की गयी अनुचित टिप्पणियों का मुद्दा अब राजनीतिक रूप से तूल ले चुका है। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने लोकसभा की कार्यवाही का एक साथ अनुवाद उपलब्ध कराए जाने वाली भाषाओं में संस्कृत को शामिल करने की मारन द्वारा की गई आलोचना को 'अनुचित' करार देते हुए साफ कहा है कि एक भाषा को बढ़ावा देने के लिए दूसरी भाषा को कमतर करने की कोई आवश्यकता नहीं है। प्रधान ने कहा है कि संस्कृत पर दयानिधि मारन की अनुचित टिप्पणी न केवल आपत्तिजनक है, बल्कि भारत की भाषाई विरासत की बात आने पर द्रमुक के चुनिंदा आक्रोश, पाखंड और दुष्प्रचार को भी उजागर करती है। उनका कहना है कि दरअसल विभाजनकारी राजनीति में लिप्त होना करदाताओं के पैसे की वास्तविक बर्बादी है। यही नहीं, धर्मेंद्र प्रधान ने ओम बिरला की प्रशंसा करते हुए कहा है कि उन्होंने भारतीय भाषाओं के बीच नफरत फैलाने और फर्जी विभाजन पैदा करने के इस प्रयास की उचित रूप से निंदा की है।

हम आपको बता दें कि यह सारा विवाद तब खड़ा हुआ था जब मंगलवार को प्रश्नकाल समाप्त होने के तुरंत बाद बिरला ने कहा कि उन्हें यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि छह और भाषाओं- बोडो, डोगरी, मैथिली, मणिपुरी, संस्कृत और उर्दू- को उन भाषाओं की सूची में शामिल कर लिया गया है, जिनमें सदस्यों के लिए एक साथ अनुवाद उपलब्ध होगा। उन्होंने कहा कि अंग्रेजी और हिंदी के अलावा असमिया, बांग्ला, गुजराती, कन्नड़, मलयालम, मराठी, उड़िया, पंजाबी, तमिल और तेलुगु में भी अनुवाद उपलब्ध है। ऐसा प्रतीत होता है कि ओम बिरला के वक्तव्य में संस्कृत शब्द को सुनते ही दयानिधि मारन का खून खौल उठा और वह आवेश में आ गये। दयानिधि मारन की यह अवस्था इस बात की जरूरत पर बल देती है कि उन्हें मन को शांति और तन को सकारात्मक ऊर्जा प्रदान करने वाली संस्कृत भाषा का अध्ययन कराया जाये।

(प्रभासाक्षी डॉट कॉम पर प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में डेढ़ घंटे रहेंगे पीएम मोदी

अदाणी-बिड़ला और अंबानी भी आएंगे, अब तक 20 हजार से ज्यादा रजिस्ट्रेशन

भोपाल (नप्र)। भोपाल में 24-25 फरवरी को होने वाली ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट (जीआईएस) का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करेंगे। पीएम समिट स्थल मानव संग्रहालय में सुबह 10 से 11.30 बजे तक रहेंगे। शेड्यूल के मुताबिक, पीएम 23 फरवरी की रात में भोपाल आ सकते हैं। वे राजभवन में रुकेंगे। प्रधानमंत्री मोदी और सीएम डॉ. मोहन यादव देश-विदेश के शीर्ष उद्योगपतियों के साथ राजभवन में डिनर भी करेंगे।

समापन पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह आएंगे। समिट के लिए देश के दो बड़े उद्योगपति गौतम अदाणी और कुमार मंगलम बिड़ला की सहमति मिल गई है जबकि मुकेश अंबानी भी आएंगे। उनकी मौखिक सहमति मिली है। समिट के लिए अब तक 20 हजार से ज्यादा रजिस्ट्रेशन हो चुके हैं।

मुख्य डोम के मंच पर सिर्फ पोडियम रहेगा- अब तक के प्लान के मुताबिक, प्रधानमंत्री मोदी मुख्य डोम में रहेंगे। डोम की कैपेसिटी 3000 लोगों की है। मंच पर सिर्फ पोडियम रहेगा, जहां अतिथि स्पीच देकर लौट जाएंगे। ठीक सामने 60 वीवीआईपी कुर्सियां लगाई जाएंगी। यहां प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री, राज्यपाल, अदाणी, अंबानी, बिड़ला समेत देश के शीर्ष बड़े उद्योगपति, केंद्रीय मंत्री, डिप्टी सीएम, संबंधित विभागों के मंत्री, सांसद, विधायक आदि रहेंगे। डोम में 40 से ज्यादा बड़ी स्क्रीन लगेंगी ताकि पीएम और अन्य अतिथियों को आखिरी छोर तक बैठे उद्योगपति सुन सकें।

बिड़ला ग्रुप की कंपनियों के एमडी भी आएंगे

देश के शीर्ष उद्योगपति गौतम अदाणी और कुमार मंगलम बिड़ला के आने की सहमति एमपी स्टेट इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन को मिल गई है। कंपनी के अधिकारियों ने भी समिट को लेकर रजिस्ट्रेशन कराया है। अफसरों की मानें तो बिड़ला ग्रुप की सारी कंपनियों के एमडी के रजिस्ट्रेशन भी हुए हैं।

सुप्रभात

प्यार किसी को करना लेकिन
कह कर उसे बताना क्या
अपने को अर्पण करना पर
और को अपनाना क्या

गुण का ग्राहक बनना लेकिन
गा कर उसे सुनाना क्या
मन के कल्पित भावों से
औरों को भ्रम में लाना क्या

ले लेना सुगंध सुमनों की
तोड़ उन्हें मुरझाना क्या
प्रेम हार पहनाना लेकिन
प्रेम पाश फैलाना क्या

त्याग अंक में पले प्रेम शिशु
उनमें स्वार्थ बताना क्या
दे कर हृदय हृदय पाने की
आशा व्यर्थ लगाना क्या।

– हरिवंशराय बच्चन

वक्फ बिल पर सवाल, संसद में भारी बवाल

- सरकार ने पेश की जेपीसी रिपोर्ट, विपक्ष का हंगामा
- खड़गे की नाराजगी,कहा- हमारी आपत्तियां डिलीट कीं
- शाह बोले-जो चाहें जोड़ लें,मेरी पार्टी को आपत्ति नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद में बजट सत्र के पहले चरण के आखिरी दिन जेपीसी रिपोर्ट पेश की गई। इस दौरान विपक्ष ने असहमतियों को हटाने पर हंगामा किया। फिर सदन से वॉकआउट कर गए। बजट सत्र के पहले चरण के आखिरी दिन संसद में वक्फ संशोधित बिल पर जेपीसी रिपोर्ट पेश करने को लेकर हंगामा हुआ। राज्यसभा में बीजेपी सांसद मेधा कुलकर्णी ने तो लोकसभा में जेपीसी चेयरमैन और भाजपा सांसद जगदंबिका पाल ने इस रिपोर्ट को पेश किया। इसे लेकर दोनों सदनों में विपक्ष ने आपत्ति जताई। इनका आरोप है कि जेपीसी रिपोर्ट में उनकी असहमतियों को डिलीट कर दिया गया। राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा,जेपीसी की यह रिपोर्ट फर्जी है। इसमें विपक्ष की असहमतियों को डिलीट कर दिया गया। ये असंवैधानिक है। आप सांसद संजय सिंह ने कहा, हमने अपना पक्ष रखा। इससे सहमत या असहमत हो सकते हैं, लेकिन कूड़ेदान में कैसे डाल सकते हैं। इस पर गृह मंत्री अमित शाह ने कहा, विपक्ष के कुछ सदस्यों ने आपत्ति जताई थी कि उनकी राय को इसमें नहीं जोड़ा गया। मैं कहना चाहता हूं कि विपक्ष के सदस्य संसदीय कार्य प्रणाली के तहत जो कुछ भी जोड़ना चाहते हैं, वो जोड़ सकते हैं। उनकी पार्टी को इसमें कोई भी आपत्ति नहीं है। विपक्षी दलों ने वक्फ (संशोधन) विधेयक पर संयुक्त संसदीय समिति की रिपोर्ट को लेकर तीखी नाराजगी जताई और सरकार पर संसदीय प्रक्रियाओं का उल्लंघन करने का आरोप लगाया। कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने कहा, 655 पन्नों की रिपोर्ट पढ़ने के लिए हमें केवल एक रात दी गई... हमें अपनी आपत्तियां रखने का पर्याप्त समय नहीं मिला। यदि बैठक के मिनट्स को देखें, तो पाएंगे कि क्लॉज-दर-क्लॉज चर्चा नहीं हुई, जबकि यह सबसे महत्वपूर्ण प्रक्रिया होती है। इसे नजरअंदाज किया गया। अध्यक्ष किसके दबाव में काम कर रहे हैं।

वर्चुअल टूर से मिलेगी मप्र के इतिहास और संस्कृति की जानकारी : सीएम

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की उपस्थिति में गुरूवार को एमपी टूरिज्म बोर्ड और फिनलैंड की संस्था वी रियल के बीच प्रदेश के पर्यटन स्थलों, ऐतिहासिक धरोहरों और संग्रहालयों पर आधुनिक तकनीक का उपयोग कर वर्चुअल टूर तैयार करने के लिए एमओयू पर हस्ताक्षर हुए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जीवंत अनुभूति देने वाले इन वर्चुअल टूर के माध्यम से अब पर्यटन, इतिहास और संस्कृति में रूचि रखने वाले व्यक्ति, अपने देश में रहते हुए मध्यप्रदेश के गौरवशाली इतिहास और समृद्ध संस्कृति से परिचित हो सकेंगे। इससे प्रदेश के पर्यटन स्थलों और एतिहासिक धरोहरों का वैश्विक स्तर पर प्रचार-प्रसार करने में मदद मिलेगी और विश्व के विभिन्न देशों से आने वाले पर्यटकों की संख्या में वृद्धि होगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मुख्यमंत्री निवास स्थित समत्व भवन में भारत में फिनलैंड के राजदूत श्री किम्मो लाहदेविर्ता का शॉल और पुष्प-गुच्छ भेंट कर स्वागत किया और प्रदेश के पर्यटन स्थलों, ऐतिहासिक धरोहरों और संस्कृति को प्रदर्शित करती कॉफी टेबल बुक भेंट की।

एमपी टूरिज्म बोर्ड और वी रियल संस्था के बीच हुआ एमओयू

प्रमुख सचिव पर्यटन और संस्कृति श्री शिव शेखर शुक्ला ने बताया कि फिनलैंड की कंपनी वी-रियल द्वारा इतिहास, संस्कृति, और धरोहर का उन्नत तकनीक के माध्यम से वीडियो निर्माण कर संरक्षित और पुनर्जीवित किया जाता है। कंपनी इस वर्चुअल टूर को अपने प्लेट फार्म पर उपलब्ध कराती है, जो वैश्विक स्तर पर शैक्षणिक संस्थाओं सहित टूर और ट्रैवल संस्थानों सहित आम नागरिकों के लिए उपलब्ध रहते हैं। आज हुए इस एमओयू से मध्यप्रदेश के इतिहास और संस्कृति की अद्यतन जानकारी वर्चुअल स्वरूप में वैश्विक स्तर पर सहज रूप से उपलब्ध होगी। एमओयू हस्ताक्षर अवसर पर अपर प्रबंध संचालक टूरिज्म बोर्ड सुश्री बिदिशा मुखर्जी, वी रियल संस्था के सीईओ श्री जोहानेस स्वॉर्डस्टॉर्म सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

नया इनकम टैक्स बिल लेकर आई मोदी सरकार

- सैलरी से टीडीएस तक की होगी बात, टैक्सपेयर्स को होगा बड़ा फायदा

नई दिल्ली (एजेंसी)। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने नए इनकम टैक्स बिल को लोकसभा में पेश कर दिया है। बीते सप्ताह केंद्र सरकार की कैबिनेट की मंजूरी के बाद गुरुवार को निर्मला सीतारमण ने नए बिल को पेश किया। लोकसभा में हंगामे के बीच वित्त मंत्री ने बिल को सदन के पटल पर रखा। अब इस बिल को आगे के विचार-विमर्श के लिए संसदीय स्थायी समिति के पास भेजा जाएगा। नया इनकम टैक्स बिल एक अप्रैल, 2026 से लागू होने की उम्मीद है। नए बिल में 536 धाराएं, 23 अध्याय और 16 अनुसूचियां हैं। यह सिर्फ622 पृष्ठों पर अंकित है। इसमें कोई नया कर लगाने की बात नहीं की गई है। यह बिल मौजूदा आयकर अधिनियम, 1961 की भाषा को सरल बनाता है। बता दें कि छह दशक पुराने मौजूदा कानून में 298 धाराएं और 14 अनुसूचियां हैं। जब यह अधिनियम पेश किया गया था, तब इसमें 880 पृष्ठ थे। नए बिल में फ्रिंज बेनेफिट टैक्स से संबंधित अनावश्यक धाराओं को हटा दिया गया है। विधेयक के 'स्पष्टीकरण या प्रावधानों' से मुक्त होने की वजह से इसे पढ़ना और समझना आसान हो जाता है।

भारत की ब्रह्मोस मिसाइल पर दुनिया का बढ़ा भरोसा

- 4 और देश बन सकते हैं खरीदार, ब्रह्मोस एनजी के ट्रायल शुरू

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की बनाई ब्रह्मोस मिसाइल के फैन दुनिया के कई देश हो गए हैं। फिलीपींस के बाद अब खबरें हैं कि चार और देशों ने इस सुपरसॉनिक क्रूज मिसाइल को हासिल करने में रुचि दिखाई है। हालांकि, इस लेकर सेना या सरकार की तरफ से आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं कहा गया है। भारत ने बीते साल ही में फिलीपींस को ब्रह्मोस की डिलीवरी करना शुरू किया है। ट्रिब्यून इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार, भारत 4 और देशों को ब्रह्मोस बेचने की योजना बना रहा है। रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि इनमें संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब, मिस्र और वियतनाम शामिल है। इससे पहले भारत पहले ही यह मिसाइल फिलीपींस को बेच चुका है। वहीं, इंडोनेशिया से डील पर चर्चाओं का दौर जारी है। संभावनाएं जताई जा रही हैं कि कुछ समय में इंडोनेशिया से एक प्रतिनिधिमंडल भारत आ सकता है। रिपोर्ट के अनुसार, देश मुख्य रूप से ब्रह्मोस का लैंड वर्जन खरीदने में रुचि दिखा रहे हैं। जबकि, फिलीपींस ने तट पर इस्तेमाल किए जाने वाले वेरिएंट की मांग की थी, जो एंटी शिप क्रूज मिसाइल बन सकता हो। इसकी रेंज 290 किमी होगी। भारत के पास जमीन, समुद्र और हवाई वर्जन मौजूद हैं। खास बात है कि फिलीपींस उन 6 देशों में से एक है, जिनका समुद्री क्षेत्र को लेकर चीन के साथ साउथ चाइना सी में विवाद चल रहा है। अखबार से बातचीत में ब्रह्मोस के महानिदेशक जेआर जोसी ने जानकारी दी है कि ब्रह्मोस एनजी के ट्रायल शुरू हो गए हैं। ये ट्रायल 2026 तक पूरे हो जाएंगे। एनजी वर्जन को सुखोई 30 एमकेआई लड़ाकू विमान के साथ जोड़ा जाना है। इन्हें सुखोई के पंख पर लगाया जाएगा। एयरो इंडिया 2025 के दौरान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि देश बदलाव के क्रांतिकारी दौर से गुजर रहा है। उन्होंने कहा, हम सभी जानते हैं कि भारत ऐतिहासिक रूप से अपनी रक्षा जरूरतों के लिए आयात पर निर्भर रहा है। अगर मैं एक दशक पहले की बात करूं तो हमारे देश में 65 से 70 प्रतिशत रक्षा उपकरण आयात किए जाते थे। उन्होंने कहा, यदि हम आज की स्थिति को देखें तो आप इसे समाधान या चमत्कार कह सकते हैं, लेकिन आज देश में लगभग उतने ही प्रतिशत रक्षा उपकरणों का निर्माण हो रहा है। सिंह ने कहा,आज हम ऐसे मोड़ पर खड़े हैं जहां लड़ाकू विमान, मिसाइल प्रणाली, नौसैन्य पोत या ऐसे अनेक उपकरण और प्लेटफॉर्म न सिर्फ हमारी सीमाओं की रक्षा कर रहे हैं बल्कि पूरी दुनिया के लिए आकर्षण का केंद्र भी बन रहे हैं।

भोपाल का तापमान
अधिकतम 22 °c
न्यूनतम 16°c

2

सुबह सवेरे

इंदौर ■ शुक्रवार, 14 फरवरी 2025

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

महाकुंभ का ज्ञानकुंभ, चारों युगों के कराता है दर्शन

सनातन संस्कृति से स्वर्णिम भारत का अनोखा मॉडल

प्रयागराज (एजेंसी)। महाकुंभ के सेक्टर 7 में ब्रह्मकुमारीज संस्थान द्वारा लगाए गए स्वर्णिम भारत ज्ञानकुंभ कई मायनों में अनोखा और जीवन के साथ चार युगों का एहसास पूर्ण दर्शन कराने का अद्भुत प्रयास है। यहां सनातन संस्कृति से रामराज्य की परिकल्पना करने वाले नए और स्वर्णिम भारत की झलक देखने को मिलेगी। 10 जनवरी से शुरू हुआ यह ज्ञानकुंभ 16 फरवरी को पूरा हो जाएगा।

अभी तक यह करोड़ों लोगों के आस्था का केन्द्र बन चुका है। जैसे ही आप पंडाल में प्रवेश करेंगे तो यहां से एक गुफा के अन्दर प्रवेश करने को मिलेगा। गुफा का

मुंह राक्षस के मुंह जैसा है। यहां सबसे पहले कलयुग में हावी हो रहे आसुरी स्वभाव और मानसिक प्रवृत्तियों को दर्शाया गया है।

वर्तमान युग की दिखेगी हकीकत जिसमें चोरी, लूट, खसोट, हत्या, हर घर में लड़ाई झगड़ा, हिंसा, बाढ़ तूफान, आतंवाद, बालात्कार और कई ऐसी चीजों को चलचित्रों के मॉडल से दर्शाया गया है, जिसे जंगल का रूप दिया गया है। इसमें जाने के बाद वर्तमान युग की हकीकत दिखने लगती है। देवी देवताओं और सतयुगी राजदरबार के होंगे दीदार मौजूद मानव सनातन संस्कृति और सनातन मूल्यों को यदि जीवन में उतारता है, तो बदलते युग के दर्शन हो जायेंगे। जिसमें देवी देवताओं, श्रीकृष्ण, लक्ष्मी नारायण और सतयुगी राजदरबार के दीदार होंगे। जिसमें यह बताया गया है कि सनातन संस्कृति और रामराज्य की परिकल्पना के लिए सनातन मूल्यों को अपने जीवन में कैसे उतारना है।

परमात्मा शिव का ध्यान और उनसे मिलने वाली शक्तियों को भी दर्शाया गया है। बच्चों को आदर्शवादी बनाने के लिए वैल्यू गेम्स और माइंड स्पा भी देखने को मिलेंगे, जिसमें अपने अशांत मन को संतुलित कर सकें।

मणिपुर में लगा राष्ट्रपति शासन

4 दिन पहले ही बीरेन सिंह ने दिया था सीएम पद से इस्तीफा

नई दिल्ली (एजेंसी)। मणिपुर में एन बीरेन सिंह के इस्तीफे के बाद अब राष्ट्रपति शासन लग गया है। खास बात है कि बीरेन सिंह के इस्तीफे के बाद राज्य में नए मुख्यमंत्री का नाम सामने नहीं आया था। ऐसे में राज्य में

राष्ट्रपति शासन की अटकलें लग रही थीं। राज्य में मई 2023 से अब तक दो समुदायों मैतेई और कुकी समुदाय के बीच टकराव के बाद भयंकर हिंसा हुई है। इस हिंसा में 250 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। माना जा रहा है कि बीरेन सिंह के इस्तीफे के बाद बीजेपी विधायक दल में नए सीएम के नाम पर सहमति नहीं बन पाई। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार बीरेन सिंह के इस्तीफे के बाद बीजेपी मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार चुनने में 'विफल' रही। बीरेन सिंह ने 4 दिन पहले ही अपने पद से इस्तीफा दिया था। खबर थी कि बीजेपी विधायक कांग्रेस की तरफ से राज्य विधानसभा में लाए जाने वाले अविश्वास प्रस्ताव का समर्थन कर सकते हैं।

निकाय चुनाव के बीच हरियाणा में ईडी की रेड

पानीपत (एजेंसी)। हरियाणा के पानीपत में निकाय चुनाव के बीच इन्फोर्समेंट डायरेक्टोरेट (ईडी) की टीम ने एक बड़े नेता नीतिसैन भाटिया और उनके 2 बेटों के ठिकानों पर रेड की है। जम्मू और हरियाणा नंबर की गाड़ियों में ईडी की टीम अर्धसैनिक बलों की सुरक्षा में गुरुवार सुबह 8 बजे मॉडल टाउन

स्थित उनकी कोठी नंबर 48 पर पहुंची। इसके बाद घर के बाहर जवान तैनात कर आने-जाने पर रोक लगा दी गई। घर के अंदर नीतिसैन भाटिया, उनके पूर्व सांसद भतीजे संजय भाटिया और घर की महिलाएं मौजूद हैं। फिलहाल टीम घर में मौजूद सदस्यों से पूछताछ कर रही है। इस दौरान कारीगर को बुलाकर अलमारी का लॉक भी तुड़वाया गया।

तेलंगाना में जाति गणना के बाद फिर मचा बवाल!

कम हो गई ओबीसी की आबादी, विपक्ष ने कांग्रेस को घेरा

हैदराबाद (एजेंसी)। तेलंगाना में हाल ही में हुए जाति सर्वेक्षण में हुई गड़बड़ियों को लेकर विपक्षी पार्टियों, जिनमें भारत राष्ट्र समिति भी शामिल है, की आलोचना का सामना कर रही कांग्रेस सरकार ने फैसला

लिया है कि 16 से 28 फरवरी तक फिर सर्वेक्षण कराया जाएगा। यह सर्वे केवल उन 3.1 प्रतिशत परिवारों के लिए होगा जो पहले हुए जाति गणना में शामिल नहीं हो पाए थे। आपको बता दें कि तेलंगाना में हाल ही में जारी किए गए आंकड़ों की सटीकता और विश्वसनीयता को लेकर बहस छिड़ गई है। सबसे बड़ी चिंता राज्य के पिछड़ी जातियों की जनसंख्या में गिरावट को लेकर उठी थी। यहां ओबीसी की संख्या कम हो गई है।

दिल्ली में प्रचंड जीत के बाद अगले मिशन पर बीजेपी

डबल से ट्रिपल इंजन की सरकार बनाने की शुरू की तैयारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली विधानसभा चुनाव में प्रचंड जीत करने के बाद भारतीय जनता पार्टी का हौसला और भी ज्यादा बुलंद हो गया है। लगभग 27 साल बाद राज्य की सत्ता में बीजेपी की वापसी हुई है। हालांकि बीजेपी अब अपने अगले मिशन के लिए लग गई है। अब बीजेपी दिल्ली एमसीडी में भी अपनी सरकार बनाना चाह रही है, जिसके लिए तैयारी शुरू हो गई है। हाल में आए विधानसभा चुनाव परिणाम ने दिल्ली के पूरे समीकरण बदल दिए हैं, इसी वजह से केंद्र और राज्य की सत्ता मिलने की बाद अब बीजेपी नगर निगम में भी अपनी सरकार बनाना चाह रही है। दिल्ली नगर निगम में कुल 250 पार्षद की सीटें है, जिसमें से 11 पार्षद सांसद और विधायक बन गए हैं। इस आधार पर नगर निगम में अब निर्वाचित पार्षदों की संख्या 239 बची है। जिसमें से 119 सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी के हैं जबकि 113 बीजेपी के हैं। वहीं 7 पार्षद कांग्रेस पार्टी के हैं। ऐसे में आप और बीजेपी

के बीच महज 6 पार्षदों का अंतर है। 11 पार्षदों की खाली हुई सीटों पर चुनाव निर्वाचन आयोग कभी भी चुनाव करा सकता है। दिल्ली में 15 साल तक नगर निगम में बीजेपी की सरकार थी लेकिन बीते एमसीडी चुनाव में बीजेपी को आम आदमी पार्टी से हार मिली थी। हालांकि दिल्ली विधानसभा चुनाव में मिली जीत के बाद नगर निगम में सरकार बनाना भी बीजेपी के लिए राह आसान नजर आ रही है। चूंकि दिल्ली विधानसभा में सरकार गठन के बाद विधानसभा अध्यक्ष 14 विधायकों को नगर निगम में सदस्य मनोनीत करेंगे। अभी तक की परंपरा के अनुसार राज्य में सत्तारूढ़ दल के विधायकों की संख्या के विधायकों को अधिकतम मनोनीत किया जाता रहा है। ऐसे में बीजेपी को यहां से फायदा मिलने वाला है। दिल्ली नगर निगम में होने वाले 14 मनोनयन में से 13 बीजेपी विधायकों को अगर मनोनीत किया जाता है। तो ऐसे में बीजेपी की राह आसान होगी। इसके साथ ही सांसद भी सभी बीजेपी के हैं।

एएपी विधायक अमानतुल्लाह की गिरफ्तारी पर लगी रोक

24 फरवरी तक के लिए मिली छूट, कोर्ट ने दी राहत

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की एक कोर्ट ने पुलिस टीम पर हमला मामले में एएपी विधायक अमानतुल्लाह खान की गिरफ्तारी पर 24 फरवरी तक रोक

लगा दी है। गुरुवार को राउज एवेन्यू कोर्ट के स्पेशल जज जस्टिस जितेंद्र सिंह ने खान को आदेश दिया कि जब भी जांच अधिकारी बुलाएं, वे जांच में शामिल हों। कोर्ट ने अमानतुल्लाह की अग्रिम जमानत वाली याचिका सुनवाई करते हुए यह फैसला दिया। वहीं, जस्टिस सिंह ने पुलिस को हमले से जुड़े सभी डाक्यूमेंट्स और सीसीटीवी फुटेज कोर्ट में पेश करने का भी आदेश दिया। दरअसल, एएपी विधायक अमानतुल्लाह पर जामिया नगर में 10 फरवरी को पुलिस टीम पर कथित हमले की अगुवाई करने का आरोप है। हमले के बाद दिल्ली पुलिस ने खान के खिलाफ एफआईआर दर्ज की थी। पुलिस का कहना है कि खान 3 दिन से फरार हैं। एएपी विधायक ने कहा- कल मैंने कोर्ट ज्वाइन किया, परसों कोर्ट ज्वाइन किया। कल भी मैंने सीबीआई कोर्ट ज्वाइन किया।

पाकिस्तान बॉर्डर पर युद्धविराम लागू, नहीं हुई गोलीबारी

सेना बोली-हालात पर हमारी नजर, सीमापार से फायरिंग की थी खबर

श्रीनगर (एजेंसी)। भारतीय सेना ने कहा कि नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर युद्धविराम लागू है। दोनों सेना (भारत और पाकिस्तान) आपसी समझ बनाए हुए हैं। फिलहाल एलओसी पर कोई गोलीबारी नहीं हुई। कोई छोटी घटनाएं भी नहीं हुईं। पाकिस्तान आर्मी के अफसरों से इस मसले पर बात हो चुकी है। इंडियन आर्मी अलर्ट है और हालात पर नजर रखे हुए है। इससे पहले खबर आई थी कि जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में एलओसी पर बुधवार देर रात पाकिस्तान सैनिकों ने सीजफायर तोड़ा। पाकिस्तान की ओर से भारतीय सीमा में गोलीबारी की गई, हालांकि कोई नुकसान नहीं हुआ। न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तानी गोलीबारी का भारतीय सेना ने भी जवाब दिया। आर्मी सूत्रों ने बताया कि भारतीय सेना के जवाबी हमले में पाकिस्तान के कई सैनिकों को भारी

नुकसान हुआ है। वहीं, सोशल मीडिया पर पाकिस्तानी अधिकारियों का एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें वे अपने सैनिकों को श्रद्धांजलि देते हुए दिख रहे हैं। कुछ रिपोर्ट्स में 6 लोगों के मारे जाने की बात कही गई। भारत-पाकिस्तान के बीच 2021 में युद्धविराम समझौता रिन्यू हुआ था भारत और पाकिस्तान ने 25 फरवरी, 2021 को युद्धविराम समझौते को रिन्यू किया था। दोनों देशों ने घोषणा की कि वे जम्मू-कश्मीर और अन्य क्षेत्रों में नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर युद्धविराम पर सभी समझौतों का सख्ती से पालन करेंगे। तब इस्लामाबाद और नई दिल्ली में जारी एक संयुक्त बयान में इसका ऐलान किया गया था। भारत और पाकिस्तान ने शुरुआत में 2003 में युद्धविराम समझौते पर हस्ताक्षर किए थे, लेकिन पाकिस्तान समझौते का उल्लंघन करता आया है। 2020 में पाकिस्तान ने रिकॉर्ड 4100 बार सीजफायर का उल्लंघन किया पाकिस्तान ने 2020 में रिकॉर्ड 4100 से ज्यादा बार सीजफायर तोड़ा था। इस दौरान नवम्बर में 128 बार, अक्टूबर में 394 बार सीजफायर तोड़ा।

जबलपुर रेलवे स्टेशन पर युवक का हंगामा

लोहे की रॉड से टिकट काउंटर में तोड़फोड़ की, डरकर भागे यात्री, आरपीएफ ने हिरासत में लिया

जबलपुर (नप्र)। जबलपुर रेलवे स्टेशन में गुरुवार तड़के युवक ने तोड़फोड़ कर दी। घटना स्टेशन के प्लेटफॉर्म-1 पर बने टिकट काउंटर की है। यहां रेलवे कर्मचारी काउंटर से यात्रियों के टिकट दे रहे थे। इस दौरान युवक काउंटर के भीतर घुसा और तोड़फोड़ शुरू कर दी।

घटना की जानकारी लगते ही आरपीएफ पुलिस मौके पर पहुंची और तोड़फोड़ करने वाले युवक को हिरासत में लिया। तोड़फोड़ के दौरान उसके के सिर, हाथ और सीने में चोट आई है। उसे इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज में भर्ती किया गया है। घटना सुबह करीब ढ़ाई बजे की है।

पुलिस के मुताबिक, प्लेटफार्म नंबर एक के टिकट काउंटर पर रात करीब ढ़ाई बजे एक 25 वर्षीय युवक ने तोड़फोड़ की है। युवक अपने हाथों मे लोहे की रॉड लेकर पहुंचा और अचानक काउंटर में तोड़फोड़ करने लगा। मौके पर मौजूद कर्मचारी जब उसे पकड़ने पहुंचे तो वह लोहे की रॉड लेकर उनके पीछे दौड़ा और अंदर घुस गया।

इस दौरान युवक ने काउंटर में रखी मशीन, कम्प्यूटर भी तोड़ दिए। रेलवे कर्मचारियों ने उसे रोकने की कोशिश की तो युवक ने उन पर भी हमला कर दिया, हालांकि रेलवे कर्मचारियों को ज्यादा चोटें नहीं आई। युवक करीब 10 मिनट तक हंगामा करता रहा। मौके पर मौजूद यात्री हंगामा देख वहां से भाग खड़े हुए।

हंगामे की जानकारी लगते ही आरपीएफ थाना प्रभारी आरके मंसूरी टीम के साथ मौके पर पहुंचे और युवक को हिरासत में लिया। हंगामा कर रहे युवक को भी चोटें आई है। आरपीएफ थाना प्रभारी ने बताया कि रात करीब ढ़ाई से पौने तीन के बीच वायरलेस पर सूचना मिली थी कि कोई व्यक्ति प्लेटफार्म-1 पर तोड़फोड़ कर रहा है। जिसके बाद युवक को हिरासत में लिया गया है।

तोड़फोड़ में रेलवे को काफी नुकसान हुआ है। हालांकि टिकट मशीन सुरक्षित है। जिसके चलते टिकट वितरण का काम प्रभावित नहीं हुआ है। युवक के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। थाना प्रभारी के मुताबिक युवक मानसिक रूप से विक्षिप्त। रेलवे स्टेशन के अंदर और बाहर कई विक्षिप्त घूमते रहते है, जिन्हें समय-समय पर वहां से हटाया जाता है। पर वह फिर अंदर घुस आते है। हाल ही रेलवे स्टेशन में सुरक्षा के मद्देनजर यातायात को व्यवस्थित करने के लिए अवैध रूप से बने रास्तों को बंद करते हुए कुछ चुनिंदा मार्ग ही खोले गए थे। यहां आरपीएफ और जीआरपी की मौजूदगी में ही यात्री अंदर बाहर जा सकते थे। लेकिन कुछ ही दिन बाद व्यवस्था को बंद करते हुए सभी रास्ते खोल दिए गए। जिसके चलते कोई भी व्यक्ति आसानी से स्टेशन के भीतर घुस आता है।

गुरुवार तड़के सुबह हंगामा का एक कारण यह भी है कि रेलवे स्टेशन के पास अवैध रूप से बने रास्ते और आउटर से लोग रेलवे स्टेशन में आ जाते है।

रेलवे कर्मचारियों ने की आरपीएफ से सुरक्षा की मांग- गुरुवार की टिकट काउंटर में हुई घटना के बाद रेलवे कर्मचारी में भी हड़कंप मचा हुआ है। उनका कहना है कि कभी भी, कोई भी स्टेशन में घुस आता है, और फिर इस तरह का हंगामा होता है। रेलवे कर्मचारियों ने मांग की है कि स्टेशन में आने-जाने वालों पर आरपीएफ को कड़ी नजर रखना होगा।

केरल में चर्च की जमीन पर मंदिर के अवशेष

पादरियों ने हिंदुओं को अनुष्ठान करने की अनुमति दी

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। केरल के पलाई में एक रोमन कैथोलिक चर्च की जमीन पर प्राचीन मंदिर के अवशेष मिले हैं। मंदिर करीब 100 साल पहले नष्ट हो गया था। इसके बाद चर्च कमेटी और पादरियों ने हिंदू समुदाय को धार्मिक अनुष्ठान देवप्रश्नम की अनुमति दे दी है। देवप्रश्नम एक ज्योतिषीय अनुष्ठान है, जिससे भगवान की इच्छा जानी जाती है। खुदाई में मिला मंदिर का इतिहास स्थानीय हिंदू संगठनों के सदस्यों और चर्च के अनुसार, 4 फरवरी को जब 1.8 एकड़ जमीन पर कसावा (टैपियोका) की खेती के लिए खुदाई चल रही थी, तभी शिवलिंग समेत प्राचीन मंदिर के अवशेष मिले। यह जमीन वेल्लप्पाडु के श्री वनदुर्गा भगवती मंदिर से करीब एक किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। रिपोर्ट के मुताबिक

यह मंदिर 100 साल पहले नष्ट हो चुका था। पहले यह जमीन एक ब्राह्मण परिवार के स्वामित्व में थी, लेकिन समय के साथ कैथोलिक चर्च के पास आ गई। मंदिर के अवशेष मिलने के बाद स्थानीय हिंदू संगठनों और चर्च के अधिकारियों के बीच चर्चा हुई। पलाई डायोसीज के चांसलर बोले- हिंदू समुदाय से हमेशा प्रेमपूर्ण व्यवहार रखेंगे श्री वनदुर्गा भगवती मंदिर समिति के सदस्य विनोद के एस ने बताया, मंदिर के अवशेष 4 फरवरी को मिले थे। दो दिन बाद जब स्थानीय लोगों ने वहां दीप जलाए, तब हमें इस बारे में पता चला। हमने तुरंत पलाई के बिशप हाउस के पादरियों से संपर्क किया। पादरियों ने हिंदू अनुष्ठान की अनुमति दे दी। वहीं, पलाई डायोसीज के चांसलर फादर जोसेफ कुट्टियानकल ने भी मंदिर के अवशेष मिलने की पुष्टि करते हुए कहा- हम हिंदू समुदाय के साथ सौहार्द्रपूर्ण रिश्ते रखते हैं और इसे बनाए रखेंगे। उनकी मांगों को लेकर हमारा नजरिया हमेशा प्रेमपूर्ण रहेगा। हिंदू महासंघम, मीनाचिल (पलाय) के अध्यक्ष एडवोकेट राजेश पलाट ने चर्च के फैसले की सराहना की।

दिल्ली में बीजेपी दफ्तर से भी भव्य है केशव कुंज

- 150 करोड़ की लागत से तैयार हुआ आरएसएस भवन
- 3.75 एकड़ में 12 मंजिला 3 टावरों में 300 हैं कमरे, लाइब्रेरी और क्लीनिक की भी है सुविधा

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के दिल्ली कार्यालय 'केशव कुंज' की नई बिल्डिंग बनकर तैयार हुई है। संघ 1962 से यहां काम कर रहा है। नया कंस्ट्रक्शन 2018 में शुरू हुआ था, जो 8 साल बाद पूरा होने को है। गुजरात के आर्किटेक्ट अनूप दवे ने इसे डिजाइन किया है। बिल्डिंग को मॉडर्न और ओल्ड दोनों की तरह का लुक दिया गया है। 3.75 एकड़ में फैले 150 करोड़ की लागत से बनाए गए नए दफ्तर में 12 मंजिला वाले 3 टावर- साधना, प्रेरणा और अर्चना हैं। इनमें 300 कमरे-ऑफिस हैं। दावा है कि यह रकम 75 हजार लोगों ने दान दी थी। मेन ऑडिटोरियम विश्व हिंदू परिषद (वीएचपी) नेता अशोक सिंघल की स्मृति में बनाया गया है, जो अयोध्या में राम मंदिर के मुख्य समर्थकों में से एक थे। इसमें 463 लोग बैठ सकते हैं, जबकि दूसरे हॉल में 650 सदस्य बैठ सकते हैं। इस बिल्डिंग में लाइब्रेरी, हेल्थ क्लिनिक (5 बिस्तर वाला) और सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट भी है। इलाके के गरीब तबके के

लोग इस अस्पताल में इलाज कर सकेंगे। और बाहरी लोग भी लाइब्रेरी का उपयोग कर सकेंगे। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक संघ प्रमुख मोहन भागवत और सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले 19 फरवरी को इस कार्यालय से अपने काम की शुरुआत करेंगे। 21 से 23 मार्च तक बेंगलुरु में संघ की सालाना अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा का आयोजन होगा। ये संघ का सर्वोच्च निर्णय लेने वाला निकाय माना जाता है। इस बैठक में संघ और इससे जुड़े संगठनों के 1500 से ज्यादा लोग भाग लेंगे। बैठक में संगठनात्मक मामलों के अलावा दूसरे प्रमुख मुद्दों पर चर्चा होगी। कई मामलों पर संघ का रुख दर्शाने वाले प्रस्ताव पारित किए जाएंगे। बैठक में पार्टी अध्यक्ष सहित वरिष्ठ भाजपा नेता भी शामिल होंगे। केशव कुंज का डिजाइन इस प्रकार किया गया है कि यह कार्यक्रमों, प्रशिक्षण और बैठकों के लिए एक आदर्श स्थान बने। पुस्तकालय शोध कार्यों को सहायता प्रदान करेगा, जबकि ऑडिटोरियम में बड़े आयोजनों का आयोजन किया जा सकेगा।

दो दिनों में 2 डिग्री गिरा तापमान

फरवरी में पहली बार पारा सामान्य पर, रात में हल्की ठंड

इंदौर (नप्र)। फरवरी के दूसरे सप्ताह के अंत में मौसम ने

करवट ली है। पिछले 48 घंटों में दिन और रात के तापमान में 2 डिग्री की गिरावट दर्ज की गई है। खास बात यह है कि इस फरवरी में पहली बार दिन और रात का तापमान सामान्य स्तर पर पहुंचा है।ॉ इन दिनों शाम होते ही हल्की ठंड का अहसास शुरू हो जाता है, जो सुबह तक बना रहता है, हालांकि दिन में ठंड का असर नहीं के बराबर है। गुरुवार सुबह हल्की ठंड महसूस हुई, लेकिन दिन चढ़ने के साथ ही मौसम साफ और सामान्य हो गया। मंगलवार को दिन और रात के तापमान में 1 डिग्री की गिरावट दर्ज की गई थी, जो बुधवार को भी जारी रही। इस दौरान अधिकतम तापमान 28.8 डिग्री और न्यूनतम तापमान 12.4 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। हाल के दिनों में मौसम में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है-दिन में तेज धूप रहती है, जबकि रात में हल्की ठंड महसूस होती है। गुरुवार सुबह से मौसम साफ है और ठण्ड का असर कम था।

अगले दो दिनों तक जारी रहेगा यही मौसम- मौसम वैज्ञानिक प्रमेंद्र कुमार रैकवार के अनुसार, अगले दो दिनों तक ऐसा ही मौसम बना रहेगा। इस दौरान तापमान में उतार-चढ़ाव जारी रहेगा। जम्मू-कश्मीर के ऊपर एक पश्चिमी विक्षोभ (वेस्टर्न डिस्टर्बेंस) सक्रिय है, जिसके प्रभाव से बुधवार को दिन के तापमान में गिरावट दर्ज की गई। इसके चलते रात का तापमान और नीचे गिर सकता है। 14 और 15 फरवरी को भी मौसम का यही मिजाज रहने की संभावना है, जिसके बाद तापमान में बढ़ोतरी हो सकती है। फरवरी के दौरान कई पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय रहेंगे, जिससे तापमान में उतार-चढ़ाव देखने को मिलेगा। फिलहाल बारिश की संभावना नहीं है।

चिकित्सक महासंघ के आंदोलन को 18 पीएमटीए का समर्थन

16 फरवरी को भोपाल में बैठक

इंदौर (नप्र)। प्रोग्रेसिव मेडिकल टीचर्स एसोसिएशन (पीएमटीए) के सभी 18 मेडिकल टीचर्स एसोसिएशन के पदाधिकारियों और एग्जीक्युटिव सदस्यों की बुधवार को ऑनलाइन बैठक हुई। बैठक में प्रशासनिक उदासीनता के कारण

लंबित विषयों पर चर्चा की गई, और 20 फरवरी से आंदोलन शुरू करने पर सहमति बनी। बैठक में प्रदेश के सभी 8 सरकारी और ऑटोनोमस चिकित्सक संगठनों के पदाधिकारियों और एग्जीक्युटिव सदस्यों ने आंदोलन में भाग लेने पर सहमति दी। इसके बाद, 16 फरवरी को म.प्र. शासकीय स्वशासी चिकित्सक महासंघ की प्रदेशव्यापी एग्जीक्युटिव बॉडी मीटिंग भोपाल में आयोजित होगी। डॉ. अशोक ठाकुर, महासचिव (प्रोग्रेसिव मेडिकल टीचर्स एसोसिएशन) ने बताया कि बैठक में संगठन के लंबित मुद्दों पर चर्चा की जाएगी, और प्रस्तावित आंदोलन की रणनीति बनाई जाएगी।

इंदौर में गुटकेश्वर महादेव पर महाशिवरात्रि पर आयोजन

फरियाली खिचड़ी का भंडारा, रुद्राक्ष वितरण भी होगा

इंदौर (नप्र)। इंदौर में महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर श्री गुटकेश्वर धाम सद्गुरु परिवार न्यास द्वारा कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। रानी लक्ष्मीबाई चौराहे पर 26 फरवरी को होने वाले इस कार्यक्रम में भक्तों के लिए फरियाली खिचड़ी का प्रसाद वितरण किया जाएगा। कार्यक्रम में विशेष आकर्षण के रूप में प्रसिद्ध भजन गायकों द्वारा भजनों की मनमोहक प्रस्तुतियां होंगी। साथ ही वृंदावन से आए कलाकारों द्वारा नृत्य नाटिका का मंचन भी किया जाएगा। आयोजकों ने महिलाओं के लिए बैठने की विशेष व्यवस्था की जाएगी। पंचकुइया पीठाधीश्वर महामंडलेश्वर राम गोपाल दास महाराज के सान्निध्य में आयोजित इस कार्यक्रम की शुरुआत सुबह से ही होगी। प्रातः काल वेद मंत्रों के साथ गुटकेश्वर महादेव का विशेष अभिषेक होगा और संध्या को श्रृंगार किया जाएगा। शाम 7 बजे से फरियाली भंडारे का आयोजन प्रारंभ होगा। आयोजन प्रमुख धीरज शुक्ला के अनुसार, 25 हजार रुद्राक्ष का वितरण भी किया जाएगा। उन्होंने यह भी बताया कि यदि भक्तों की संख्या 20 हजार से भी अधिक होगी, तो उनके लिए भी फरियाली खिचड़ी की पर्याप्त व्यवस्था की गई है। कार्यक्रम की सुचारु व्यवस्था के लिए विशेष कार्यकर्ता टीम का गठन किया गया है।

इंदौर के रजत पाटीदार बने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के कप्तान

विराट कोहली ने भी किया सपोर्ट, टीम ने 11 करोड़ रुपए में खरीदा था

इंदौर (नप्र)। मध्यप्रदेश के इंदौर के युवा क्रिकेटर रजत पाटीदार (31 साल) को इंडियन प्रीमियर लीग की टीम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने अपना कप्तान घोषित किया है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर आरसीबी के ऑफियशियल अकाउंट से इसकी जानकारी दी गई। अब तक फाफ डु प्लेसिस इस टीम की कप्तानी कर रहे थे। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 21 मार्च से शुरू हो रहा है। रजत को आईपीएल-2025 के लिए आरसीबी ने 11 करोड़ रुपए में खरीदा है। रजत 2021 से आरसीबी के साथ हैं। रजत सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी और विजय हजारे ट्रॉफी के 2024-25 सीजन में मध्यप्रदेश के कप्तान रहे हैं। कप्तान बनाए जाने के बाद रजत ने एक्स हेंडल पर अपने सफर के बारे में बताया।

कई लीजेंड्स को लीड करने का मिलेगा मौकाः रजत ने कहा कि मेगा ऑक्शन में मुझे सिलेक्ट नहीं किया गया तो मैं निराश हो गया था। डर था कि मेरा आईपीएल में सिलेक्शन होगा कि नहीं। फिर मुझे रिप्लेसमेंट के रूप में पिक किया गया। दूसरा चांस मिलने पर बहुत कॉन्फिडेंट था कि जब मैं यहां तक आया हूं तो आगे भी जा सकता हूं। खुद को सम्मानित महसूस कर रहा हूं। यहां कई लीजेंड्स को लीड करने का मौका मिलेगा। मैं बहुत कुशल

तरीके से सभी को साथ लेकर कप्तानी करूंगा। मेरा सफर काफी ऊपर-नीचे रहा है। खुद पर भरोसा करता हूं, यही मेरी ताकत है और आगे भी रहेगी।

विराट ने कप्तान बनने पर रजत को दी बधाई

फ्रेंचाइजी ने कोहली का एक वीडियो शेयर किया, इसमें विराट ने पाटीदार को कप्तान बनाए जाने पर बधाई दी। उन्होंने कहा- मैं और टीम के अन्य सदस्य आपके साथ हैं, रजत। जिस तरह से आपने इस फ्रेंचाइजी में प्रगति की है और जिस तरह से आपने प्रदर्शन किया है, आपने सभी आरसीबी प्रशंसकों के दिलों में जगह बनाई है। आप इसके हकदार हैं। कोलकाता नाइट राइडर के सबसे महंगे खिलाड़ी वेंकटेश अय्यर ने भी इसी टीम में रजत की कप्तानी में क्रिकेट खेला है। बता दें रजत की कप्तानी को लेकर विराट कोहली ने भी समर्थन दिया है।

रजत ने आईपीएल में 27 मैच में 799 रन बनाए

रजत पाटीदार ने अब तक आईपीएल में कुल 27 ही मैच खेले हैं और इस दौरान उन्होंने 799 रन बनाए। उनका सबसे बेस्ट स्कोर 112 का है, वहीं स्ट्राइक रेट करीब 159 का है। आईपीएल 2025 के मेगा ऑक्शन से पहले आरसीबी की टीम ने पाटीदार को 11 करोड़ की कीमत में रिटेन किया था।

8 साल की उम्र से खेलना शुरू किया

रजत के पिता मनोहर पाटीदार ने एक बार बताया था कि रजत बचपन से ही क्रिकेट का दीवाना था और खेल के प्रति उसका गहरा रुझान देखकर हमने उसे लगातार प्रोत्साहित किया। उन्होंने बताया कि रजत केवल 8 साल की उम्र में इंदौर के एक क्रिकेट क्लब से जुड़ गए थे और 10 साल के होते-होते अपनी उम्र से बड़े लड़कों के साथ मैच खेलने लगे थे।

अभी बेंगलुरु में हैं रजत पाटीदार

पिता मनोहर पाटीदार ने बताया कि रजत अभी बेंगलुरु में हैं। टीम मैनेजमेंट की मीटिंग में शामिल होने गए हैं। रजत को टीम मैनेजमेंट की ओर हिंट मिल रही थी कि उन्हें कप्तान बनाया जा सकता है, लेकिन अधिकृत रूप से घोषणा आज की गई। वे इंदौर के होलकर स्टेडियम में प्रैक्टिस करते हैं। पिता मनोहर का इंदौर में मोटर पम्प का बिजनेस है।

अंडर-15 से ही बल्लेबाजी पर कर रहे फोकस

रजत पाटीदार ने गेंदबाज के रूप में करियर की शुरुआत की थी। अंडर-15 के बाद उन्होंने बल्लेबाजी पर फोकस किया। 2014 में फुटबॉल खेलते समय घुटने में चोट लगने के बाद उन्हें सर्जरी भी करानी पड़ी थी। रजत 8 महीने मैदान से दूर रहे। बल्लेबाजी की टेक्नीक को और बेहतर करने के लिए पाटीदार ने पूर्व भारतीय बल्लेबाज अमय खुरासिया से ट्रेनिंग ली। उन्होंने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में 2019 से 2024 तक मध्यप्रदेश की कमान संभाली। पाटीदार ने इस दौरान 12 मैचों में जीत दर्ज की जबकि चार में शिकस्त का सामना करना पड़ा। रजत ने अपनी कप्तानी में मध्यप्रदेश को 2024-25 एसएमएटी फाइनल में पहुंचाया था, जहां मुंबई से मात मिली थी। 2024-25 एसएमएटी में रजत पाटीदार दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज थे। दाएं हाथ के बल्लेबाज ने 9 पारियों में 61.14 की औसत से 428 रन बनाए थे।

इंदौर में जैन मंदिर की दानपेटी से रुपए चोरी

सीसीटीवी में कैद हुए दो बदमाश

6 महीने से नहीं खुली थी दान पेटी

इंदौर (नप्र)। इंदौर के धार रोड़ इलाके में दो चोरों ने जैन मंदिर को निशाना बनाया। चोर यहां से दो दान पेटी चुराकर ले गए। आरोपियों ने मंदिर के पुजारी के कमरे का दरवाजा बाहर से लगा दिया। इसके बाद वारदात को अजांम दिया। सुबह जब पुजारी और चौकीदार की नींद खुली तो उन्हें घटना की जानकारी लगी। उन्होंने चोरी की सूचना मंदिर के प्रशासनिक अधिकारियों को दी। चंदन नगर पुलिस ने श्री राज राजेन्द्र जयंतसेन तीर्थ धाम के मंदिर से चोरी के मामले में दो अज्ञात बदमाशों के खिलाफ केस दर्ज किया है। मंदिर ट्रस्टी नीरज सुराणा ने बताया कि रात करीब 12 बजे परिसर में रहने वाले चौकीदार का परिवार सो गया था। अलसुबह करीब 4 बजे चोरों ने यहां वारदात को अजांम दिया है। चोर यहां से दो मंदिरों की दानपेटी से रूपए निकालकर ले गए। ट्रस्टी के मुताबिक करीब 6 माह से दानपेटियां नहीं खोली गई थी। आरोपी मंदिर परिसर में दीवार फांदकर घुसे थे। इसके बाद उन्होंने दरवाजे तोड़ने के साथ ही जाली से भी अंदर घुसने का प्रयास किया। यहां मंदिर के पास बने

पुजारी के कमरे की बाहर से कुंदी लगाने के बाद आरोपियों ने वारदात को अजांम दिया। पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही है।

शादी से आने के बाद नहीं मिले जेवर

बाणगंगा इलाके में अपनी बेटी के घर भोपाल में शादी समारोह से वापस लौटी महिला के जेवर गायब हो गए। पुलिस के मुताबिक प्रेम कंवर सिंह राणावत नाम की महिला ने थाने में शिकायत दर्ज कराई है कि वह कोरल सेक्टर कालिंदी गोल्ड में रहती है। अपनी बेटी के घर शादी में वह भोपाल गई। वहां से 4 फरवरी को आने के बाद एक पर्स में सोने का हार, सोने का मंगलसूत्र और सोने की अंगूठी रखी थी। 8 को जब उन्होंने पर्स निकाला तो उसमें जेवर नही थे। एक दो दिन घर में तलाश की। लेकिन वह नहीं मिले। इसके बाद बुधवार को थाने आकर मामले में केस दर्ज कराया। वही संयोगितागंज में भी श्यामचरण शुक्ल नगर में रहने वाली सुनीता गर्ग के घर चोरी की वारदात हो गई। बदमाश उनके घर से अलमारी का लॉक तोड़कर सोने के पेडल, चेन, मंगलसूत्र व अन्य जेवर चुराकर ले गए।

इंदौर में दुकानदारों को फिलहाल राहत

लॉटरी सिस्टम से निर्णय मामले में हाईकोर्ट का स्टे, अगली सुनवाई 18 को

इंदौर (नप्र)। इंदौर के शिवाजी मार्केट में वर्षों से व्यापार कर रहे दुकानदारों को हाई कोर्ट से राहत मिली है। दरअसल, इन व्यापारियों को नंदलालपुरा कॉम्पलेक्स में शिफ्ट करने के लिए खोली गई लाटरी के फैसले पर हाई कोर्ट ने स्टे देते हुए अंतरिम रोक लगा दी है। इससे इन दुकानदारों को फिलहाल राहत मिल गई है। अगली सुनवाई 18 फरवरी को होगी। सरकार ने कान्ह नदी किनारे से वर्षों से व्यापार कर रहे शिवाजी मार्केट के दुकानदारों को प्रस्तावित रिवर साइड योजना के तहत विस्थापित करने की योजना बनाई है। इसके तहत दुकानदारों को नदी के दूसरी ओर नंदलालपुरा में स्थित कॉम्पलेक्स में विस्थापित किया जाना प्रस्तावित था। इन दुकानों का आवंटन लाटरी सिस्टम से किया जाना था, जिसके तहत 10 फरवरी को लाटरी खोली गई थी। इंदौर के शिवाजी मार्केट के 69 दुकानदारों ने 10 फरवरी को हाई कोर्ट में याचिका दायर कर नंदलालपुरा कॉम्पलेक्स में शिफ्ट करने और लाटरी के खिलाफ विरोध जताया था। दुकानदारों ने अपनी याचिका में यह कहा कि वे पिछले 30 वर्षों से यहां व्यापार कर रहे हैं, जिससे 5 हजार से ज्यादा लोगों का रोजगार जुड़ा है। उनका तर्क था कि मुख्य सड़क से हटाकर कॉम्पलेक्स में शिफ्ट करने से उनका व्यापार बंद हो जाएगा। उनकी याचिका में यह भी आरोप था कि निगम ने इस प्रक्रिया से पहले एनओसी या एनजीटी की अनुमति नहीं ली, और बिना सुनवाई के उन्हें हटाया जा रहा है, जिससे उनके जीवनयापन पर संकट आ सकता है। जस्टिस प्रणय वर्मा की एकल पीठ ने इन तर्कों पर विचार करते हुए निगम कमिश्नर और डिप्टी कमिश्नर को नोटिस जारी किया।

जैन आर्यिका श्रुतमति माताजी को अज्ञात वाहन ने कुचला, निधन

आचार्य सुनीलसागरजी ने आरोपी की गिरफ्तारी तक अन्न-जल त्यागा

इंदौर (नप्र)। गुजरात के दाहोद में एक दर्दनाक घटना में जैन आर्यिका श्रुतमति माताजी और एक तेज रफ्तार अज्ञात वाहन की टक्कर में निधन हो गया। गुरुवार की सुबह 7 बजे की है, जब माताजी विहार कर रही थीं। घटना की भयावहता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि टक्कर के बाद माताजी को वाहन अपने साथ लगभग 300 मीटर तक घसीटता चला गया। वे मुंबई से आचार्य भगवंत के दर्शन के लिए विहार कर रही थीं। वे मात्र 36 वर्ष की थीं। घटना की सूचना मिलते ही

आचार्य सुनील सागर जी महाराज ने गहरा दुःख व्यक्त किया और कड़ा निर्णय लेते हुए घोषणा की कि जब तक घटना के दोषी की गिरफ्तारी नहीं होगी, वे किसी भी प्रकार का आहार या जल ग्रहण नहीं करेंगे। वीर जिनशासन एकता संघ के प्रचारक राजेश जैन दद्दू और विश्व जैन संगठन के मयंक जैन ने गुजरात सरकार से आरोपी की शीघ्र गिरफ्तारी और कड़ी कार्रवाई की मांग की है। जैन समाज ने चेतावनी दी है कि यदि आरोपी को जल्द गिरफ्तार नहीं किया गया तो वे आंदोलन करने को मजबूर होंगे।

मकान मालिक और किराएदार में विवाद

इन्फ्लुएंसर युवती ने साथियों को बुलाया, युवक का कान काटा, दोनों पक्ष पर एफआईआर

इंदौर (नप्र)। इंदौर के विजय नगर इलाके में मकान की सफाई को लेकर हुए विवाद ने उग्र रूप ले लिया। एक सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर युवती को मकान मालिक ने सफाई ठीक से न रखने पर डांट दिया। इससे नाराज होकर युवती ने अपने साथियों को बुला लिया, जिसके बाद दोनों पक्षों में जमकर मारपीट हुई। इस दौरान मकान मालिक ने गुस्से में एक युवक का कान चबा लिया, जिससे वह कट गया।

दोनों पक्षों पर केस दर्ज किया

पुलिस के अनुसार, प्रशांत सिरोठिया की शिकायत पर रोशन कुमार सोनी, कार्तिक गोस्वामी और उनके साथियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। वहीं, कार्तिक की शिकायत पर प्रशांत पर भी कार्रवाई की गई है। प्रशांत सिरोठिया प्रॉपर्टी का व्यवसाय करते हैं। उन्होंने विजय नगर इलाके में संस्कृति गुर्जर नामक युवती को किराए पर कमरा दिया था। प्रशांत का आरोप है कि किराएदार बाथरूम की सफाई ठीक से नहीं रख रही थी। इस पर उन्होंने युवती को टोका और मकान खाली करने के लिए कह दिया। इसी दौरान संस्कृति ने अपने साथी रोशन और अन्य लोगों को बुला लिया, जिन्होंने आकर प्रशांत से गाली-गलौज की और लात-घूंसों से मारपीट करने लगे। झगड़े के दौरान प्रशांत के भाई और पिता बीच-बचाव के लिए आए, लेकिन विवाद और बढ़ गया।

इंदौर में 17 फरवरी को एमपी महापौर परिषद की बैठक

विभिन्न मुद्दों पर होगी चर्चा, ट्रेंचिंग ग्राउंड सहित 56 दुकान भी घुमाएंगे

इंदौर (नप्र)। इंदौर में 17 फरवरी को मध्यप्रदेश महापौर परिषद की बैठक आयोजित की है। ये बैठक ब्रिलियंट कन्वेशन सेंटर में होगी। बैठक में विभिन्न विषयों पर बातचीत करने के साथ ही प्रदेशभर से आने वाले मेयरों को शहर में कई जगह घुमाया भी जाएगा। महापौर पुष्यमित्र भार्गव इस बैठक की मेजबानी करेंगे। पुष्यमित्र भार्गव ऑल इंडिया काउंसिल ऑफ मेयर्स मध्यप्रदेश इकाई के प्रदेश अध्यक्ष है। महापौर भार्गव ने बताया कि 17 फरवरी को मध्यप्रदेश महापौर परिषद की बैठक इंदौर में आयोजित की जा रही है। इसमें मध्यप्रदेश के लगभग सभी महापौर शामिल होने वाले है, जो मध्यप्रदेश के नगरीय निकायों में विकास और महापौर परिषद की शक्तियों उनके उपयोग पर चर्चा करेंगे।

सीएम ऑनलाइन होंगे शामिल- प्राप्त जानकारी के मुताबिक मध्यप्रदेश महापौर परिषद की बैठक 17 फरवरी को सुबह 9

बजे उद्घाटन सत्र के साथ शुरू होगी। बैठक में 17 नगर निगम के महापौर शामिल होंगे। सीएम डॉ.मोहन यादव इस बैठक में ऑनलाइन शामिल होंगे। इसमें सीएम का संबोधन भी होगा। बैठक में राज्य मंत्री प्रतिमा बागरी, मंत्री कैलाश विजयवर्गीय सहित कई जनप्रतिनिधि भी शामिल होंगे।

अलग-अलग मुद्दों पर होगी चर्चा- बताया जा रहा है कि उद्घाटन सत्र में सीएम डॉ.मोहन यादव के संबोधन के साथ बैठक की शुरुआत होगी। इसके बाद राउंड टेबल पर चर्चा होगी। इसमें नगरीय निकायों के विकास और महापौरों के अधिकारों और कर्तव्यों के साथ ही नगरीय निकायों में जो समस्याएं आ रही है उस पर चर्चा की जाएगी और साथ ही कुछ प्रस्ताव भी इसमें पारित किए जाएंगे।

प्रदेशभर से आने वाले मेयर्स को कराएंगे विजिट- इस बैठक के बाद प्रदेशभर से आए मेयर्स को शहर के ट्रेंचिंग ग्राउंड की विजिट कराई जाएगी। साथ ही 56 दुकान पर भी व्यंजनों का लुत्फ लेने के लिए ले जाया जाएगा। इसके बाद रणजीत हनुमान मंदिर रोड स्थित विश्राम बाग ले जाया जाएगा।

महापौर ने की जनता से अपील- इधर, स्वच्छता सर्वेक्षण को लेकर महापौर ने जनता से अपील की है। उन्होंने कहा कि इंदौर हर वर्ष और हर दिन तैयारी करता है। एग्जाम आने पर हम रिविजन करते है। हम तो तैयार है। हमारा होमवर्क भी पूरा है। एग्जाम में जैसे ज्यादा रिविजन होता है तो उस रिविजन के दौर में हम हैं। इसलिए इंदौर की जनता से अपील करता हूं कि स्वच्छता के इस यज्ञ में अपनी सहभागिता बढ़ाए, अपनी जागरूकता बढ़ाए और कचरे के सेग्रीगेशन और उसके निस्तारण में सहयोग करें।

बायपास पर मॉल के पीछे से मिलेगा नया वैकल्पिक रूट

जिला प्रशासन, ट्रैफिक विभाग, आईडीए और एनएचएआई के अफसरों ने देखी डायवर्शन व्यवस्था, लिया निर्णय

इंदौर (नप्र)। बायपास के एमआर-10 जंक्शन पर बन रहे फ्लायओवर को लेकर डायवर्शन मार्ग तलाशने के लिए बुधवार को जिला प्रशासन, ट्रैफिक पुलिस, आईडीए और एनएचएआई के अफसर फिर सड़कों पर उतरे। यहां फ्लायओवर निर्माण कार्य शुरू होने से पहले ट्रैफिक पुलिस द्वारा बताई गई समस्याओं को लेकर 1 घंटा सड़क पर चर्चा की गई। इसमें निर्णय ये लिया गया कि फिनिक्स मॉल के पास से होकर मॉल के पीछे से कांकड़ एरिया से वापस बायपास तक एक अल्टरनेट रूट तैयार किया जाएगा। इस रूट को अपने क्षेत्राधिकार के आधार पर आईडीए तैयार करेगा। फिर एनएचएआई अपने हिस्से में आने वाले मार्ग को बनाएगा। वहीं मॉल प्रबंधन इस रूट पर लाइटिंग की व्यवस्था

करेगा। ये मार्ग छोटे वाहनों की आवाजाही के लिए ट्रैफिक पुलिस द्वारा होल्डिंग कर संचालित करवाया जाएगा। एसीपी ट्रैफिक मनोज कुमार खत्री ने बताया कि एमआर 10 जंक्शन पर बन रहे फ्लायओवर को लेकर 1.6 किमी के हिस्से में डायवर्शन ट्रायल लागू किया है, लेकिन अभी वाहन चालक इससे पूरी तरह से वाकिफ नहीं हुए हैं और गफलत में रॉन्ग साइड घुसकर ट्रैफिक बाधित कर रहे हैं। जिला प्रशासन, आईडीए व एनएचएआई के अफसरों ने जब इस समस्या को जाना तो उन्होंने निर्णय लेते हुए मॉल के पीछे से अल्टरनेट रूट तैयार की स्वीकृति दी है।

फ्लायओवर का काम शुरू होने के पहले बनेगा मार्ग

ये 24 फीट का डामर का रूट होगा। जिस पर छोटे वाहनों की आवाजाही तब होगी जब सर्विस लेन पर किसी प्रकार की दिक्कत आती है। यहां से छोटे वाहन कनाड़िया से होकर ऊपर चले जाएंगे। इस रूट के तैयार होने के बाद (आरएचएस) राइट हेंड साइड रोड जो की खंडवा से देवास की ओर जाने वाले मार्ग पर वन-वे का पालन करना शुरू किया जाएगा।

इसमें जो ट्रैफिक उज्जैन से आता है या एमआर 10 होकर जाता है व जो लाभ गंगा होकर कनाड़िया की ओर जाना चाहता है।

संपादकीय

फ्रीबीज: क्या सरकारें सुधरेंगी?

देश में राजनीतिक फायदे के लिए बढ़ते रेवड़ी कल्चर पर सुप्रीम कोर्ट ने एक मामले में सुनवाई के दौरान सरकारों को फटकार लगाते हुए सवाल किया कि क्या वो इस तरह लोगों को परजीवी और अकर्मण्य नहीं बना रही हैं? हालांकि सरकार की ओर से भी देश की शीर्ष अदालत को जवाब दिया गया, लेकिन वह बहुत संतोषजनक नहीं लगता। बुधवार को शहरी क्षेत्रों में बेघर लोगों को आसरा देने सम्बंधी एक याचिका पर सुनवाई के दौरान जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ड मसीह की बेंच ने यह कठोर टिप्पणी की। कोर्ट ने कहा, 'लोग काम करना नहीं चाहते, क्योंकि आप उन्हें मुफ्त राशन दे रहे हैं। बिना कुछ किए उन्हें पैसे दे रहे हैं।' कोर्ट ने पूछा कि इन लोगों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ने की बजाय, क्या आप मुफ्त की योजनाएं लागू करके परजीवियों की जमात नहीं खड़ी कर रहे हैं? बेंच ने केंद्र से सवाल किया कि शहरी गरीबी उन्मूलन मिशन कब पूरा होगा। अटॉर्नी जनरल केंद्र से इसका जवाब लेकर हमे बताएं। इस पर सरकार की ओर से अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणी ने कहा कि केंद्र जल्द इस मिशन को पूरा करेगा, इसमें शहरी बेघरों के लिए घर जैसी व्यवस्था और कई अन्य मसले शामिल हैं। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार से शहरी गरीबी उन्मूलन मिशन और शहरी बेघर लोगों को आश्रय देने की योजनाओं को लेकर विस्तृत जानकारी मांगी है। कोर्ट ने अटॉर्नी जनरल को बताया कि सरकार सुनिश्चित करें कि जो आंकड़े दिए गए हैं, वे वास्तविक स्थिति को दर्शाते हैं या नहीं। हालांकि कोर्ट ने कहा कि हम सरकार की परेशानी समझते हैं और सराहना करते हैं, लेकिन क्या यह अच्छा नहीं होगा कि आप ऐसे लोगों को मुख्यधारा का हिस्सा बनाएं और उन्हें देश के विकास का हिस्सा बनाएं। इसके अलावा सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र से यह स्पष्ट करने को कहा है कि जब तक नई योजना लागू नहीं हो जाती, तब तक क्या राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन जारी रहेगा? सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि भारत सरकार शहरी गरीबी उन्मूलन मिशन को अंतिम रूप देने की प्रोसेस में है, जो शहरी गरीबों और बेघर लोगों की समस्याओं का समाधान करेगा। वैसे शहरी बेघरों से भी ज्यादा अहम मसला फ्रीबीज का है। क्योंकि यह मामला अब मानवीय और सामाजिक न रहकर शुद्ध रूप से राजनीतिक हो गया है। जब से मप्र में लाड़ली बहना योजना लागू कर भाजपा फिर से सत्ता में लौटी है तब से हर राज्य ने महिलाओं और गरीबों को किसी न किसी रूप में रेवड़ी बांटने और बदले में वोट हासिल करने को शर्तिया फार्मूला मान लिया है। उन्हें इसकी भी चिंता नहीं है कि बिना किसी काम के लोगों को अरबों रूपए बांटने से राज्यों की माली हालत खस्ता हो रही है और वो कर्ज लेकर घी पीने कवायद में लगे हैं। दूसरी तरफ यह आत्म स्वीकृति भी है कि चूंकि सरकारें लोगों को रोटी, कपड़ा, मकान नहीं दे पा रही हैं, इसलिए मुफ्त की नकदी बांटकर लोगों को खुश करने की कोशिश कर रही हैं। वैसे यह पहली बार नहीं है जब कोर्ट ने फ्रीबीज को लेकर सख्त टिप्पणी की है। इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने 9 दिसंबर 2024 को केंद्र सरकार के मुफ्त राशन बांटने पर सख्त टिप्पणी की थी। कोर्ट ने पूछा था कि कब तक ऐसे मुफ्त राशन बांटा जाएगा। सरकार रोजगार के अवसर क्यों नहीं पैदा कर रही? तब कोर्ट अकुशल मजदूरों को मुफ्त राशन कार्ड दिए जाने से संबंधित मामले पर सुनवाई कर रही थी। इस दौरान केंद्र ने अदालत को बताया था कि राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम 2013 के तहत 81 करोड़ लोगों को मुफ्त या रियायती राशन दिया जा रहा है।

नजरिया

अनुराग बेहार
लेखक अज़ीम प्रेमजी फाउंडेशन के सीईओ एवं अज़ीम प्रेमजी विश्वविद्यालय के संस्थापक वाइस चांसलर हैं।

क्या सीखने में हुई क्षति की भरपाई हो चुकी है?

पिछले तीन सालों में बच्चों के सीखने में जो क्षति हुई क्या हम उसकी भरपाई कर सकने में सफल हो सके? इसका उत्तर 'नहीं' में है। जिन राज्यों ने इसकी भरपाई के लिए बेहतर काम किया था, वहाँ भी इसमें हम पूरी तरह सफल नहीं है। इसमें दो बातें नोट करने लायक हैं। पहली, विभिन्न राज्यों में सीखने की क्षति पूर्ति को लेकर अलग-अलग तरह से काम हुआ। जो राज्य क्षति पूर्ति को लेकर सबसे कम काम कर पाए वहाँ के छात्र अभी कक्षा पाँच में हैं। ये छात्र उस समय स्कूलों में दाखिल ही हुए थे, जब उन्हें मार्च 2020 में बंद कर दिया गया। इन छात्रों की पढ़ाई के पहले दो साल उस दौर से गुजरे जब स्कूलों में यह उथल-पुथल चल रही थी।

आज से लगभग पाँच साल पहले मार्च 2020 में स्कूलों को कोविड की वजह से बंद कर दिया गया था। उसके बाद से ही स्कूल अनियमित रूप से काम करते रहे, कभी वे खुले रहे और कभी किसी अवधि के लिए बंद रहे। प्रलयंकारी कोविड की दूसरी लहर ने बच्चों को स्कूलों में वापस लाने के प्रयासों और उम्मीदों को ध्वस्त कर दिया। अप्रैल 2022 तक चीजें 'सामान्य' हो गईं। लगभग दो वर्षों तक स्कूली शिक्षा में इस व्यवधान के कारण सीखने का भारी नुकसान हुआ। इस दौरान जो सीखा जाना चाहिए था, वह नहीं सीखा जा सका। इसके अलावा, बच्चों ने कोविड के पहले जो सीखा था, उसमें से भी बहुत बहुत कुछ भूल गए।

पिछले तीन सालों में बच्चों के सीखने में जो क्षति हुई क्या हम उसकी भरपाई कर सकने में सफल हो सके? इसका उत्तर 'नहीं' में है। जिन राज्यों ने इसकी भरपाई के लिए बेहतर काम किया था, वहाँ भी इसमें हम पूरी तरह सफल नहीं है। इसमें दो बातें नोट करने लायक हैं। पहली, विभिन्न राज्यों में सीखने की क्षति पूर्ति को लेकर अलग-अलग तरह से काम हुआ। जो राज्य क्षति पूर्ति को लेकर सबसे कम काम कर पाए वहाँ के छात्र अभी कक्षा पाँच में हैं। ये छात्र उस समय स्कूलों में दाखिल ही हुए थे, जब उन्हें मार्च 2020 में बंद कर दिया गया। इन छात्रों की पढ़ाई के पहले दो साल उस दौर से गुजरे जब स्कूलों में यह उथल-पुथल चल रही थी।

दूसरी, राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के काम करने के तरीके में काफी अंतर रहा। राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों द्वारा चलाए जाने वाले शाला तंत्र की क्षमता और प्रभावशीलता में काफी अंतर है। सीखने की क्षति पूर्ति को लेकर किए गए काम में जो अंतर दिखता है वह काफी कुछ तो तंत्र की क्षमता पर भी निर्भर करता है, लेकिन मेरी आशंका है कि ज़्यादातर अंतर इसमें अलग-अलग राज्यों द्वारा सीखने की क्षति पूर्ति को लेकर अलग-अलग तरीके से काम करने के कारण आया है। यहाँ मैं बच्चों द्वारा सीखने के उच्चतम स्तर को प्राप्त करने की बात नहीं कर रहा जो कि काफी हद तक राज्य के शिक्षा तंत्र की क्षमता पर निर्भर करता है, मैं सीखने में हुई क्षति की बात कर रहा हूँ जो महामारी के दौरान हुई थी।

हम राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों द्वारा अलग-अलग प्रकार की प्रतिक्रियाओं को तीन श्रेणियों में रख सकते हैं-बेहतर जानकार, अनदेखी और बेतरतीब।

बेहतर जानकार प्रतिक्रिया की श्रेणी में छह प्रमुख बिन्दु हैं-

पहला, इस बात की सार्वजनिक स्वीकार्यता कि शिक्षा को जारी रखने में हुई इस गड़बड़ी से सीखने में क्षति आई थी। जिसने शिक्षा तंत्र में सबको इसका सामना करने के लिए तैयार कर दिया था। दूसरा, इस बात की वास्तविक समझ कि ऑनलाइन कक्षाएँ काम नहीं करती हैं। तीसरा, एक पुनर्नियोजित पाठ्यक्रम लाना ताकि जब शालाएँ खुलें तो बच्चों का शिक्षण वहाँ से शुरू किया जाये जितना वह जानते हैं और शिक्षण में सीखने में हुई क्षति का ध्यान रखा जाए न कि वहाँ से पढ़ाया जाये जहाँ से उस कक्षा का मानक पाठ्यक्रम कहता है।

उदाहरण के लिए अगर अप्रैल 2022 में कक्षा 3 के बच्चों को एक अंक वाला जोड़ और घटाना करना नहीं आता था तो उन्हें वही सिखाना चाहिए न कि तीन अंकों वाला जोड़, घटाना और भाग करना जो कि कक्षा तीसरी के मानक पाठ्यक्रम में शामिल है। चौथा, हर बच्चे के सीखने के वास्तविक स्तर को जानने के लिए विभिन्न तरीकों, टूल्स और किताबों को शामिल करना चाहिए ताकि बच्चों के विभिन्न समूहों को उनके सीखने के स्तर के अनुसार एक ही कक्षा में पढ़ाया जा सके। पाँचवाँ, इस तरीके और शिक्षण विधि को अपनाते हुए ही शिक्षा तंत्र को तैयार और शिक्षकों का प्रशिक्षण किया जाना चाहिए।

छठा, शिक्षकों और स्कूलों को क्षति पूर्ति के लिए काफी समय दिया जाना चाहिए न कि उस वर्ष के पाठ्यक्रम को पूरा करने पर ज़ोर देना चाहिए। अंततः बेहतर जानकार श्रेणी में आए राज्यों की प्रतिक्रिया में भी भिन्नता रही इसलिए सीखने की क्षति पूर्ति भी सभी राज्यों में अलग-अलग रही। इसके विपरीत 'अनदेखी' श्रेणी वाले राज्यों की बात करें तो उन्होंने सीधे-सीधे इस बात को ही नकार दिया कि सीखने में कोई कमी आई भी है। इस बात कि स्पष्टता नहीं है कि उन्होने ऐसा क्यों किया? कुछ राज्यों में उस समय के प्रशासनिक और राजनीतिक नेतृत्व ने 'सब ठीक है' जैसी बेसोची-समझी घोषणाएँ कर डालीं और बाद में उन पर पुनर्विचार करना भी जरूरी नहीं समझा। कुछ दूसरे मामलों में इस पर ध्यान भी देना जरूरी नहीं समझा गया। इसके अलावा यह समझना भी असंभव-सा है कि इस अनदेखी के पीछे की सोच क्या थी जबकि हकीकत मुँह बाएं खड़ी थी।

ज़्यादातर राज्यों ने शुरुआत 'बेहतर जानकार' वाली श्रेणी से की थी, जिसमें वह छह मुख्य बिन्दु भी शामिल थे, लेकिन फिर बेवजह इसके कुछ पहलुओं को बदल दिया या निरस्त कर दिया, जिससे निर्णय लेने में बेतरतीबी हो गई। यह बेतरतीबी काफी व्यापक थी, कहीं यह अधिक दिखाई दी तो कहीं कम। उदाहरण के लिए कहीं-कहीं पहले एक या दो महीनों तक तो ठीक से कार्य किया गया और फिर अचानक से घोषणा कर दी गई कि सीखने में आई कमी की भरपाई हो चुकी है। इन एक या दो महीनों में शिक्षा तंत्र मुश्किल से ही नए दृष्टिकोण और तौर तरीकों के लिए तैयार हुआ था और सीखने की क्षति को पुनः प्राप्त करना भी शुरू नहीं किया था।

कुछ राज्यों ने घोषणा की कि वे इस पर काम करेंगे लेकिन हकीकत में कुछ भी नहीं हुआ। उदाहरण के लिए न तो पाठ्यक्रम को पुनर्नियोजित किया गया और न ही सीखने कि क्षति के आकलन के लिए टूल्स बनाए गए। कुछ राज्यों ने इससे भी उलझन भरे काम किए जैसे उन्होंने शिक्षकों को निर्देशित किया कि बच्चे जितना जानते हैं उसके अनुसार पढ़ाना शुरू करें न कि नियोजित पाठ्यक्रम के अनुसार, लेकिन इस अजीबोगरीब निर्देश को दिन के केवल पहले हिस्से में लागू किया गया और दोपहर के बाद वाले सत्र में उसी कक्षा के पाठ्यक्रम और पाठ्यपुस्तक के अनुसार पढ़ाने के निर्देश दिए गए।

जिन्होंने 'बेहतर जानकार' वाली श्रेणी से शुरुआत की थी वे भी सीखने की क्षति को पूरा नहीं कर सके, तो हम सोच सकते हैं कि बेतरतीब तरीके अपनाने वाले राज्य और यथास्थिति की अनदेखी करने वाले राज्यों में क्या स्थिति रही होगी। हमारे बच्चों को इसका खामियाजा भुगतना होगा, और बहुतों को जिंदगी भर भुगतना होगा, क्योंकि शिक्षा पूर्व ज्ञान पर ही आधारित होती है इसलिए सीखने की क्षति इस नुकसान को और भी बढ़ा देती है। लेकिन यह अपरिहार्य नहीं है। शिक्षा तंत्र अभी भी प्रत्येक बच्चे के लिए सीखने की क्षति की भरपाई सुनिश्चित करने पर ध्यान केंद्रित कर सकता है। शिक्षकों को पता है कि यह कैसे करें, जरूरत इस बात की है कि शिक्षा तंत्र स्पष्टता और उद्देश्यपरक तरीके के साथ अपनी प्रतिक्रिया दे।

वेलेंटाइन डे

डॉ. लोकेन्द्रसिंह कोट
लेखक स्तंभकार हैं।

प्रेम जब अनंत हो गया...

प्रेम तो प्रेम होता है। कहते हैं एक और एक मिलकर दो होते हैं यह गणित है लेकिन एक और एक मिलकर एक ही रहता है वह प्रेम है। अक्सर प्रेम को केवल एक कोण से ही देखा जाता है जबकि प्रेम बहुआयामी होता है। यदि कोई स्वयं को प्रेमी कहे तो उसे सिर्फ विपरीत लिंग से संबंधित ही माना जाता है। प्रेम तो स्वभाव में होता है। प्रेम कभी स्नेह, कभी वात्सल्य, कभी करूणा, कभी आत्मीयता, कभी अपनापन, कभी सुख के रूप में परिलक्षित होता है। कई बार प्रेम अभिव्यक्त भी नहीं होता है क्योंकि उसके लिए कोई शब्द ही नहीं होते हैं। शब्दों से परे और भावनाओं से लबरेज़ प्रेम दर्शनीय होता है, मोहक होता है मौन होता है। हजारों शब्दों के स्थान पर यही मौन सब कुछ कह देता है। यदि नजरें हों तो इस अद्भुत मौन की एक झलक में पूरा जीवन दिख जाता है। मीरा का बेपरवाह प्रेम उनकी आँखों से ही दिख जाता था। यही प्रेम कबीर शब्दों में ढाल कर दिखाते हैं। तुलसी का प्रेम अविरल नदी की तरह बहता है जहाँ राम ही राम है, दूसरा और कोई नहीं। प्रेम का पर्यायवाची खुशी भी है, दुख का उसमें स्थान ही नहीं है। यदि कहीं दुख महसूस भी होता है तो उसकी वजह हमारी महत्वाकांक्षाएँ ही हो सकती हैं।

प्रकृति प्रेम से भरी है

मानव से उपर उठते हैं तो हम पाते हैं कि प्रकृति का कण-कण प्रेम की अभिव्यक्ति है। केवल एक फूल बनाकर नहीं छोड़ा हजारों फूल और हजारों रंग फिर अंगूर से लेकर तरबूज तक के हर रंग, हर आकार के फल, हजारों पेड़, पौधे और यह सब सिर्फ देने के लिए क्योंकि यही उनके प्रेम की अभिव्यक्ति है। अब देखिए न! हम पानी तो बना सकते हैं जितना है उतना पहले से ही बना हुआ है। यह भी है तो सिर्फ प्रेम के लिए, खुशी के लिए। हमारे पास तो और भी विकल्प है कि यह पसंद, यह नहीं पसंद, यहाँ सुख, यहाँ दुख लेकिन प्रकृति कोई विकल्प नहीं रखती है। कोई फूल यह नहीं कहता है कि आज नहीं कल खिलूँगा, आज नहीं अगले साल फलूँगा........। यह प्रेम ही है अनंत और बेशर्त प्रेम है। हमें फक्र होना चाहिये कि हम ऐसे प्रेम के अभिन्न हिस्सा हैं। इसलिए कहते भी हैं जो बॉटता है वह प्रेम का स्वरूप ही होता है। चॉद, तारे, सूरज जिनके बगैर जीवन संभव नहीं था वे सुबह से लेकर शाम और फिर शाम से लेकर सुबह तक एक तरीके से हमारी आरती ही उतारते हैं। कई सहस्त्र धाराएँ बरसात में बहाकर हमारा अभिषेक कर देती है, थोड़े से अन्न के दाने हम धरती में डालते हैं और वह हमारे अन्न भंडार भर देती है, कितना अद्भुत प्रेम है, निशर्त, निशब्द!!! जो हवा हमें दिखाई नहीं देती है वह अरबों-खरबों जीव-जंतुओं का जीवन चला रही है........निःस्वार्थ...... प्रेम......प्रेम और सिर्फ प्रेम!!

प्रेम जब अनंत हो गया
रोम-रोम संत हो गया
देवालय हो गया बदन
हृदय तब महंत हो गया।
यह सृष्टि प्रेम से ही चल रही है

दुनिया में प्रेम के बगैर एक कतरा भी नहीं चल सकता है। अब यह समझ से बाहर है कि दुनिया में सारा संघर्ष प्रेम की अनुपलब्धता की वजह से है। किसी घबराए से मरीज को डॉक्टर सिर्फ प्रेम से बोल दे कि तुम्हे कुछ नहीं हुआ है...... थोडी सी दवा खाने से ही ठीक हो जाओगे....। बस! आधा रोग दूर हो जाता है। कोई दुखी है और कोई उसकी बात सिर्फ मन लगाकर सुन ले...... तो ही सामने वाला हल्का हो जाता है। आज देश आपस में टकरा रहे हैं समाज, धर्म, जाति परिवार में भी तकरार होती है और यह सब प्रेम के अभाव में ही होता है। जहाँ प्रेम होता है वहां परायापन होता ही नहीं है और जहाँ परायापन नहीं है वहां टकराव भी नहीं होगा। निःस्वार्थ प्रेम के सान्निध्य को अनुभव करना महत्वपूर्ण है। प्रेम को अपने संसार की तरह अंश बनाने से लोभ, ईर्ष्या, अंहकार, काम की भावनाएँ उसमें जुड़ने लगती है। संसार का हिस्सा बनाते ही, एक सम्बन्ध बनाते ही फिर वही अप्रिय भावनाएँ उठती हैं, उन्होंने ऐसा कहा, उन्होने ऐसा नहीं कहा, वह उनका अधिक प्रिय है, मैं नहीं हूँ। प्रेम एक शाश्वत अस्तित्व हैं और संसार सापेक्षिक है सम्बन्धों का है। सापेक्षता सीमित है। शाश्वत अस्तित्व असीम है विराट, अनन्त, सर्वव्यापी और सम्पूर्ण जीवन में निस्वार्थ प्रेम का सान्निध्य सभी सम्बन्धों में पूर्णता लाता है।

मोह नहीं है प्रेम

कई बार मोह को भी प्रेम समझ लिया जाता है। धृतराष्ट्र और गांधारी का पुत्र मोह था जिसने महाभारत रचने में अहम भूमिका अदा की। यहाँ पुत्र प्रेम नहीं मोह था। क्योंकि मोह सापेक्ष है जबकि प्रेम निरपेक्ष, निःस्वार्थ, निश्छल। मोह और प्रेम में महीन सा अंतर है, मोह में शर्ते जुड़ी होती हैं, बंधन जुडा होता है, अपेक्षाएँ जुड़ी होती है। मोह के चलते कई बार हम अपना सर्वस्व खो देते हैं, हमें सही -गलत का भान नहीं होता है, मोह अंधा करके रखता है। प्रेम इससे पूरी तरह से उलट है। निस्वार्थ, निरपेक्ष और बेशर्त।

प्रेम कमजोर नहीं साहस की निशानी है

हाँ, प्रेम को कई बार कमजोर की निशानी मान लिया जाता है। जबकि प्रेम सिर्फ साहस की निशानी है। किसी को सुन लेना, दूसरे को क्षमा कर देना किसी की गलती को स्वीकार कर लेना कोई साहसी व्यक्ति या समाज ही कर सकता है। एक बोध कथा है- एक दिन एक युवक ने सुंदर युवती के सामने विवाह का प्रस्ताव रखा। सुंदर युवती ने कहा, मेरा विवाह मेरे पिता के अधीन है। अतः उनसे बात करो। तो वह युवक दुसरे दिन आने की कहकर चला गया।दुसरे दिन वह सुंदर युवती के घर पहुँचा। जलपान करके उसने ब्राह्मण के आगे अपना मनोरथ रखा। ब्राह्मण विद्वान था। ब्राह्मण ने कहा कि क्या तुम मेरी बेटी को जानते हो, उसने हाँ में उत्तर दिया। ब्राह्मण ने दूसरा प्रश्न किया कि क्या तुम मेरी बेटी से प्रेम करते हो उसने इसका उत्तर भी हाँ में ही दिया। अब ब्राह्मण बोला यदि तुम मेरी बेटी से प्रेम करते हो तो प्रेम की कीमत चुकाओ यह सुनकर युवक बोला आप जो चाहे मांग लो, मैं देने के लिए तैयार हूँ। ब्राह्मण बोला, प्रेम करते हो तो प्रेम की कीमत भी तुम्हें पता होना चाहिए। यह सुनकर वह युवक अवाक रह गया। वह सोचने लगा कि प्रेम की कीमत क्या हो सकती है, तभी ब्राह्मण हँसते हुए बोला, नहीं पता तो पहले प्रेम की कीमत पता करके आओ, फिर मेरी बेटी का हाथ मांगना। यह सुनकर वह युवक घर से निकल गया और जो कोई राह में मिलता, उससे प्रेम की कीमत पूछता। भटकते भटकते उसे एक अजनबी मिला जिसने बताया कि यहाँ से थोड़ी ही दूर पीपल वाली पहाड़ी पर एक विद्वान महात्मा रहते है, वह तुम्हारे प्रश्न का उत्तर अवश्य दे देंगे। वह दिनभर चलते चलते पीपल वाली पहाड़ी पर पहुंचा। पीपल के पेड़ के नीचे महात्माजी ध्यान मुद्रा में बैठे थे। अतः वह उनके आंखे खोलने की प्रतीक्षा करने लगा। जैसे ही उन्होंने आंखे खोली। उस युवक ने जाकर उनको प्रणाम किया और बोला, स्वामीजी! मुझे एक प्रश्न का उत्तर जानना है महात्माजी बोले बोलो! क्या प्रश्न है तब युवक बोला मेरा प्रश्न है कि प्रेम की कीमत क्या है, महात्माजी हंसे और बोले, पगले! ये प्रश्न तो तू खुद से पूछ, जो तेरी कीमत है, वही तेरे प्रेम की कीमत है। उस युवक को बात समझ नहीं आई अतः बोला महात्माजी! थोड़ा सरल शब्दों में समझाइए। तब महात्माजी बोले, तू अपने शरीर से प्रेम करता है कि नहीं युवक बोला हाँ! करता हूँ। तब महात्माजी बोले, तो अपने शरीर की कीमत बता तब युवक बोला महात्माजी! कैसी बात करते हो, इस शरीर के बिना मेरा अस्तित्व ही क्या है, मेरे लिए यह अमूल्य है, मैं इसे नहीं बेच सकता। तब हँसते हुए महात्माजी बोले यही तेरे प्रश्न का उत्तर है। प्रेम भी अमूल्य है। प्रेम की कोई कीमत नहीं होती। प्रेम का कोई सौदा नहीं किया जा सकता। जहाँ प्रेम होता है, वहाँ कुबेरों के खजाने भी खाली पड़ जाते है। तो फिर तू क्या चीज़ है जो प्रेम की कीमत चुकाएगा जिस प्रेम की कीमत होती है, वो प्रेम नहीं सौदा है। युवक को उसका जवाब मिल चूका था। खुशी खुशी वह सुंदर युवती के घर गया और ब्राह्मण को प्रेम की कीमत बताई और प्रेम की कीमत चुकाने के अपने घमण्ड के लिए क्षमा मांगी और बोला हे ब्रह्मन! प्रेम तो अमूल्य है किन्तु आपकी बेटी के प्रेम में मैं स्वयं को चुकाने के लिए तैयार हूँ। ब्राह्मण को युवक के सच्चे प्रेम पर विश्वास हो गया। उसने अपनी बेटी और उस युवक दोनों की शादी करवा दी।

प्रेम अनंत है, ईश्वर है

ऐसा कहते हैं कि ईश्वर को जानने के लिए आपको प्रेम में डूबना अनिवार्य है। अच्छा, ऐसा क्यों होना चाहिए, क्योंकि ईश्वर ने आपको अत्यन्त सुन्दर, परिष्कृत और कोमल बनाया है। चेतना की अत्यंत कोमल अनुभूति मात्र से आप समष्टि के साथ एकाकार होने का अनुभव प्राप्त कर सकते हैं। तब आप कह सकेंगे, मैं और मेरे पिता एक हैं। प्रेम के अभाव में ऐसे उद्गार आप व्यक्त नहीं कर सकते हैं आप नहीं कह सकते, अहम् ब्रह्मास्मि. अर्थात मैं वही हूं! ऐसा आप तब कह सकते हैं जब आपकी चेतना अति सूक्ष्म हो जाती है। प्रेम वास्तव में अनंत है और प्रेम से परिपूर्ण व्यक्ति को इसलिए ही संत कहा जाता है। दुनिया कुछ भी कर ले परंतु इस जगत में रहने के लिए अंततः आपको प्रेम पर ही आना पड़ेगा। सारी समस्याओं का हल प्रेम में ही निहित है।

प्रेम और बलिदान का प्रतीक पुलवामा

अभिव्यक्ति

अदिति सिंह भदौरिया
लेखक स्तंभकार हैं।

प्रेम जीवन का सबसे खूबसूरत अहसास है। 14 फरवरी ऐसे ही एक प्रेम से भरे दिन को लाता है। प्रेम, जो किसी के साथ कभी भी हो सकता है, जो यह नही देखता कि आपने उसके लिए क्या किया। बस यही देखता कि हम अपने प्रेम के प्रति कितने समर्पित है। ऐसे ही प्रेम के बंधन में बंधकर कुछ नौजवान हमेशा के लिए अमर हो गए।

14 फरवरी 2019 को जब आधा विश्व प्रेम के एक अधूरे से जवाब को पूरा करने के लिए अपने-अपने तरीके से गुलाब या तोहफो से मनचाहे साथी को आकर्षित करने में व्यस्त थे। तभी पुलवामा में अपने प्रेम की चरम-सीमा को छूते हुए कुछ भारतीय सैनिक शहीद हो गए। शहीदों के बारे में जब भी लिखा गया है। तब आँखों के साथ -साथ कलम भी नम हो जाती है। पर इस कड़ी में जब पुलवामा हमले की बात लिखी जाती है, तब हमारा सर शर्म से यह सोचकर झुक जाता है,कि किस प्रकार धोखे के साथ भारतीय सैनिकों की जान ली गई। लेकिन इतने वर्षों बाद भी जब इस तारीख को याद किया जाता है तो जवानी से सरोबार कविताएँ तोहफों के नीचे की मुस्कुराहट को ही क्यों याद किया जाता है? क्यों हम आज तक 14 फरवरी को पुलवामा के दिन की तरह याद नहीं कर पाते? क्या सीमाओं पर सुरक्षा करते-करते शहीद होना सैनिकों का बस काम हैं? क्या उनके प्रति हमारी कोई जिम्मेदारी नहीं है? क्या एक गुलाब या किसी की एक मुस्कुराहट इंसानियत से भी बढ़कर होने लगी है। जिस प्रेम के दिन को हम मनाते हैं?

कहीं यह हमारे भीतर के स्वार्थ को तो नहीं दर्शा रहा? किस तरह हम सिर्फ अपने बारे में सोचकर खुश हो जाते हैं कि काश फलां हमारे प्रेम को स्वीकार कर लें। हमसे उपहार लेकर हमारे आज के दिन को महत्वपूर्ण बना दे। लेकिन हम यह भूल जाते है कि प्रेम की सफलता कुछ मांगने में नहीं बल्कि अपना सब कुछ देने में है। बिल्कुल उसी तरह जिस तरह सैनिकों ने अपना सब कुछ भारत माता के नाम कर दिया। कभी किसी भी सैनिक या उनके परिवारवालों ने हमसे कुछ नहीं मांगा। पर अगर गौर से हम अपने आप को देखें तो हमने आज तक किसी सैनिक के लिए क्या किया है? हमे यह तो याद रहता है की आर्मी कैंटीन से सस्ता सामान मिलता है, लेकिन उस कैंटीन तक पहुंचने के लिए किसी जवान को कितनी मेहनत करनी पड़ती है, यह हम भूल जाते है। क्यों यह याद नहीं रहता कि हमारे परिवारो की सेवा के लिए एक सैनिक अपने परिवार से कई महीनों तक दूर रहते हैं? हमारे बच्चों के सुखद भविष्य के लिए वे अपने बच्चों को बढ़ते देखने के सुख से वंचित रह जाते हैं। क्या हमने यह कभी जानने की कोशिश की कि उस दिन के बाद उन सैनिकों के परिवारो के क्या हाल है? पुलवामा के हमले में 40 जवान ही शहीद नहीं हुए थे। बल्कि 40 परिवारों की आंखो में ना रुकने वाले आंसुओं ने अपनी जगह बना ली थी। वो आंसू जानते थे कि उनको बहना ही है। पर क्या उस दिन की शहादत को सही माना जा सकता है? भारत अपने शहीदों को भूलेंगे नहीं, क्या ये कह देने मात्र से उनका बलिदान सार्थक हो जाता है?

हमने अपने शहीदों को याद ही कब रखा है, जो हम भूलने की बात कर रहे हैं। सोचने की बात है कि यदि 14 फरवरी के दिन किसी को पुलवामा दिन का याद भी दिला दिया जाए तो उसके चेहरे की चुप्पी बहुत कुछ कह जाती है। वह चुप्पी कहती हैं कि हम कितने बेबस है,जो अपने ही देश में अपने सैनिकों के बलिदान को समझ पाने या उसके बारे में बात करने के लिए हमारे पास शब्दों की कमी हो जाती है। क्योंकि कहीं ना कहीं हमारे मानस पटल पर 14 फरवरी को इस तरह से अंकित किया गया है। जैसे उस दिन से पहले हमारी धरती पर कभी प्रेम को महसूस भी नहीं किया गया। यह हमारी लाचारी नहीं है तो और क्या है? जब भी कोई इस दिन लाल गुलाब लिए अपनों का इंतज़ार करते हैं तब हमें यह भी याद रखना चाहिए कि पुलवामा के सैनिकों का भी कोई इंतजार कर रहा था। उनका इंतज़ार कभी ना खत्म नहीं होने वाला सिलसिला बन कर रह गया। विदेशों से प्रभावित होने का सिलसिला हमारे लिए नया नहीं है। नया है तो अपने देश पर मर मिटने वालो को याद करने का सिलसिला।

आखिर कब तक हम हाथ में गुलाब लिए दूसरों का अनुसरण करते रहेंगे? कब अपनो के लिए हमारी भावना इतनी कोमल होगी कि हमें अपने सैनिकों और उनके परिवारों का दुख किसी न्यूज़ चैनल पर कुछ सेकंड की खबर ही न लगे बल्कि हम उस दर्द को महसूस करके उनके प्रति अपनी कृतज्ञता ज़ाहिर करें। हमारा एक कदम हमारे सैनिकों को यह एहसास दिलाएगा कि सीमा पर अपना बलिदान देना उनका मात्र काम नहीं है, बल्कि हमारे लिए उनका होना ही सर्वोच्च भाव है। वह है तो हम हैं। हमारी तरफ से वह हर दिवस विशेष है ,भारत के उस हर सैनिक के लिए जो हमारे लिए अपनी परवाह नहीं करता। गर्व से कहो कि प्रेम की सबसे कठिन प्रतीक को हम जानते हैं जैसे दुनिया भारतीय सैनिक हैं।

सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए उमेश त्रिवेदी द्वारा पी.जी. इंफ्रास्ट्रक्चर एण्ड सर्विसेस प्रा. लि., राउखेड़ी, देवास रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 662, साईं कृपा कॉलोनी, बॉम्बे हॉस्पिटल के सामने, इंदौर से प्रकाशित।

प्रधान संपादक - उमेश त्रिवेदी
संपादक (म.प्र.) -विनोद तिवारी
कार्यकारी प्रधान संपादक - अजय बोकिल
स्थानीय संपादक - हेमंत पाल
प्रबंध संपादक - अरुण पटेल

(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2015/ 66040,
Mobile No.: 09893032101
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

व्यंग्य

प्रीतम लखवाल
लेखक व्यंग्यकार हैं।

मुरारीलाल जी के सपने और आम आदमी

देश के गणमान्य नागरिक, जिन्हें जनता जर्नादन होने का गौरव हासिल है, इन्हें स्वप्न देखने की शुरू से आदत है। इस आदत के चलते लोग हमेशा ही स्वप्न देखते हैं और स्वप्न लोक में ही विचरण करते रहते हैं। जिन्हें देश के कर्णधार होने का तमगा हासिल है, वे हमेशा से ही बड़े उदारमना हैं और वेझ जनता जर्नादन को सपने दिखाने का स्थायी लाइसेंस लिए चलते हैं। कर्णधार और जनता जर्नादन का लिंक काफी पुराना है।

जब से लोकतंत्र अस्तित्व में आया है, तब से जनता जर्नादन स्वप्न देखने की भयंकर बीमारी से ग्रसित है और कर्णधार इन्हें दिखाने के लिए बाध्य। वे कभी भी कोई ऐसा अवसर नहीं छोड़ते, जहां वे जनता जर्नादन को सपने नहीं दिखाते हों। ऐसे ही मुरारीलाल जी हैं, अरे! फिल्म वाले मुरारीलाल नहीं जो हीरो बनने चले थे और वे भी नहीं जिसे 'आनंद' फिल्म का पात्र आनंद हर किसी को मुरारीलाल कहकर अपना हाथ बढ़ा देता था, लेकिन ये मुरारीलाल जरा दूजे किसम के हैं। ये सपने भी देखते हैं और दिखाने वालों को उनकी औकात भी दिखाते हैं।

स्वप्न लोक की दुनिया में घूम-फिर रही जनता के सामने और कोई ऑप्शन ही नहीं बचा है। उन्हें बस सपने देखना है। मुरारीलाल सपने देखने के आदी तो हैं, लेकिन वे थोड़ा सा दार्शनिक टाइप के भी हैं। वैसे उनका दर्शन से कोई लेना-देना नहीं है। वे पहले कभी दूर-दर्शन देखा करते थे तो अब वे दूर बैठकर ही अपनी दर्शनाभिलाषा पूरी करते हैं। एक दिन वे बता रहे थे कि 'मुझे काफी गुस्सा आता है, उन विचारकों पर जिन्होंने यह कहकर लोगों को निकम्मा बना दिया कि सपने देखने से वो सच हो जाते हैं।' इससे आगे तो 'उन ज्योतिषियों पर टूट पड़ने का मन करता है, जिन्होंने कैलेंडर में लिख मारा कि सुबह-सुबह देखा हुआ सपना सच होता है।' मुरारीलाल जी बता रहे थे कि कैसे आदमी इनकी बातों में भरोसा कर भैंस बन जाता है। अरे! होता-जाता कुछ है नहीं बस स्वप्न देखे जाओ। मैंने भी हिम्मत जुटाकर मुरारीलाल जी से कहा कि आपने भी कोई स्तरीय और चर्चित सपना देखा क्या? अगर देखा तो कब देखा? ये आपने खुद देखा या फिर आपको दिखाया गया? इतने सारे सवालों के चक्रव्यूह से बाहर निकलकर मुरारीलाल ने अपने आपको थोड़ा 'नार्मल' किया और बोले- 'कुछ सपने तो मैंने खुद देखे। कुछ अधिक दिखाए गए।' उन्होंने पहले ही स्पष्ट कर दिया कि सपने देखना बुरी बात नहीं है, लेकिन 'स्वप्न दिखाकर उसे पूरा न करना इस देश में 'अपराध' घोषित होना चाहिए।'

मैंने उनसे कहा-सीधे मुद्दे पर आइए और हमें बताइए कि सपनों में आपने क्या-क्या देखा? कहीं हमारे और तुम्हारे सपनों में कोई समानता तो नहीं है? वो बोले-'ऐसा है कि मैंने भी कई सपने देखे।'मैंने सोचा इतनी फुरसत मिली कैसे? खैर, वे बताने लगे कि एक दशक पहले मुझे लाखों रुपए खातों में आने के सपने आते थे फिर महंगाई कम होने के। एक दिन देखा कि महंगाई ज्यादा कम हो गई है और लोगों को फ्री में सबकुछ मिलने लगा। मैं 'आत्मनिर्भर' हो गया हूं।' अपन' 5 अरब डॉलर की कमाई वाले देश बन गए हैं। विकास पंख लगाकर उड़ रहा है, कभी-कभी पंख कमजोर होने से धड़ाम से गिर भी रहा है। कभी नदी में गिर रहा है तो भी आसमान से टपक रहा है। रफ्तार से दौड़ने वाले वाहन इतने हो गए हैं कि सड़कों को टू-लेन से 8 लेन में बदलने के बाद भी वे टकराने से बच नहीं रहे। वे यहीं नहीं रुके। बोलते-बोलते थूक निगल गए और कहा- हर हाथ को काम मिल गया है। मिलता कुछ नहीं है, बस 'टाइम' कट जाता है। मैंने बीच में टोक दिया- कैसे? वे बोले-बहुत नादान बनते हो, तुम्हारे हाथ में जो मोबाइल है न वह किस काम आता है। आज की पीढ़ी 24 में से 18-18 घंटे इसी पर 'टाइम' काट रही है। छोरियां रील्स बना रही हैं और छोरे उन्हें वायरल कर हैं।

बेचारे जिनके पास 'की-पेड' मोबाइल है, वे पकोड़े तल रहे हैं और कुछ नाली के पास बैठ गैस संयंत्र लगाने की जुगाड़ में हैं। मैंने उन्हें स्टाप मोड पर डाला और बोला कि आपके सपनों में कहीं कोई सच भी हुए हैं? वे बोले-'इसके मूल्यांकन के लिए मीडिया है न'। बाहर फिर से एक रैली का शोर सुनाई दिया और लोग चिल्ला रहे थे 'हमारी मांगे पूरी करो और मैं भी नींद से जाग गया'।

वेलेंटाइन डे विशेष

चित्रा माली
लेखक स्तंभकार हैं।

प्रेम की अस्पृश्यता पर विचार

हमारे समाज में प्रेम विहीन विवाहों का प्रचलन है क्योंकि प्रेम को लड़की की निजी इच्छा माना जाता है और यह लड़की की निजी इच्छा परिवार को चुनौती देती है। पितृसत्तात्मक समाज में लड़कियों का इस प्रकार से परिवार को चुनौती देना कलंक माना जाता है। लव मैरिज करने वाली लड़कियां अपने पिता के परिवार को कलंकित करने वाली अपराधिनी के अलावा कुछ नहीं रहती है। क्योंकि प्रेम का निषेध है स्त्री के लिए और प्रेम का कोई प्रावधान भी नहीं है स्त्री के लिए, यही उसे बार बार कह कर समझा दिया गया है और यही उसके मन में, कानों में लगातार गूंजता रहता है। कुछ लड़कियां अपने प्रेम के हक को हथियाकर अपने स्वतंत्र अस्तित्व के साथ जी रही हैं लेकिन यह पितृसत्ता को बर्दाश्त नहीं हो रहा है और वे नए नए तरीकों से स्त्रियों को नियंत्रित करने का प्रयास लगातार कर रहे हैं।

पितृसत्तात्मक समाज में प्रेम करना एक प्रतिरोध है खासकर स्त्री का, और स्त्री के इस प्रतिरोध को ध्वस्त करने के लिए नए नए पैंतरे, नई नई विधियां ईजाद की जाती रही है। खासकर उन लड़कियों के लिए, जिन लड़कियों ने अपने परिवार की अनुमति के बिना अपने प्रेमी के साथ घर से भागकर शादी की थी। वे भागे हुए जोड़े जब दुबारा उसी शहर में वापस आते हैं तो पुलिस उनको घर से भाग जाने के अपराध में पकड़ती है और लड़के और लड़की को थाने में अलग अलग कर दिया जाता है और भागी हुई लड़की के साथ थाने में रेप तक किया जाता है। जबकि पुलिस की जिम्मेदारी उनके संरक्षण की होती है ऐसे कई उदाहरण मौजूद हैं। इसके अतिरिक्त कई मामलों में लड़के और लड़की की हत्या तक कर दी जाती है। क्योंकि यह मामला प्रेमी/पति के चयन और उसकी स्वतंत्रता का है जिसे समाज आसानी से स्वीकार नहीं कर सकता है। हमारे समाज में प्रेम विहीन विवाहों का प्रचलन है क्योंकि प्रेम को लड़की की निजी इच्छा माना जाता है और यह लड़की की निजी इच्छा परिवार को चुनौती देती है। पितृसत्तात्मक समाज में लड़कियों का इस प्रकार से परिवार को चुनौती देना कलंक माना जाता है। लव मैरिज करने वाली लड़कियां अपने पिता के परिवार को कलंकित करने वाली अपराधिनी के अलावा कुछ नहीं रहती है। क्योंकि प्रेम का निषेध है स्त्री के लिए और प्रेम का कोई प्रावधान भी नहीं है स्त्री के लिए, यही उसे बार बार कह कर समझा दिया गया है और यही उसके मन में, कानों में लगातार गूंजता रहता है। कुछ लड़कियां अपने प्रेम के हक को हथियाकर अपने स्वतंत्र अस्तित्व के साथ जी रही हैं लेकिन यह पितृसत्ता को बर्दाश्त नहीं हो रहा है और वे नए नए तरीकों से स्त्रियों को नियंत्रित करने का प्रयास लगातार कर रहे हैं। स्त्री का बलात्कार तो हो सकता है लेकिन उसके प्रेम पर पहरेदारी होगी। उसे 'वैलेंटाइन डे' से बचाया जाएगा। खुले समय के तकनीकी युग में लड़की से सेल फोन छीन लिया जाएगा क्योंकि यह प्रेम को स्पेस मुहैया करवाता है। सभी लड़कियों के लिए प्रेम न करने का फरमान जारी किया जाता है लेकिन ये लड़कियों की भी समझ से परे है कि उन पर ही इस प्रकार के शिकंजे क्यों है? कभी जाति, कभी धर्म की बात की जाती है जबकि प्रेम जाति, वर्ग और धर्म विहीन होता है। भारत की पहली महिला प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी जी और फिरोज गांधी जी की सगाई के विरोध में कई पत्र गांधी जी के पास आए थे। इन पत्रों के जवाब में गांधी जी ने 2 मार्च 1942 को सेवाग्राम से एक लंबा पत्र सभी विरोधियों को संबोधित करते हुए लिखा था जिसका सार यह था 'जैसे जैसे समय बीतता जाएगा,इस तरह के विवाह बढ़ेंगे और उनसे समाज को फायदा ही होगा। जब सहिष्णुता बढ़कर सर्वधर्म समभाव में बदल जाएगी,तो ऐसे विवाह स्वागत योग्य माने जाएंगे। आने वाले समाज की नवरचना में जो धर्म संकुचित रहेगा और बुद्धि की कसौटी पर खरा नहीं उतरेगा,वह टिक नहीं सकेगा। मेरी कल्पना का हिन्दूधर्म, मात्र एक संकुचित संप्रदाय नहीं है वह तो एक महान और सतत विकास का प्रतीक है और काल की तरह सनातन है। मुझे मिले हुए पत्रों से अज्ञान,असहिष्णुता और अरुचि के भाव टपकते हैं, उनमें एक प्रकार की ऐसी अस्पृश्यता है, जिसे कोई ठीक नाम देना मुश्किल है, लेकिन इसीलिए वह भयावह भी है'। 1942 से लेकर वर्तमान समय तक समाज में प्रेम और प्रेम विवाह को लेकर कोई बहुत बड़ा परिवर्तन नजर नहीं आता है। जाति और धर्म के मुद्दे को कुछ हद तक वर्ग ने तोड़ दिया है या कहें कि आर्थिक स्थिति के अनुसार थोड़ी लिबर्टी मिली है।लेकिन उसकी कुछ शर्तें और नियम अभी भी बरकरार है। लव मैरिज को लेकर लोगों में कई भ्रांतियां है जबकि हकीकत यह है कि यह भी पितृसत्तात्मक व्यवस्था से ही संचालित और अरेंज मैरिज की तरह ही स्त्री-पुरुष के बीच एक स्पष्ट वर्क डिवीजन है। जिसमें घर,परिवार,बच्चों का लालन पालन स्त्री की जिम्मेदारी है और पुरुष की जिम्मेदारी धन कमाना है। जबकि आज स्त्री-पुरुष दोनों ही परिवार की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ करने के लिए कार्य करते हैं लेकिन घरेलू कार्यों की जिम्मेदारी का बोझ महिलाओं पर ही अधिक है। लव मैरिज और अरेंज मैरिज में अंतर महज इतना है कि स्त्री अपने चुने प्रेम/पति के अधिकार को संरक्षित रख पाती है जो उसके संपूर्ण जीवन से जुड़ा हुआ है। 14 फरवरी 'वेलेंटाइन डे' प्रेम के इजहार का दिन है,वह प्रेम जो पितृसत्तात्मक व्यवस्था के विरुद्ध प्रतिरोध करता है इसलिए इस दिन प्रेम का विरोध एक तरह से पितृसत्ता का समर्थन भी है। यह हर दिन की तरह एक प्रेम का दिन अवश्य है,लेकिन इस दिन के मार्फ़त हम सब प्रेम करना सीखते हैं,जो लगातार होते मायावी समय में हम भूलते जा रहे हैं। कुछ लोग जो इसे पाश्चात्य संस्कृति से संचालित बताते हैं और भारतीय संस्कृति को इससे खतरा है यह बताते हैं तो उन्हें हमारी संस्कृति की सही समझ ही नहीं है,हमारी संस्कृति प्रेम व सहिष्णुता की संस्कृति है जो अपने में सभी को समाहित कर लेती है,चाहे वह किसी भी धर्म,जाति,राष्ट्र,या नस्ल का हो,इसी संस्कृति के समर्थक गांधी थे। ये हमारे अधिक मनुष्य होने का प्रमाण भी है जिसमें हम प्रेम करना सीख रहे होते हैं और प्रेम का लगातार अभ्यास करने का प्रयास भी करते है। जब आप प्रेम कर रहे होते हैं तो पूरी कायनात से प्रेम कर रहे होते हैं यह प्रेम मुक्ति का मार्ग भी है जब आप स्वतंत्र होकर स्त्री-पुरूष के भेद से परे पहुंच जाते हैं। ये महज प्रेयसी का प्रेम न होकर मानवता की ओर ले जाने वाला भी है। प्रेम के सार्वभौमिक नियम के तहत हम समूची मानवता के लिए सोचते हैं या सोचना चाहते हैं। प्रेम मानवता के लक्ष्य की खोज के लिए अत्यंत लाभकारी हैं। वर्तमान समय में प्रेम के इस प्राकृतिक और सार्वभौमिक नियम का लगातार रास होता जा रहा है। जिसे बचाने और बनाएं रखने की अत्यंत आवश्यकता है।

वेलेंटाइन डे

नलिन खोईवाल
स्वतंत्र लेखक

प्रेम, दुनिया का सबसे अधिक खूबसूरत एहसास है

प्रेम,दुनिया का सबसे खूबसूरत अनमोल उपहार है और हमारे अंतरमन की खूबसूरत अभिव्यक्ति भी। जहां प्रेम है वहीं ईश्वर है। अपरिपक्व प्रेम कहता है- मैं तुमसे प्यार करता हूं क्योंकि मुझे तुम्हारी जरुरत है। परिपक्व प्रेम कहता है- मुझे तुम्हारी जरुरत है क्योंकि मैं तुमसे प्यार करता हूं।प्यार तब है जब दूसरे व्यक्ति की खुशी आपकी खुशी से अधिक महत्वपूर्ण है। प्रेम के रस में डूबो तो ऐसे कि जब सुबह तुम जागो तो प्रेम का एक और दिन पा जाने का अहसान मानो और फिर रात में जब तुम सोने जाओ तो तुम्हारे दिल में अपने प्रियतम के लिए प्रार्थना हो और होठों पर उसकी खुशी के लिए गीत।

प्रेम की पहली शुरुआत है, खूबसूरत मुस्कान

प्रेम किसी पर अधिकार नहीं जताता, न ही किसी के अधिकार को स्वीकार करता है। प्रेम के लिए तो प्रेम का होना ही बहुत है। हमेशा एक-दूसरे से मुस्कुराकर मिलो क्योंकि खूबसूरत मुस्कान ही प्रेम की पहली शुरुआत है। प्रेम आंखों से शुरू होकर दिल में चुपचाप उतर जाता है और फिर अंतस में बस जाता है। जो सचमुच प्रेम करता है उस मनुष्य का हृदय धरती पर साक्षात स्वर्ग है। ईश्वर उस मनुष्य में बसता है क्योंकि ईश्वर प्रेम है। धरती से युद्ध खत्म करने का एकमात्र रास्ता है और वह है प्रेम। प्रेम में डूबकर सब कुछ भूल जाओ।

प्रेम,सफलता की कुंजी है

प्रेम हमें हमारी मनचाही मंजिल की ओर अग्रसर करता है और उन्नति के सारे दरवाजें भी खोल देता है। प्रेम वह चाबी है जो दिल की तिजौरी का ताला पल भर में खोल देता है। प्रेम हमें उन्नति और सन्मति के मार्ग की ओर ले जाता है, प्रेम हमें साथ मिलकर जीना सिखाता है, प्रेम हमें त्याग, तपस्या,समर्पण और निःस्वार्थ भाव सिखाता है और प्रेम दिलों के मध्य की दूरियां भी मिटाता है। कण-कण में प्रेम व्याप्त है...बस उसे महसूस करने की जरूरत है। प्रकृति,प्रेम की सर्वोत्कृष्ट अभिव्यक्ति है। प्रेम करना सीखना है तो प्रकृति से सीखो क्योंकि प्रकृति का काम है सिर्फ देना ही देना,बदले में वह कुछ लेती नहीं है। प्रकृति अपना सब कुछ हम पर निछावर कर देती है। प्रेम अंतरात्मा की आवाज है। जहां त्याग,तपस्या और समर्पण है प्रेम भी वहीं विद्यमान है।

प्रेम जीवन जीने की कला भी सिखाता है

जीवन एक उत्सव है तो प्रेम बेइंतहा खुशियों का इज़हार है। प्रेम हमें निराशा के अंधेरों से बाहर निकालकर उजालों की ओर ले जाता है। प्रेम हमें तन्हाइयों में भी तन्हा नहीं होने देता है। जिजीविषा का दूसरा नाम ही है प्रेम। प्रेम,सच का वो आईना है जो

झूठ को बेनकाब करता है और हमें हमारी असली सूरत का दीदार कराता है।जहां सच है वहीं प्रेम है और प्रेम में झूठ,धोखा,बेमानी और फरेब का कोई स्थान नहीं है।

प्रेम की प्रथम सीढ़ी है विश्वास

विश्वास की डोर के सहारे ही प्रेम रूपी पतंग उन्मुक्त गगन में हौसलों से उड़ान भरती है। एक-दूसरे पर भरोसा करना सफल प्रेम की पहली सीढ़ी है। जहां भरोसा है वही निश्छल प्रेम है। निःस्वार्थ प्रेम सफलता की दूसरी सीढ़ी है। प्रेम देता ही है लेता कुछ नहीं है। परमाणु बम से भी बड़ी शक्ति है प्रेम। जो काम युद्धपोत नहीं कर सकते वह काम चुटकी में कर दिखाता है प्रेम। वैश्विक महामारी और विश्व युद्ध के इस दौर में आज जिस चीज की सबसे अधिक आवश्यकता है तो वह है प्रेम।बड़ी से बड़ी लड़ाई तलवार के बल पर नहीं अपितु प्रेम के माध्यम से जीती जा सकती है। युद्ध तो विनाश का सूचक है तो प्रेम हमारे बीच की सारी नफरतों को मिटाकर हमें सही अर्थों में जीवन जीने की कला सिखाता है।

प्रेम आत्मा से होता है शरीर से नहीं

कहते हैं कि प्रेम और जंग में सब जायज है लेकिन जहां प्रेम है वहां जंग का कोई स्थान नहीं है। प्रेम को न ही धन से खरीदा जा सकता है और न ही शक्ति ,सामर्थ्य से। प्रेम ही जीवन है। प्रेम सूर्य के समान है, जितना फैलेगा, उतना प्रकाश बढ़ता ही जाएगा। प्रेम बलिदान सिखाता है, हिसाब नहीं। प्रेम मस्तिष्क को नहीं हृदय को छूता है। प्रेम आत्मा से होता है शरीर से नहीं। प्रेम, थकान और द्वंद्व को मिटाता है तथा जीवन की वाटिका में सुगंध रूपी सुंदर पुष्प खिलाता है। प्रेम ही शांति है, प्रेम ही सुख और आनंद की विलक्षण अनुभूति है। बुरा कुछ नहीं है, संसार को हम जिस दृष्टि से देखेंगे, वह वैसा ही नजर आएगा, जैसी दृष्टि वैसी सृष्टि। संसार में राग भी है और द्वेष भी है। अवगुण पर हम प्रेम से ही विजय पा सकते हैं। द्वंद्व के घोर अंधकार को हम प्रेम के दीप जलाकर दूर करें।

प्रेम ही जीवन की सर्वोत्तम युक्ति है

चिंताएं छोड़कर सुख और आनंद से जियो क्योंकि चिंताएं, चिता समान होती है।जीवन को एक उत्सव की तरह जिएं। नफरत को भूल कर प्रेम में डूब जाओ, प्राणीमात्र से प्रेम करो, क्योंकि प्रेम ही शक्ति है, प्रेम ही भक्ति है और प्रेम ही जीवन की सर्वोत्तम युक्ति है। यानि प्रेम हर मुश्किल समस्या का एक सरल समाधान है। जहां प्रेम है वहां अलौकिक शक्तियाँ विद्यमान है। जहां प्रेम है वहीं जीत है।जहां प्रेम है वहीं जीवन का माधुर्य संगीत है। जहां प्रेम है वहां मन का मीत है। जहां प्रेम है वहां केवल आनंद है...मस्ती है..उल्लास है...उमंग है...उत्सव है। प्रेम हमें एक अलग ही दुनिया में ले जाता है और जीवन जीने का अर्थ समझाता है।प्रेम तन्हाइयों में भी हमारे साथ रहता है और हमें कभी उदास होने नहीं देता है। जीवन पुष्प है तो प्रेम उसका मधु। प्रेम,दुनिया का सबसे अधिक खूबसूरत एहसास हैं,जिसे खुदा ने हमें तोहफे में अता किया है।

प्रेम है एक अग्निपरीक्षा,इस पर चलकर तो देखो,
गहरा है यह दरिया,इसमें उतर कर तो देखो।
प्रेम का है रंग गहरा,इसमें तुम घुल कर तो देखो
जान लोगे मां यशोदा,खुद कान्हा बनकर तो देखो।

ताज महल : मोहब्बत की निशानी

फोटो : गिरीश शर्मा

प्रेम की बात

रमेश रंजन त्रिपाठी
लेखक स्तंभकार हैं।

ढाई आखर प्रेम के

संत कबीर की युनिवर्सिटी से 'पंडित' की डिग्री लेने के लिए पोथी पढ़ने भर से काम नहीं चलेगा, प्रेम के ढाई अक्षर भी पढ़ने पड़ेंगे। चूँकि विद्वान अर्थात् पंडित बनना है, सो ढाई आखर की पढ़ाई में उत्तीर्ण भी होना पड़ेगा। कबीर के नियम सुनने में सरल लगें लेकिन होते कठिन हैं। उदाहरण के लिए वे कहते हैं 'जो घर फूँके आपनौ, चले हमारे साथ'। यह डरने की बात नहीं है, क्योंकि संसार के सभी समझदार लोगों की तरह कबीर दास जी का प्रिय विषय प्रेम है। जिसके हृदय में प्रेम का वास हो उससे डरना क्यों? कितना भी संगदिल सनम हो, इश्क उसे द्रवित कर ही देगा। कबीर प्यार को पहचानने का सूत्र बताते हैं कि जिस पथ पर चलकर ईश्वर मिलें वही प्रेम का सच्चा मार्ग है- 'प्रेम प्रेम सब कोइ कहैं प्रेम न चीन्है कोय, जो मारग साहिब मिलै प्रेम कहावै सोय।' कबीर दास भी प्रेमी की तलाश में रहते हैं क्योंकि प्रेमी के मिल जाने से सारी नकारात्मकता सकारात्मकता में बदल जाती है, 'प्रेमी ढूँढ़त मैं फिरूँ प्रेमी मिलै न कोइ, प्रेमी कूँ प्रेमी मिलै तब सब विष अमृत होइ।' कबीर अपनी कक्षा में प्यार का मोलभाव बताते हैं, 'प्रेम न खेतौं नीपजै प्रेम न दृष्टि बिकाइ, राजा परजा जिस रुचै सिर दे सो ले जाइ।' अर्थात् प्रेम न खेत में उपजता है न बाजार में बिकता है, राजा हो या प्रजा, जिसे रुचिकर लगे सो अपना सिर देकर उसे ले जाय। इसी क्रम को आगे बढ़ाते हुए कबीर चेतावनी देते हैं कि प्रेम परमात्मा का घर है, खाला का घर नहीं है जहाँ मनचाहा प्रवेश मिल जाए। यहाँ अंदर जाने के लिए शीश को उतारकर हाथ में लेना पड़ता है। (कबीर यहु घर प्रेम का खाला का घर नाँहि, सीस उतारै हाथ करि सो पैठे घर माँहि।) केवल दुश्वारियाँ नहीं, कबीर प्रेम का चोला पहनकर नाचने के लिए भी प्रोत्साहित करते हैं- 'प्रेम पाट का चोलना पहिर कबीरु नाच'।

जिसे कबीर का अनुशासन कठोर जान पड़े वह दूसरे संतों की क्लास का रुख कर सकता है। पहले गोस्वामी तुलसीदास जी का सिलेबस देख लीजिए। तुलसी बाबा ने भी प्रेम को सर्वोपरि माना है। वे कहते हैं कि श्रीराम अपने भक्तों के प्रेम के कारण ही धरती पर अवतार लेते हैं। (तुम्ह सारिखे संत प्रिय मोरें, धरहुँ देह नहिं आन निहोरें।) गुसाईं जी बार-बार उद्घोषणा करते हैं कि भलीभाँति जान लीजिए, भगवान राम को केवल प्रेम ही प्रिय है। (रामहि केवल प्रेम पिआरा, जानि लेउ जो जाननिहारा।) प्रेम का पाठ तुलसी बाबा भी पढ़ा रहे हैं।

संत रैदास जी के यहाँ चलते हैं। ध्यान दीजिए, ये भी प्रेम का गुणगान करते नहीं अघा रहे- 'रैदास प्रेम नहिं छिप सकई लाख छिपाए कोय, प्रेम न मुख खोलै कभऊँ नैन देत हैं रोय।' (प्रेम कोशिश करने पर भी छिप नहीं पाता, वह प्रकट हो ही जाता है। प्रेम का बखान वाणी द्वारा नहीं हो सकता। प्रेम को तो आँखों से निकले हुए आँसू ही व्यक्त करते हैं।) मीरा बाई को नमन कर लेते हैं। परंतु वे भी तो प्रेम दीवानी हो रही हैं। 'हे री मैं तो प्रेम दिवानी, मेरा दरद न जाने कोय।' भक्तशिरोमणि सूरदास जी के दर्शन बिना प्रेम परिक्रमा पूरी कैसे हो सकती है? वे गा रहे हैं- 'सबसे ऊँची प्रेम सगाई।' सूरदास जी प्रेम संबंध को सबसे ऊँचा स्थान देते हैं। अपनी बात समझाने के लिए वे श्रीकृष्ण, श्रीराम के उदाहरण देते हैं जिन्होंने प्रेम के वशीभूत होकर अपनी प्रतिष्ठा से अलग हटकर अनेक काम किए। सूरदास जी बड़ी सहजता से अत्यन्त मार्मिक बात कह देते हैं-

सबसे ऊँची प्रेम सगाई।
दुर्योधन की मेवा त्यागी, साग विदुर घर पाई।
जूठे फल सबरी के खाये बहुबिधि प्रेम लगाई।
प्रेम के बस नृप सेवा कीनी आप बने हरि नाई।
राजसुयज्ञ युधिष्ठिर कीनो तामैं जूठ उठाई।
प्रेम के बस अर्जुन-रथ हाँक्यो भूल गए ठकुराई।
ऐसी प्रीत बढ़ी बृन्दाबन गोपिन नाच नचाई।
सूर क्रूर इस लायक नाहीं कहँ लगि करौं बड़ाई।
जीवन में किसी की भी कक्षा में प्रवेश लीजिए,
प्रेम के ढाई आखर तो पढ़ने ही पड़ेंगे।

वेलेंटाइन डे

गंगा पाण्डेय

प्रेम का उत्सव या पश्चिमी प्रभाव?

वेलेंटाइन डे, जिसे प्रेम दिवस के रूप में जाना जाता है, हर वर्ष 14 फरवरी को मनाया जाता है। मूल रूप से यह एक पश्चिमी परंपरा थी, जिसका संबंध संत वेलेंटाइन से जोड़ा जाता है। हालांकि, समय के साथ यह उत्सव भारत सहित अनेक देशों में लोकप्रिय हो गया है। लेकिन प्रश्न यह उठता है कि क्या यह केवल एक आयातित पश्चिमी परंपरा है, या फिर भारतीय संस्कृति के अनुरूप ढलकर समाज का हिस्सा बन चुका है?

भारत में प्रेम और रिश्तों की परंपराएँ– भारतीय समाज प्रेम और रिश्तों की गहरी परंपराओं से भरा हुआ है। यहाँ प्रेम को केवल एक भावनात्मक संबंध नहीं, बल्कि आध्यात्मिक और सांस्कृतिक मूल्यों का अभिन्न अंग माना जाता है। प्राचीन ग्रंथों, लोककथाओं और काव्य रचनाओं में प्रेम को सर्वोच्च स्थान दिया गया है। राधा-कृष्ण का दिव्य प्रेम, सावित्री-सत्यवान की अटूट निष्ठा, मीरा का भक्ति-प्रेम, और शकुंतला-दुष्यंत की प्रेम कहानी भारतीय संस्कृति में प्रेम की महिमा को दर्शाते हैं।

भारतीय समाज में प्रेम को त्याग, समर्पण और निष्ठा से जोड़ा गया है। यहाँ रिश्ते केवल व्यक्तिगत भावनाओं तक सीमित नहीं रहते, बल्कि सामाजिक संरचना में गहराई से जुड़े होते हैं। विवाह जैसी संस्था प्रेम और जिम्मेदारी दोनों को एक साथ निभाने की अवधारणा पर आधारित है।

वेलेंटाइन डे का भारत में प्रभाव– पिछले कुछ दशकों में वैश्वीकरण, तकनीकी प्रगति और सामाजिक परिवर्तनों के कारण वेलेंटाइन डे भारत में भी व्यापक रूप से लोकप्रिय हो गया है। युवाओं के बीच यह दिन प्रेम के प्रतीक के रूप में स्वीकार्य हो गया है। सोशल मीडिया, फिल्मों और विज्ञापनों ने इस उत्सव को एक बड़े पैमाने पर प्रचारित किया है, जिससे यह एक सामाजिक घटना बन गई है।

हालांकि, इसके बढ़ते प्रभाव के साथ ही समाज में इसे लेकर मतभेद भी देखे जाते हैं। कुछ लोग इसे आधुनिकता का प्रतीक मानते हैं और इसे स्वतंत्रता और व्यक्तिगत अभिव्यक्ति का माध्यम मानते हैं। वहीं, कुछ परंपरावादी इसे भारतीय संस्कृति के विरुद्ध बताते हैं और इसे 'पश्चिमी प्रभाव' का परिणाम मानते हैं।

संस्कृति बनाम आधुनिकता– वेलेंटाइन डे को लेकर सबसे बड़ा प्रश्न यही उठता है कि क्या यह भारतीय संस्कृति के अनुरूप है? इस संदर्भ में यह समझना आवश्यक है कि संस्कृति स्थिर नहीं होती, बल्कि समय और परिस्थितियों के अनुसार विकसित होती है। यदि हम ऐतिहासिक दृष्टिकोण से देखें, तो भारत ने हमेशा बाहरी प्रभावों को आत्मसात करने और उन्हें अपनी परंपराओं के अनुरूप ढालने की क्षमता दिखाई है।

आज भारतीय युवा अपनी परंपराओं का सम्मान करते हुए आधुनिकता को भी अपनाने की दिशा में बढ़ रहे हैं। वे प्रेम को केवल एक भावना नहीं, बल्कि एक स्वस्थ और सम्मानजनक संबंध के रूप में देख रहे हैं। ऐसे में वेलेंटाइन डे को केवल पश्चिमी संस्कृति का अंग मानना उचित नहीं होगा, बल्कि इसे प्रेम और संबंधों को प्रकट करने के एक अवसर के रूप में देखा जा सकता है।

समाज में स्वीकार्यता– अगर हम वेलेंटाइन डे की स्वीकार्यता की बात करें, तो यह स्पष्ट है कि शहरी क्षेत्रों और युवा पीढ़ी में इसका व्यापक प्रभाव देखा जा सकता है। हालाँकि, छोटे शहरों और ग्रामीण इलाकों में अभी भी इसे लेकर संकोच बना हुआ है। कुछ धार्मिक और सांस्कृतिक संगठनों द्वारा इसका विरोध किया जाता है, क्योंकि वे इसे भारतीय मूल्यों के विपरीत मानते हैं।

लेकिन एक महत्वपूर्ण पहलू यह भी है कि प्रेम का भाव सार्वभौमिक है, और इसे किसी विशेष दिन या परंपरा तक सीमित नहीं किया जा सकता। भारत में भी विभिन्न अवसरों पर प्रेम और रिश्तों को महत्व दिया जाता है, जैसे कि बसंत पंचमी, करवा चौथ, रक्षाबंधन, और माता-पिता के प्रति सम्मान जताने वाले दिवस। इसलिए, यदि वेलेंटाइन डे एक अतिरिक्त अवसर के रूप में उभरता है, तो इसे पूरी तरह से नकारना भी उचित नहीं होगा।

वेलेंटाइन डे को लेकर भारतीय समाज में मिश्रित प्रतिक्रियाएँ हैं। एक ओर इसे प्रेम और आधुनिकता का प्रतीक माना जाता है, तो दूसरी ओर इसे पश्चिमी प्रभाव मानकर आलोचना की जाती है। हालाँकि, यदि इसे केवल एक प्रेम व्यक्त करने के अवसर के रूप में देखा जाए, तो यह किसी भी समाज के मूल्यों के खिलाफ नहीं है।

भारतीय संस्कृति ने हमेशा प्रेम को एक पवित्र स्थान दिया है, और समय के साथ इसमें बदलाव भी आते रहे हैं। यदि वेलेंटाइन डे भारतीय युवाओं को अपने प्रेम को सम्मानपूर्वक अभिव्यक्त करने का अवसर देता है, तो इसे केवल पश्चिमी त्योहार के रूप में देखने के बजाय एक वैश्विक प्रेम-दिवस के रूप में स्वीकार किया जा सकता है।

अंततः, किसी भी संस्कृति का सार प्रेम, सौहार्द और पारस्परिक सम्मान में निहित होता है। यदि वेलेंटाइन डे इन मूल्यों को बढ़ावा देता है, तो यह भारतीय समाज के लिए कोई हानिकारक तत्व नहीं, बल्कि बदलते समय के साथ एक नया सांस्कृतिक आयाम हो सकता है।

बहन की सगाई में आई महिला ने खाया जहर

बैतूल। बहन की सगाई में शामिल होने आई 28 वर्षीय महिला ने जहर खा लिया। जिसे इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती किया था, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। महिला ने गुरुवार सुबह जहरीला पदार्थ खा लिया। उल्टियां होने पर परिजन उसे बेहोशी की हालत में भैंसदेही सीएचसी ले गए। हालत गंभीर होने पर जिला अस्पताल रेफर किया गया, जहां डॉक्टरों की जांच के दौरान उसने दम तोड़ दिया। मृतका सरिता पति रामसू (28) की शादी 11 साल पहले हुई थी। उसकी शादी शाजापुर जिले के कालापीपल में हुई थी। वह 2 फरवरी को अपनी छोटी बहन की सगाई में शामिल होने मायके कोलगांव आई थी और तब से यही पर थी। परिजन आत्महत्या का कारण नहीं बता पा रहे हैं। पुलिस ने मर्ग कायम कर लिया है।

डीजे 11 ने 114 रनों से दर्ज की धमाकेदार जीत

लाल बहादुर शास्त्री स्टेडियम में क्रिकेट का रोमांच, दर्शकों की उमड़ रही भीड़

बैतूल। स्व.रामाधार मालवीय की स्मृति में समीर खान फैंस क्लब द्वारा आयोजित टेनिस बॉल टूर्नामेंट के दूसरे दिन 13 फरवरी को लाल बहादुर शास्त्री स्टेडियम कोठी बाजार में क्रिकेट का रोमांच चरम पर रहा। दिन के पहले मैच में ग्रीन वॉरियर्स और यूनिक मोबाइल के बीच मुकाबला हुआ। यूनिक मोबाइल ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 94 रन बनाए, लेकिन ग्रीन

वॉरियर्स ने शानदार प्रदर्शन करते हुए लक्ष्य को आसानी से हासिल कर मैच अपने नाम कर लिया।

दूसरे मैच में डीजे 11 और आर्यन क्लब देवगांव आमने-सामने थे। आर्यन क्लब देवगांव ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी की, लेकिन डीजे 11 ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए लक्ष्य को आसानी से प्राप्त कर जीत दर्ज की। दिन का तीसरा और सबसे रोमांचक मुकाबला दोनों विजेता टीमों, डीजे 11 और ग्रीन वॉरियर्स, के बीच खेला गया। डीजे 11 ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 147 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया। इसके जवाब में ग्रीन वॉरियर्स की टीम सिर्फ 33 रनों पर सिमट गई, जिससे डीजे 11 ने यह मैच 114 रनों के बड़े अंतर से जीत लिया। टूर्नामेंट के आयोजकों सुनील मालवीय और नफीस खान ने बताया कि 14 फरवरी को पहला मुकाबला माझी क्लब और सूर्या क्लब के बीच खेला जाएगा। दूसरा मैच बैतूल मर्चेंट और मेहता एजेंसी के बीच होगा। 12 फरवरी को टूर्नामेंट के शुभारंभ के अवसर पर मुख्य अतिथि मयंक भार्गव, बलवंत धोटे, अनिल सिंह ठाकुर और पंकज सोनी ने टूर्नामेंट का उद्घाटन किया। आयोजकों ने बताया कि इस टूर्नामेंट के विजेता को 2 लाख और उपविजेता को 1 लाख का पुरस्कार दिया जाएगा।

बैतूल कबड्डी संघ ने क्वार्टर फाइनल में बनाई जगह

बैतूल। भोपाल में आयोजित मध्य प्रदेश राज्य अंतर जिला सीनियर पुरुष कबड्डी चैंपियनशिप में बैतूल कबड्डी संघ ने अपने शानदार प्रदर्शन से क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। बैतूल टीम को ग्रुप बी में रखा गया था, जहां उसने अपने पहले मैच में छिंदवाड़ा को 35-5 से करारी शिकस्त दी। इसके बाद दूसरे मैच में नर्मदापुरम को 24-14 से हराकर अपना विजय अभियान जारी रखा। तीसरे और अहम मुकाबले में बैतूल ने इंदौर बी को कड़े संघर्ष में 26-25 से मात दी और अपने ग्रुप में पहला स्थान हासिल किया। इस जीत के साथ बैतूल कबड्डी संघ ने क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया है।

जय हनुमान व्यायाम शाला गंज की अगुआई में निकलेगी शिव बारात

बैतूल। इस बार शिव बारात की अगुआई जय हनुमान व्यायाम शाला गंज करेगा। गंज अखाड़ा के कोच विनोद बुंदेले के नेतृत्व में शिव बारात में राष्ट्रीय स्तर के प्रतिभाशाली खिलाड़ी लाठी एवं तलवार कला का प्रदर्शन करेंगे। महाशिवरात्रि के अवसर पर शिव बारात को ऐतिहासिक बनाने की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। शिव बारात का आयोजन शंभू भोले सेवा उत्सव समिति द्वारा 26 फरवरी को थाना महाकाल चौक स्थित शिवालय से किया जाएगा। गंज व्यायाम शाला के खिलाडय़िों ने हाल ही में भूटान में आयोजित साउथ एशियन लाठी टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करते हुए 6 गोल्ड और 10 सिल्वर मेडल जीतकर देश और बैतूल का नाम रोशन किया था। टूर्नामेंट में नेपाल, भूटान, श्रीलंका और भारत के खिलाडय़िों ने भाग लिया था। इसमें उज्जैन, बैतूल और शहडोल की टीमों ने उल्लेखनीय प्रदर्शन किया था। शिव बारात में बैतूल के इन खिलाडय़िों द्वारा लाठी कला का प्रदर्शन किया जाएगा। सिल्वर मेडल विजेताओं में रक्षा रायपुर एक और दो लाठी, सृष्टि गावंडे लाठी युद्ध और एक लाठी, कृतिका राठौर एक और दो लाठी, ऋषिका दुबे एक लाठी, विशेष गावंडे लाठी युद्ध और एक लाठी, गुंजन बुंदेले एक लाठी और पीयूष कुंभारे एक लाठी का प्रदर्शन करेंगे। महाशिवरात्रि के दिन 26 फरवरी को यह भव्य शिव बारात निकाली जाएगी, जिसमें जय हनुमान व्यायाम शाला गंज की उपस्थिति इसे खास बनाएगी। आयोजकों ने सभी श्रद्धालुओं से इस ऐतिहासिक शिव बारात का हिस्सा बनने की अपील की है।

आपदा प्रबंधन प्रशिक्षण कार्यक्रम सम्पन्न

हरदा (निप्र)। आपदा प्रबन्धन प्रशिक्षण, मॉकड्रिल एवं जागरूकता अभियान के तहत एक दिवसीय आपदा प्रबन्धन प्रशिक्षण कार्यक्रम स्थानीय होटल में आयोजित किया गया। इस अवसर पर कलेक्टर श्री आदित्य सिंह ने संबोधित करते हुए कहा कि प्राकृतिक आपदा एवं मानव निर्मित आपदा कभी भी पूर्व सूचना देकर नहीं आती है बल्कि अचानक ही आती है। अतः इससे बचाव के लिये हमेशा तैयार रहना चाहिए। उन्होने कहा कि सभी विभागों के अधिकारियों को प्राकृतिक आपदा की स्थिति से निपटने के लिये आज का प्रशिक्षण बहुत उपयोगी सिद्ध होगा।

विलंब शुल्क के साथ मान्यता नवीनीकरण की अंतिम तिथि आज

62 स्कूलों ने नहीं किये आवेदन, संकट में पड़ सकती है मान्यता

बैतूल। जिले में संचालित 62 निजी स्कूलों ने अभी भी मान्यता नवीनीकरण के लिए आवेदन नहीं किये। आज विलंब शुल्क के साथ आवेदन की अंतिम तिथि है। यदि आज भी इन स्कूलों ने प्रक्रिया पूर्ण नहीं की तो, इन स्कूलों की मान्यता संकट में पड़ सकती है। मान्यता नहीं लेने पर स्कूल तो बंद होंगे ही साथ ही आरटीई के तहत पढने वाले सैकड़ों गरीब वर्ग के बच्चों का भी भविष्य प्रभावित होगा, क्योंकि दूसरे स्कूल में एडमिशन लेने पर इन्हें आरटीई का लाभ नहीं मिल सकेगा और स्कूलों की मान्यता भी 31 मार्च को समाप्त हो जाएगी। शासन ने कक्षा 1 से लेकर 8वीं तक की मान्यता के लिए विलंब शुल्क के साथ आखिरी तारीख 14 फरवरी तय की है। शासन ने नई मान्यता के लिए रजिस्टर्ड किरायानामा के साथ स्कूल की जानकारी मांगी हैं। बता दे कि कक्षा पहली से आठवीं तक निजी स्कूलों की आगामी शिक्षण सत्र के लिए नवीन मान्यता की प्रक्रिया 23 दिसंबर से शुरू हुई थी। लेकिन अभी तक ब्लाक के 280 स्कूल संचालकों ने आवेदन किये है। डीपीसी जितेन्द्र भनारिया ने बताया कि राज्य शिक्षा केन्द्र के आदेश स्कूलों को भेजे जा चुके है, यदि इसके बाद भी तय तारीख तक स्कूल संचालक मान्यता नवीनीकरण के लिए आवेदन नहीं करते हैं, तो स्कूलों की मान्यता रद्द हो सकती है या अगले सत्र से इन स्कूलों का संचालन खटाई में पड़ सकता है।

आरटीई के तहत पढ़ने वाले बच्चों को होगी दिक्कत – शासन आर्थिक रूप से कमजोर बच्चों को शिक्षा का अधिकार अधिनियम के तहत निजी स्कूलों में एडमिशन दिलाती है। इनकी फीस शासन द्वारा स्कूलों के खाते में भेजी जाती है। एडमिशन होने जाने के बाद उन्हें कक्षा 8वीं तक उसी स्कूल में पढ़ाई करना होती है। बीच में स्कूल छोडने पर बच्चों को दूसरे में इस योजना के तहत एडमिशन नहीं मिलता। यदि स्कूल बंद होंगे तो आरटीई के तहत पढने वाले बच्चों की शिक्षा पर ही संकट आ जाएगा। जिले में संचालित 342 निजी स्कूलों में से 280 स्कूलों ने आवेदन प्रक्रिया पूर्ण कर चुके हैं। 62 स्कूल ऐसे है, जिन्होंने 13 फरवरी तक भी मान्यता नवीनीकरण के लिए आवेदन नहीं किये थे। आवेदन जमा करने के बाद भौतिक सत्यापन कर निरीक्षण रिपोर्ट जिला परियोजना समन्वयक को प्रस्तुत करेंगे।

किरायानामा ने बढ़ाई संचालकों की परेशानी– स्कूलों की मान्यता के लिए नियमों में किए गए बदलाव का असर निजी स्कूल संचालकों पर पड़ रहा है। क्योंकि जिले में संचालित कुछ स्कूल किराए के भवनों में संचालित हो रहे हैं। मान्यता प्रक्रिया के दौरान पोर्टल रजिस्टर्ड रेंट एग्रीमेंट का अपलोड हो रहा है। स्कूल संचालकों को रजिस्टर्ड रेंट एग्रीमेंट कराना भी भारी पड़ रहा है, क्योंकि रजिस्टर्ड रेंज एग्रीमेंट में स्कूल संचालकों को जमीन और स्थान के हिसाब से स्टांप ड्यूटी देकर एग्रीमेंट कराना पड़ेगा। वहीं जिले के डब्ल्यूसीएल और पॉवर हाऊस सारणी क्षेत्र की जमीन पर संचालित स्कूलों के लिए किरायानामा बनाना संभव नहीं है। निजी स्कूल संचालकों ने किरायानामा सहित अन्य नियमों में किए बदलाव को लेकर विरोध भी दर्ज करा चुके हैं। रजिस्टर्ड रेंट एग्रीमेंट के कारण ही कई स्कूल संचालक मान्यता के लिए आवेदन नहीं कर पाए हैं।

मान्यता के यह है नियम

अब मान्यता का नवीनीकरण कराने वाले स्कूलों को विलंब शुल्क के साथ मान्यता का आवेदन करना होगा। वैसे राज्य शिक्षा केन्द्र ने प्राथमिक स्कूल की मान्यता के लिए 5 हजार, माध्यमिक स्कूल की मान्यता के लिए 7500 और प्राथमिक और माध्यमिक दोनों के लिए 10 हजार रुपए मान्यता शुल्क जमा करना पड़ेगा। मान्यता का नवीनीकरण कराने वाली संस्था को तीन साल के लिए सुरक्षा निधि जमा कराना पड़ेगी। 250 विद्यार्थी वाले प्रावि स्कूल को 20 हजार, माविको 25 हजार और दोनों के लिए 30 हजार रुपए जमा कराना पड़ेंगे। 250 से अधिक विद्यार्थियों वाली प्रावि को 30 हजार, मवि को 35 हजार और दोनों के लिए 40 हजार रुपए की राशि जमा करना पड़ेगी।

इनका कहना –

विलंब शुल्क के साथ मान्यता नवीनीकरण के आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि आज 14 फरवरी है। अभी तक जिले के 62 निजी स्कूलों ने आवेदन नहीं किया है। यदि समय सीमा में आवेदन नहीं करते है तो उनकी मान्यता रद्द हो सकती है।

– जितेन्द्र भनारिया,
जिला परियोजना समन्वयक, बैतूल

दूरी पर मौन हुए वन विभाग के जांच अधिकारी

टाइगर कॉरिडोर पर जांच को लेकर अधिकारियों के पास आधिकारिक दस्तावेज तक नहीं

बैतूल /भौंरा। हालही में सारनी के पास मौजूद लोनिया गांव से लगे बंदरिया घाट पर बहने वाली तवा नदी पर बड़े पैमाने पर रेत के अवैध उत्खनन का मामला सामने आया था। जिस पर पर्यावरणविद् आदिल खान के माध्यम से वन विभाग को शिकायत भेजी गई थी और बताया गया था कि तवा नदी वन क्षेत्र से लगकर बहती है एवं सतपुड़ा मेलघाट टाइगर कॉरिडोर से 237 मीटर दूरी पर अवैध उत्खनन किया जा रहा है। जबकि वन क्षेत्र से 250 मीटर एवं टाइगर कॉरिडोर से 1 किलोमीटर के दायरे में उत्खनन नियमानुसार प्रतिबंधित रहता है। शिकायत मिलने के बाद वन विभाग का जांच दल बुधवार को सारनी पहुंचा एवं आदिल को साथ लेकर मौका स्थल का निरीक्षण किया गया। जांच दल में वन परिक्षेत्र अधिकारी बैतूल विनोद जाखड़ (भ.व.स) एवं शाहपुर एसडीओ उत्तम सिंह शामिल थे। आदिल ने बताया कि मौका स्थल पर जांच अधिकारियों के माध्यम से अवैध उत्खनन की पुष्टि की गई परंतु वन क्षेत्र और टाइगर कॉरिडोर से दूरी पर अधिकारी पूरे समय बचते हुए नजर आए। जब एक जांच अधिकारी द्वारा वन परिक्षेत्र सारनी से दिए गए सतपुड़ा मेलघाट टाइगर कॉरिडोर के नक्शे से अवैध उत्खनन क्षेत्र की दूरी मोबाइल में मेप के माध्यम से नापी गई तो दूरी मात्र 163 मीटर निकली जो आदिल के द्वारा बताई गई दूरी से भी कम थी। इसके बाद अधिकारी के माध्यम से दूरी को पंचनामे में लिखने से ही मना कर दिया गया व वन परिक्षेत्र सारनी से दिए गए टाइगर कॉरिडोर के बिन्दुओं को भी मानने से मना कर दिया, जांच उपरांत अधिकारियों के माध्यम से साधारण पंचनामा बनाया गया।

बिना टाइगर कॉरिडोर के दस्तावेजों के जांच करने पहुंचे अधिकारी– इस पूरी जांच पर सवाल उठाते हुए आदिल ने बताया की उन्हें फोन के माध्यम से जांच में आने की सूचना दी गई थी जबकि वन विभाग के माध्यम से पत्र जारी किया जाना चाहिए था। एवं जांच अधिकारी पूरे समय मामले में उन्हें गुमराह करने का प्रयास करते रहे और दूरी के आधार पर कार्रवाई की बात से भी बचते नजर आएं। शिकायत सतपुड़ा मेलघाट टाइगर कॉरिडोर से दूरी के आधार पर की गई थी परंतु अधिकारियों का कहना था की उनके पास टाइगर कॉरिडोर के पेपर ही नहीं है, ऐसे में पूरी जांच ही अब सवालों के घेरे में आ गई है और बड़ा सवाल यह भी उठ रहा है कि बैतूल जिले से सतपुड़ा मेलघाट टाइगर कॉरिडोर का बहुत बड़ा हिस्सा निकलता है फिर ऐसा कैसे संभव है की बैतूल वन वृत्त में सतपुड़ा मेलघाट टाइगर कॉरिडोर से संबंधित दस्तावेज नहीं मौजूद हो।

काम्बिंग गश्त के दौरान 85 वारंटी गिरफ्तार

बैतूल। कांबिंग गश्त के दौरान विभिन्न प्रकरणों में लंबे समय से फरार 45 स्थाई वारंटियों, 40 गिरफ्तारी वारंट तामील करवाए गए। अभियान के तहत पुलिस ने गौवंश अधिनियम आर्म्स एक्ट, मारपीट, जुआ एक्ट, चोरी, वन अधिनियम, आबकारी, लूट-डकैती जैसे विभिन्न गंभीर अपराधों में कई वर्षों से फरार चल रहे आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। यह कार्रवाही बैतूल पुलिस अधीक्षक निश्चल झारिया के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमती कमला जोशी के

मार्गदर्शन में पुलिस द्वारा बुधवार 12 फरवरी की दरमियानी रात सम्पूर्ण जिले में विशेष काम्बिंग गश्त अभियान चलाकर की गई। अभियान में समस्त अनुभाग के अनुविभागीय अधिकारी एवं थाना प्रभारी द्वारा स्वयं क्षेत्र में जाकर थाने के समस्त बल के साथ कार्यवाही करते हुए स्थायी, फरारी एवं गिरफ्तारी वारंटी को तामील कराने का प्रयास किया गया है। इसके साथ ही थाना क्षेत्र के गुंडा बदमाश, निगरानी बदमाशों की चेकिंग की गई। थाना सारणी से धारा 379, 341 भादवि 2013 के प्रकरण में 12 वर्ष से फरार चल रहे आरोपी प्रमोद पिता कमलकिशोर छिपा निवासी सारणी को गिरफ्तार किया। इसी प्रकार थाना कोतवाली पुलिस ने 2018 के धमकी/मारपीट प्रकरण में फरार आरोपी राहुल पिता शंकर पवार निवासी भड़ूस और थाना शाहपुर से 2018 के आर्म्स एक्ट (धारा 25) प्रकरण में फरार आरोपी मुकेश नाथ पिता रामसिंह नाथ निवासी इटावा जिला सीहोर, गंभीर अपराधों के तहत गंज थाना के प्रकरण में फरार आरोपी ह्रितिक चंद्रास पिता योगेश चंद्रास निवासी कालापाठा गंज को भी गिरफ्तार किया गया।

युवा शक्ति मिशन युवाओं के माइक्रो एंटरप्रेन्योरशिप के क्षेत्र में मील का पत्थर

बैतूल। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस जेएच कॉलेज में मप्र शासन के तकनीकी कौशल विकास और रोजगार विभाग तथा उच्च शिक्षा विभाग की महत्वाकांक्षी योजना स्वामी विवेकानंद युवा शक्ति मिशन के तहत संकायवार वीडियो व पीपीटी प्रदर्शन श्रृंखलाओं के अंतर्गत आज वाणिज्य विभाग के विद्यार्थियों हेतु युवा शक्ति मिशन से संबंधित वीडियो और पीपीटी का प्रदर्शन और व्याख्यान संपन्न हुआ। कार्यक्रम प्राचार्य डॉ.मीनाक्षी चौबे के संरक्षण में आयोजित किया गया। ब्रीफिंग सत्र में राष्ट्रीय सेवा योजना के जिला संगठक डॉ.सुखदेव डोंगरे ने कहा की युवा शक्ति मिशन महाविद्यालय के युवाओं को माइक्रो एंटरप्रेन्योरशिप के क्षेत्र में मील का पत्थर सिद्ध होगा। विशिष्ट वक्ता प्रो.राकेश कुमार पवार ने मिशन के उद्देश्यों, लक्ष्यों, और मिशन के छ्ः स्तंभों संवाद, शिक्षा, क्षमता संवर्धन, उद्यमिता और रोजगार, सामाजिक पहल और अनुश्रवण पर विस्तार से चर्चा की। प्रो कृष्णा गौसर ने कहा कि स्वामी विवेकानंद युवा शक्ति मिशन विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास पर केंद्रित मप्र शासन का एक ऐसा उपक्रम जो आने वाले समय में युवा शक्ति जागरण का प्रमुख केंद्र बिंदु बनेगा। पत्रकार घनश्याम राठौर ने भी विद्यार्थियों को संबोधित कर मार्गदर्शन दिया। कार्यक्रम का संचालन डॉ.शिवदयाल साहू ने और आभार प्रो.पंकज बारस्कर ने व्यक्त किया। वीडियो व पीपीटी प्रदर्शन कार्यक्रम के ब्रीफिंग सत्र में नोडल अधिकारी डॉ वीणा डहेरिया, विभागाध्यक्ष डॉ राजेश शेषकर, प्रो.वरुण पंडोले, प्रो.कीर्ति वराठे, डॉ.छाया शाक्य, डॉ.दशरथ मीना, प्रो.आयुष सदरम एवं विद्यार्थी वर्ग में शैलेश उइके, प्रभात झड़बड़े, अंकिता चौकीकर, वंशिका पाल एवं प्रियंका सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने अपनी सहभागिता दी।

आर.डी.कोचिंग क्लासेस ने लहराया सफलता का परचम

बैतूल। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी द्वारा जेईई मेन्स 2025 सेशन-1 के परिणाम घोषित किए गए। जिसमें जिले के उत्कृष्ट शैक्षणिक संस्थान आर.डी.कोचिंग क्लासेस द्वारा सफलता का परचम लहराया है। आर.डी. कोचिंग क्लासेस बैतूल के 40 से अधिक छात्र-छात्राओं का चयन जेईई मेन्स सेशन-1 में हुआ है। जिले के ख्यातिनाम कोचिंग संस्थान आर.डी. कोचिंग क्लासेस के मिलन मोहन ने 99.77 पर्सेन्टाईल हासिल कर उत्कृष्ट और ऐतिहासिक सफलता प्राप्त की है। साथ ही चहक धोटे ने 99.82, प्रिंस वराठे ने 99.05, ख्याति मानकर ने 99.02 पर्सेन्टाईल हासिल कर सभी को गौरान्वित किया है। इस अवसर पर डायरेक्टर श्रीमती ऋतु खण्डेलवाल ने कहा कि सफलता में अनुशासन की महत्वपूर्ण भूमिका रहती है। उन्होंने कहा कि उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम लाने में विद्यार्थियों की मेहनत के साथ ही माता-पिता शिक्षको और सहपाठियों का योगदान रहता है। उन्होंने कहा कि यदि विद्यार्थी जीवन अनुशासन से परिपूर्ण है तो जीवन में किसी भी लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है। टीम भावना को रेखांकित करते हुए डायरेक्टर श्रीमती खण्डेलवाल ने विश्वविख्यात बास्केट बाल खिलाडी माईकल जॉर्डन का उदाहरण देते हुए कहा कि माइकल जैसे नामचीन खिलाडी ने इस स्थान तक पहुचने में उनकी टीम की महती भूमिका रही है।

कार्यशाला में विद्यार्थियों ने साझा किए पढ़ाई के साथ कमाई के अनुभव

प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस बैतूल में स्वामी विवेकानंद युवा शक्ति मिशन पर कार्यशाला सम्पन्न

बैतूल। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस जयवंती हॉक्सर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय बैतूल में स्वामी विवेकानंद युवा शक्ति मिशन पर 13 फरवरी को एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह कार्यशाला मध्य प्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग वल्लभ भवन भोपाल के आदेश के परिपालन में आयोजित की गई। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों का कौशल विकास करना, उन्हें आत्मनिर्भर बनाना और पढ़ाई के साथ रोजगार के अवसर प्रदान करना था। कार्यशाला में विज्ञान और वाणिज्य संकाय के स्नातक और स्नातकोत्तर के 300 विद्यार्थियों ने भाग लिया। कार्यक्रम प्राचार्य मीनाक्षी चौबे और जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष घनश्याम मदन के संरक्षण में तथा डॉक्टर सुखदेव डोंगरे के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। कार्यशाला के दौरान विद्यार्थियों ने पढ़ाई के साथ कमाई करने के

अपने अनुभव साझा किए। इश्तियाक अली ने बताया कि वह जेएच कॉलेज में पढ़ाई के साथ मोटर बाइक सुधार कर हर महीने 20 हजार रुपये कमाता है। अक्षय मालवीय ने कहा कि वह नियमित अध्ययन के साथ 30 हजार रुपये प्रतिमाह कमाता है, जबकि हिमांशु पाटिल ने बताया कि वह हर महीने 40 हजार रुपये कमा रहा है। विज्ञान संकाय के लिए विज्ञान भवन में कार्यशाला आयोजित की गई, जहां डॉ स्वाती लोखंडे, डॉ दिव्या और डॉ वीणा डेहरिया ने 150 विद्यार्थियों को रोजगार क्षमता और कौशल विकास बढ़ाने की दिशा में मार्गदर्शन दिया। वाणिज्य संकाय के 150 विद्यार्थियों के लिए वाणिज्य भवन में कार्यशाला आयोजित की गई। इसमें डॉ राजेश शेषकर, डॉ राकेश पवार, प्रोफेसर कृष्णा गौसर, डॉ शिवदयाल साहू और प्रोफेसर वरुण पंडोले ने विद्यार्थियों को आत्मनिर्भर बनने के उपाय बताए।

तिवारी ने संभाली पत्रकारिता विवि कुलगुरु की जिम्मेदारी

मप्र राज्य सूचना आयोग में भी रह चुके हैं सूचना आयुक्त

भोपाल। वरिष्ठ पत्रकार विजय मनोहर तिवारी ने गुरुवार को माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय में कुलगुरु के रुप में नई जिम्मेदारी संभाली। इस मौके पर माखनपुरम परिसर के उद्यान में उन्होंने रुद्राक्ष का पौधा भी लगाया। इसके पश्चात नवनियुक्त कुलगुरु श्री तिवारी ने विश्वविद्यालय परिसर का भ्रमण किया। इस अवसर पर एनआईटीटीटीआर के निदेशक प्रो. चंद्र चारु त्रिपाठी एवं दत्तोपंत ठेंगड़ी शोध संस्थान के निदेशक डॉ. मुकेश मिश्रा विशेष रुप से उपस्थित थे। भ्रमण के पश्चात् द्रोणाचार्य सभाकक्ष में विभाग प्रमुखों की पहली मीटिंग में उन्होंने ओशो के एक पत्र की पंक्ति दोहराते हुए कहा कि मेरी दृष्टि में प्रयास ही प्राप्ति है और अडिग चरण ही मंजिल है। 1951 में सागर से 20 साल के रजनीश ने यह पत्र अपने एक सहपाठी को लिखा था। उन्होंने कहा कि नई ऊंचाइयों की बात करने से ज्यादा जरूरी है कि हमारी ज़मीन ठोस हो, नींव मजबूत हो। विश्वविद्यालय की प्रगति के लिए उन्होंने सबको मिलकर कार्य करने की बात कही। उल्लेखनीय है कि नवनियुक्त कुलगुरु श्री तिवारी विश्वविद्यालय के ही बैचलर ऑफ जर्नलिज्म (बी.जे.) में दूसरे बैच 1992-93 के टॉपर विद्यार्थी रहे हैं। उन्होंने प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया दोनों में ही लगभग ढाई दशक से ज्यादा तक रिपोर्टिंग से लेकर विभिन्न पदों पर कार्य किया। बहुमुखी प्रतिभा के धनी श्री तिवारी ने पत्रकारिता के साथ 12 पुस्तकों का भी लेखन किया है। उनकी चर्चित पुस्तकों में हरसूद 30 जून, प्रिय पाकिस्तान, एक साध्वी की सत्ता कथा, भारत की खोज में मेरे पांच साल, आधी रात का सच, उफ़ ये मौलाना, जागता हुआ कारवा, हिन्दुओं का हश्र, स्याह रातों के चमकीले ख्वाब एवं राहुल बारपुते हैं। श्री तिवारी को उनकी लेखनी के लिए कई पुरस्कार भी प्राप्त हो चुके हैं। यात्रा वृत्तांत, रिपोर्ताज और डायरी लेखन के लिए उन्हें भारतेंदु हरीशचंद्र पुरस्कार, गणेश शंकर विद्यार्थी सम्मान, माधवराव सप्रे पुरस्कार, मध्यप्रदेश साहित्य अकादमी पुरुस्कार, मध्यप्रदेश गौरव सम्मान मिल चुके हैं। वरिष्ठ पत्रकार श्री तिवारी भोपाल के बहुकला केंद्र भारत भवन के न्यासी सचिव भी रहे हैं। विदिशा जिले में जन्मे श्री तिवारी इससे पूर्व मध्यप्रदेश राज्य सूचना आयोग में सूचना आयुक्त भी रहे हैं। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. अविनाश वाजपेयी, डीन अकादमिक डॉ. पी. शशिकला,डीन छात्र कल्याण डॉ. मनीष माहेश्वरी, सभी विभागों के विभागाध्यक्ष, अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष और प्रदेश संगठन महामंत्री ने जताया शोक

भोपाल। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व खजुराहो सांसद श्री विष्णुदत्त शर्मा एवं प्रदेश संगठन महामंत्री श्री हितानंद जी ने भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं मध्यप्रदेश पिछड़ा वर्ग आयोग के पूर्व सदस्य श्री दयानंद कुशवाह के निधन पर शोक व्यक्त किया है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री विष्णुदत्त शर्मा ने ईश्वर से दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान देने एवं परिजनों को इस दुख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की है।

नर्सिंग के विद्यार्थियों को तीन साल हो गए, फर्स्ट ईयर की परीक्षा नहीं हुई

भोपाल। भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन के प्रदेश उपाध्यक्ष रवि परमार ने मध्यप्रदेश नर्सेस रजिस्ट्रेशन कार्उसिल के अध्यक्ष मनोज सरियाम को ज्ञापन सौंपकर जीएनएम नर्सिंग के 2022-23 बैच के छात्र-छात्राओं की लंबित परीक्षाओं को तत्काल आयोजित करने की मांग की है।

एनएसयूआई प्रदेश उपाध्यक्ष रवि परमार ने बताया कि जीएनएम एक डिप्लोमा कोर्स हैं जिसकी अवधि तीन वर्ष की होती है और उसकी परीक्षा के संचालन की जिम्मेदारी मध्यप्रदेश नर्सेस रजिस्ट्रेशन काउंसिल की रहती हैं, लेकिन 2022-23 बैच के विद्यार्थियों को प्रवेश लिए तीन साल बीतने के बावजूद उनकी प्रथम वर्ष की परीक्षा अब तक आयोजित नहीं की गई है। इससे छात्रों का शैक्षणिक भविष्य अंधकारमय हो गया है और वे मानसिक रूप से अत्यधिक परेशान हैं।

रवि परमार ने कहा कि मध्यप्रदेश में हुए नर्सिंग फर्जीवाड़े की सजा अब उन निर्दोष हजारों छात्र-छात्राओं को भुगतनी पड़ रही है, जिन्होंने पूरी मेहनत से अपनी पढ़ाई की है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि वास्तविक दोषियों पर अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई, जबकि छात्रों को अनिश्चितता और मानसिक तनाव का शिकार होना पड़ रहा है। परमार ने कहा कि परीक्षा न होने से छात्रों की रजिस्ट्रेशन में देरी हो रही है, जिससे उनके करियर और रोजगार के अवसर बाधित हो रहे हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि काउंसिल जल्द से जल्द परीक्षा कार्यक्रम जारी कर परीक्षा आयोजित नहीं करवाती है, तो हस्ड्ढ छात्र हित में उग्र आंदोलन करने को मजबूर होगी।

मप्र में बोर्ड परीक्षा के पेपर लीक करने वालों को होगी 3 साल की जेल

भोपाल (नप्र)। मप्र माध्यमिक शिक्षा मंडल(माशिमं)की 10वीं व 12वीं परीक्षा 25 फरवरी से आयोजित की जाएगी। इस बार प्रश्नपत्र वायरल करने वालों के खिलाफ स्कूल शिक्षा विभाग सख्त कदम उठाएगा। सायबर क्राइम की टीम के साथ मिलकर प्रश्न-पत्रों को वायरल करने वाले शिक्षकों, कर्मचारियों या संबंधितों पर नजर रखी जाएगी। प्रश्नपत्र वायरल करने वालों पर परीक्षा अधिनियम 1937 के तहत तीन साल की जेल व पांच हजार रुपये जुर्माना लगेगा।

टेलीग्राम एप से एमबीबीएस छात्रा को फंसाया टास्क के नाम पर 44.11 लाख ठगे

ग्वालियर (नप्र)। दिल्ली में पढ़ाई कर रही एमबीबीएस छात्रा मेघना चौहान (23 वर्ष) के साथ टेलीग्राम मैसेजिंग एप के जरिये 44 लाख 11 हजार 363 रुपये की ठगी की गई है। ठगों द्वारा छात्रा को टेलीग्राम एप के एक ग्रुप में जोड़ा गया। यहां ठगों ने उसे एक टेलीग्राम यूजर ने टास्क के जरिये हर दिन एक हजार से लेकर दो हजार रुपये तक कमाने का झांसा दिया।

मध्यप्रदेश बनेगा ड्रोन निर्माण हब : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

शीघ्र बनेगी ड्रोन डेटा रिपॉजिटरी,प्रारंभ होगा ड्रोन स्कूल

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश को ड्रोन निर्माण और प्रौद्योगिकी का प्रमुख हब बनाने के लिए समग्र कार्य योजना तैयार की गई है। राज्य सरकार ने ड्रोन क्षेत्र में निवेश आकर्षित करने के लिये मध्यप्रदेश ड्रोन संवर्धन एवं उपयोग नीति-2025 को स्वीकृति दे दी है। इसमें ड्रोन के सुरक्षित और कुशलतम उपयोग के माध्यम से नवाचार, आर्थिक समृद्धि और रोजगार को बढ़ावा देने वाले विषयों एवं तथ्यों को शामिल किया गया है। मध्यप्रदेश में ड्रोन टेक्नोलॉजी के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए जल्द ही ड्रोन डेटा रिपॉजिटरी भी बनाई जायेगी। प्रधानमंत्री गति शक्ति पहल से प्रेरित होकर ड्रोन नीति सरकार के ड्रोन डेटा और इमेजरी के लिए एक केन्द्रीकृत प्लेटफ़ॉर्म होगा।

ड्रोन डेटा रिपॉजिटरी विभिन्न विभागों के मध्य परस्पर डेटा साझा करने और सहयोग को बढ़ावा देगी। यह नीति जीआईएस आधारित योजना और विश्लेषणात्मक उपकरणों का उपयोग करके बेहतर निगरानी तंत्र विकसित करेगी। यह रिपॉजिटरी तत्काल अद्यतन निगरानी सुविधा प्रदान करेगी, जिससे संसाधनों का त्रुटिरहित आवंटन होगा और अधोसंरचनात्मक विकास में सहयोग मिलेगा। इससे बेहतर समन्वय, निर्णय-प्रक्रिया में मदद मिलने के साथ लागत-समय का सदुपयोग होगा और परियोजनाओं की समीक्षा में सुधार भी होगा।

विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग यह सुनिश्चित करेगा कि डेटा प्रबंधन सुरक्षित रूप से किया जाए और सहयोगी भागीदारों के साथ रिपॉजिटरी की प्रबंधन व्यवस्था पुख्ता रखी जाए। राज्य सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि राज्य की एजेंसियों द्वारा एकत्र किए गए सभी ड्रोन डेटा को राष्ट्रीय भौगोलिक नीति-2022 या उसके बाद के किसी संशोधन या नीति के अनुसार डेटा सुरक्षा कानूनों और विनियमों के अंतर्गत संग्रहित किया जाए। संवेदनशील जानकारी की सुरक्षा के लिए सुरक्षित डेटा भंडारण और प्रसारण प्रौद्योगिकियों का उपयोग किया जायेगा।

भविष्य में ड्रोन का उपयोग तेज़ी से बढ़ेगा। यह बिना पायलट वाला यंत्र है जो विभिन्न क्षेत्रों में क्रांतिकारी बदलाव ला रहा है। यह कई प्रकार से अभिनव समाधान प्रस्तुत करता है और मानव श्रम की बचत करता है। इस तकनीकी से समय पर डेटा संधारित हो जाता है। सटीक और दक्षता के साथ कठिन स्थानों से डेटा संग्रह हो जाता है। आधुनिक प्रौद्योगिकी के उपयोग से कई क्षेत्रों के लिए यह अमूल्य उपकरण साबित हो रहा है।

कृषि क्षेत्र में उपयोग- ड्रोन से फसल की सेहत की निगरानी, रोगों का पता लगाने और फसल की पैदावार का मूल्यांकन करने में सहायता मिल रही है। ड्रोन उर्वरक और कीटनाशक का छिड़काव सटीकता से कर सकते हैं, जिससे अपशिष्ट और नकारात्मक पर्यावरणीय प्रभाव कम होगा। वे उन क्षेत्रों की पहचान कर सकते हैं जिन्हें अधिक या कम पानी की आवश्यकता है। सिंचाई के तरीकों का बेहतर उपयोग करने में ड्रोन मदद करता है।

आपदा प्रबंधन में उपयोग- ड्रोन, आपदा प्रभावित क्षेत्रों में थर्मल इमेजिंग और हाई-रिजोल्यूशन कैमरों का उपयोग कर प्रभावित लोगों का पता लगा रहे हैं। प्रभावित क्षेत्रों की विस्तृत तस्वीरें देख बचाव के प्रयासों में मदद कर रहे हैं। पुनर्निर्माण के प्रयासों और बीमा दावों की प्रामाणिकता में मदद मिल रही है। आपातकालीन स्थितियों में ड्रोन चिकित्सा आपूर्ति और खाद्य सामग्री को दुर्गम इलाको में पहुंचा रहे हैं।

निरीक्षण में उपयोग- ड्रोन पुलों, भवनों और अन्य बुनियादी ढांचे का निरीक्षण कर रहे हैं, जिसमें रखरखाव और सुरक्षा मूल्यांकन शामिल हैं। ड्रोन से निर्माण की प्रगति के बारे में वास्तविक समय में अपडेट प्राप्त किया जा रहा है। ड्रोन वन्य जीवों की सुरक्षा की निगरानी कर रहे हैं और उन्हें परेशान किए बिना उनकी गतिविधियों पर नजर रख रहे हैं। जंगलों की सेहत की निगरानी, अवैध लकड़ी कटाई का पता लगाने और जंगल की आग के प्रभाव का मूल्यांकन भी ड्रोन से किया जा रहा है।

ड्रोन स्कूलों की स्थापना- मध्यप्रदेश ड्रोन प्रौद्योगिकी को बढ़ावा देने और संचालन के लिए कुशल मानव संसाधन तैयार करने के लिए नई ड्रोन नीति के अंतर्गत ड्रोन स्कूल स्थापित करेगा। इसमें सार्वजनिक-निजी भागीदारी के माध्यम से निवेश किया जाएगा। इसका उद्देश्य ड्रोन प्रौद्योगिकी में व्यापक प्रशिक्षण और शिक्षा प्रदान करना है, जिससे विद्यार्थी और पेशेवर दोनों उद्योग की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए अच्छी तरह से तैयार हों।

पॉलिटेक्निक, आईटीआई और इंजीनियरिंग कॉलेजों को ड्रोन/पार्ट्स डिजाइन, ड्रोन इमेज एनालिटिक्स, एआई टूल्स आदि के लिए विशिष्ट पाठ्यक्रम विकसित करने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। उद्योग के साझेदारों के साथ मिलकर प्रशिक्षण कार्यक्रम तैयार किए जाएंगे। इससे युवाओं को ड्रोन उद्योग में रोजगार पाने के लिए आवश्यक कौशल प्रदान किया जा सकेगा। विशेष रूप से ड्रोन निर्माण, मरम्मत, असेंबलिंग और डेटा प्रोसेसिंग में रोजगार प्रदान करने वाले प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू हो चुके हैं।

पॉलिसी से लाभ- आगामी 5 वर्षों में लगभग 370 करोड़ रूपये का निवेश अपेक्षित है। लगभग 8,000 (2,200 प्रत्यक्ष एवं 6,600 अप्रत्यक्ष) रोजगार सृजित होंगे। इस क्षेत्र में प्रति करोड़ वित्तीय प्रोत्साहन के आधार पर लगभग 25-30 लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार मिलने की उम्मीद है।

नीति के प्रमुख स्तंभ- ड्रोन इको सिस्टम, कौशल विकास, सेक्टर प्रमोशन और वित्तीय प्रोत्साहन ड्रोन नीति के प्रमुख स्तंभ हैं। इनसे तकनीकी संस्थानों में ड्रोन संबंधी पाठयक्रमों को बढ़ावा मिलेगा। ड्रोन इको सिस्टम एआई और नवीनतम प्रौद्योगिकी को प्रोत्साहन मिलेगा।

वित्तीय प्रोत्साहन- ड्रोन नीति की घोषणा के बाद डीएसडीएम/डीईएस इकाइयों द्वारा किए गए नए निवेश के लिये 40 प्रतिशत पूंजी निवेश (अधिकतम 30 करोड़ रूपये तक) की सब्सिडी और लीज रेंटल पर 3 वर्ष तक 25 प्रतिशत की प्रतिपूर्ति या प्रतिवर्ष 5 लाख रूपये तक, जो भी कम हो मिलेगी। राज्य सरकार द्वारा पहचाने गये क्षेत्रों में आर एंड डी परियोजना शुरू करने के लिये 2 करोड़ रूपये तक का अनुदान मिलेगा। प्रतिभाओं के कौशल उन्नयन के लिये प्रमुख क्षेत्रों में इंटर्न को मुख्यमंत्री 'सीखो कमाओ योजना' में 6 महिने तक के लिये 8 हजार रूपये प्रतिमाह दिये जायेंगे। प्रदर्शनियों/कार्यक्रमों में भाग लेने के लिये किए गए खर्च पर 50 प्रतिशत सब्सिडी दी जायेगी। यह सब्सिडी घरेलू कार्यक्रमों के लिये एक लाख रूपये और अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रमों के लिये 2 लाख रूपये तक होगी।

भूमि पर निष्पादित पट्टे पर 100 प्रतिशत स्टॉम्प शुल्क और पंजीकरण शुलक की प्रतिपूर्ति की जायेगी। परीक्षण, अंशांकन और प्रमाणन के लिये पॉलिसी अवधि के दौरान 20 लाख रूपये की कैपिंग के साथ प्रति वर्ष 5 लाख रूपये तक की सहायता मिलेगी। घरेलू पेटेंट के लिए प्रति पेटेंट 5 लाख रूपए और अंतर्राष्ट्रीय पेटेंट के लिए 10 लाख रूपए अथवा वास्तविक लागत वहन की जायेगी। 50 करोड़ रूपये से अधिक निवेश करने वाली मेगा स्केल इकाइयों के लिए बढ़ी हुई प्रोत्साहन राशि मिलेगी। ड्रोन से संबंधित पाठयक्रम जोड़ने वाले कॉलेज/विश्वविद्यालय/संस्थान 50 प्रतिशत (25 लाख रूपये तक) की कैपेक्स सब्सिडी के लिये पात्र होंगे।

डिजिटलीकरण अभियान की शुरुआत के साथ, ड्रोन क्षेत्र ने सरकारी नीतियों, प्रौद्योगिकी में प्रगति और बढ़ते वित्त पोषण के कारण क्रांतिकारी विकास किया है। इसका वैश्विक बाजार वर्ष-2022 में 71 अरब डॉलर से बढ़कर वर्ष-2030 तक 144 अरब डॉलर तक पहुंचने की संभावना है। भारतीय ड्रोन बाजार 2030 तक 13 बिलियन डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है। मध्यप्रदेश ड्रोन प्रौद्योगिकी में एक अग्रणी राज्य के रूप में स्वयं को स्थापित कर सकता है। इसके लिए नवाचार और आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा देते हुए ड्रोन के सुरक्षित उपयोग को सुनिश्चित किया जायेगा। इससे राज्य को तकनीकी और आर्थिक दृष्टि से समृद्ध बनाने में भी सहयोग मिलेगा।

राजधानी में सड़क पर आ गई एक और शराब की दुकान

भोपाल। भोपाल में रेल्वे की जमीन से अतिक्रमण हटाने के लिए जिला प्रशासन रेलवे नगर निगम और भारी पुलिस बल की मौजूदगी में रविवार को मोती नगर की 110 दुकानों को हटाया गया था इसमें एक दुकान शराब की भी थी जिसे भी वहां से हटाया गया जिसके बाद से उसे दुकान के ठेकेदार द्वारा दुकान को सुभाष नगर खेल के पार्क में शिफ्ट करने का प्रयास किया गया लेकिन स्थानीय निवासियों ने उसकी जमकर विरोध कर दिया इसके बाद ठेकेदार ने रोड पर ही टेंट लगाकर दुकान खोल दी है और वहीं से वह शराब की बिक्री कर रहा है

वहीं इस पूरे मामले में अब जिला प्रशासन जल्द ही दुकान को दूसरी जगह पर शिफ्ट करने की बात कर रहा है उनका कहना है कि राजधानी भोपाल में पूर्व में भी कोहेफिजा स्थित शराब की दुकान के लिए ठेकेदार को दुकान नहीं मिली थी इसके बाद उसे ब्रिज के नीचे अस्थाई निर्माण कर दुकान खुलवाई गई थी इसी तरह एक अन्य मामले में भी गिन्नौरी में भी जगह उपलब्ध होने के कारण अस्थाई निर्माण कर दुकान को वीआईपी गेस्ट हाउस के पीछे चलाया जा रहा है इसी तरह इस दुकान के लिए भी मार्च तक के लिए कोई अस्थाई निर्माण कर चलाने की बात कही जा रही है वही ठेकेदार का कहना है कि इस तरह से दुकान हटाने से उसकी बिक्री काफी प्रभावित हो रही है जिसकी वजह से उसे काफी नुकसान हो रहा है वही खुले में दुकान होने से लगातार चोरी का भी डर बना हुआ है।

रेत के अवैध उत्खनन से नर्मदा नदी के ईको सिस्टम पर मंडरा रहा हैं संकटः मुकेश नायक

भोपाल। प्रदेश कांग्रेस मीडिया विभाग के अध्यक्ष मुकेश नायक ने आज पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुये कहा कि नर्मदा नदी, जिसे मध्य प्रदेश और गुजरात की जीवनरेखा कहा जाता है वह आज गंभीर पर्यावरणीय असंतुलन और संकट से जूझ रही है। अमरकंटक से खंभात की खाड़ी तक फैली इस नदी का ईको सिस्टम बिगड़ रहा है, जिससे इसके अस्तित्व पर संकट मंडरा रहा है। विशेषज्ञों के अनुसार, नदी का जल स्तर गिर रहा है, जल की गुणवत्ता खराब हो रही है, और मानवीय उपयोग के लिए अनुपयुक्त बनती जा रही है। अवैध उत्खनन और अन्य मानवीय गतिविधियों के कारण नर्मदा का पारिस्थितिकी तंत्र नष्ट हो रहा है, जिससे नदी के प्रवाह में परिवर्तन आ रहा है।

श्री नायक ने कहा कि भाजपा के सांसद दर्शनसिंह चौधरी ने नर्मदा नदीं के ईकों सिस्टम, पानी की गुणवत्ता, टूटते किनारों, उसके प्रवाह और अवैध उत्खनन को लेकर गंभीर सवाल लोकसभा में उठाये, अभी तक हम लोग जब अवैध उत्खनन की बात करते थे तो भाजपा के लोग इस पर प्रलाप करते थे, वे वहीं बात कह रहे हैं जो हम लोग कहते चले आ रहे हैं। अब विपक्ष ही नहीं सत्तापक्ष के लोग भी नर्मदा में अवैध उत्खनन पर सवाल उठा रहे हैं। पूरे नर्मदा वैली अमरकंटक से लेकर खंभात की खाड़ी तक 1200 किलोमीटर का जो नर्मदा नदी का ऐरिया भूकंप की दृष्टि से भूगर्भ शास्त्रियों ने सबसे ज्यादा संवेदनशील बताया और चेतावनियां दी कि जब भी भूगर्भ में हलचल होगी, तब सबसे बड़ी मानवीय त्रास्दी का सामना देश को करना पड़ेगा। पूरी नदीं के ईको सिस्टम पर बड़ा प्रभाव पड़ा है। मा. नर्मदा का उद्गम स्थल का प्रवाह सुसुप्त अवस्था में जा रहा है, नर्मदा की जीवन रेखा में दो प्रभाव देखने को मिल रहे हैं, जिसमें नर्मदा की 25 सहायक नदिया हिरण, बेतवा, केन, कैथ और कोपरा जैसी प्रमुख नदियां पूरी तरह से सूख गई हैं।

श्री नायक ने कहा कि अवैध उत्खनन अंधाधुंध मानवीय दुरूपयोग के कारण नर्मदा नदी ने अपना ईको सिस्टम, अपनी गुणवत्ता समाप्त हो चुकी है। जैव संरक्षण का सबसे महान पुण्य नर्मदा सृजित करती है, जैव विविधता को भी एक तरह का खतरा उत्पन्न हो चुका है। अवैध उत्खनन के कारण नर्मदा नदी की अनेक सहायक नदियों का प्रभाव भी समाप्त हो रहा है। पन्ना, होशंगाबाद, छतरपुर जिले से एक-एक करोड़ का प्रतिदिन अवैध उत्खनन हो रहा है, एक से डेढ करोड़ का अवैध उत्खनन चंबल नदी से हो रहा है। इस तरह एक से डेढ हजार करोड़ का अवैध उत्खनन इन चार स्थानों से हो रहा है। इतना गरीब प्रदेश जो हर महीने कर्ज लेकर अपनी स्थापना का खर्च निकालकर कर्मचारियों को वेतन दे पा रहा है, वह केवल डेढ हजार करोड़ का केवल रेत में रेवेन्यू लीकेज मप्र में कितना बड़ी राजस्व की हानि हैं, यह कल्पना से परे हैं।

श्री नायक ने कहा कि बड़े-बड़े नेता भोपाल की नाक के नीचे नर्मदापुरम, छतरपुर और चंबल में राजनीति करते हैं, में आरोप लगाता हूं कि इन नेताओं के संरक्षण में रेत का अवैध उत्खनन हो रहा है, रेवेन्यु को नुकसान हो रहा है और अपने निजी लाभ के लिए अवैध उत्खनन को संरक्षण दे रहे हैं और इसका लाभ उठा रहे हैं। नदी से रेत उठाने वाले नेताओं की संपत्ति को लेकर कांग्रेस ने सर्वे किया है, कहां कहां धन का नियोजन किया, कितने मकान, बड़े-बड़े रिसार्ट, बंगले, स्वीमिंग पुल इन नेताओं ने अवैध उत्खनन से बनाया है। कांग्रेस आने वाले समय में इसका खुलासा करेगी।

पाड़ों की लड़ाई के खिलाफ दर्ज हुई धार में एफआईआर

धार। मेनका गाँधी की संस्था पीपुल फॉर एनिमल पुरे देश मे पशु क्रूरता के खिलाफ कार्य करती है इसी कड़ी धार शहर में पाड़ो की लड़ाई के आयोजक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई । विगत दिनों धार के देवीजी मंदिर के सामने मैदान में पाड़ों की लड़ाई हुई थी उसके विरोध मे पीपुल फॉर एनिमल की धार यूनिट से विजया शर्मा ने एफआईआर दर्ज करवाई। धार जिले मे ये पहली एफआईआर है। गौरतलब है कि पीपुल फॉर एनिमल की धार यूनिट से विजया शर्मा ने पूर्व मे पशु क्ररूरता के खिलाफ आवाज उठाई है। मेनका गाँधी की संस्था पीपुल फॉर एनिमल पशुओं की सेवा और सरक्षण के लिए कार्य करती है ..... आज पशु क्ररुरता के खिलाफ चहुंऔर आवाज उठने लगी है इसका बहुत हद तक श्रेय पीपुल फार एनिमल जैसी संस्था के प्रयासों को जाता है। विजया शर्मा ने बताया कि पशु क्ररूरता के खिलाफ कार्रवाई करने में धार पुलिस भी जागरूक रहती है।

लड़की ने फ्रेंडशिप करके मिलने बुलाया बंधक बनाकर 15 लाख रुपए मांगे

धार। हरदा जिले के एक किसान को को हनी ट्रैप में फंसाने की कोशिश करते हुए उसे 15 लाख रुपये ठगने की कोशिश की गई। इतना ही नहीं, आरोपी ने किसान को षड्यंत्रपूर्वक अपने घर बुलाया और करीब 28 घंटे तक बंधक बनाए रखा।इसके बाद उसे दुष्कर्म के प्रकरण में फंसाने की धमकी देकर मारपीट भी की गई। स्वजन को फोन लगाकर राशि की मांग की गई। आरोपित तीन लाख रुपये में भी मान गए थे, लेकिन स्वजन ने साहस दिखाया और पुलिस को सूचना दी।

इस पर पुलिस ने इस मामले में धार की इंद्रपुरी कालोनी में धरपकड़ की और किसान व उसके रिश्तेदार को मुक्त करवाया। साथ ही मुख्य आरोपित कीर्ति शर्मा सहित इस गिरोह में शामिल पांच लोगों को गिरफ्तार कर लिया है।कोतवाली थाना प्रभारी समीर पाटीदार के अनुसार परिवार की सूचना पर दो युवकों को बुधवार रात करीब 12 बजे धार के इंद्रपुरी स्थित एक मकान से छुड़ाया है।

इस मामले में कीर्ति शर्मा, शुभदीप पुत्र देवीलाल यादव निवासी याम चरई महू (इंदौर), अनिल पुत्र बाबूलाल सोनी निवासी इंद्रपुरी कालोनी धार, सोनू पत्नी अनिल सोनी निवासी इंद्रपुरी कालोनी धार, आकाश पुत्र छन्नू खत्री निवासी राजगढ़ (धार) का पकड़ा गया है, जबकि राजूबाई व अन्य दो गिरफ्त से बाहर है।

इनकी तलाश जारी है। स्वजन की सूचना पर पुलिस बुधवार रात करीब 12 बजे इंद्रपुरी कालोनी घर पहुंची। दरवाजा भीतर से बंद था। खटखटाने पर एक महिला आई। दरवाजा खोलने को कहा तो वह टालने लगी।

आखिरकार उसे गेट खोलना पड़ा। महिला से पीड़ित कपिल के बारे में पूछते ही वह घबरा गई। पुलिस महिला के साथ एक कमरे में पहुंची तो यहां तीन पुरुष और एक महिला पलंग पर बैठे थे।

उन्होंने दो व्यक्तियों को जमीन पर बैठा रखा था। वे काफी डरे हुए थे। पुलिस को देखकर पलंग पर बैठे पांचों लोगों ने भागने की कोशिश की।

पुलिस के साथ आए पारिवारिक मित्र अखिलेश ने नीचे बैठे एक व्यक्ति की तरफ इशारा करते हुए कहा यही कपिल जाट है। कपिल ने दूसरे व्यक्ति का नाम राजेंद्र चौहान निवासी ग्राम कानवन (धार) बताया है। उसने बताया कि राजेंद्र उसकी पत्नी का मुंहबोला भाई है।

सुरक्षित इंटरनेट दिवस पर आईटीआई में जागरूकता कार्यशाला सम्पन्न

रायसेन (निप्र)। प्रति वर्ष सम्पूर्ण विश्व में फरवरी माह के द्वीतीय मंगलवार का सुरक्षित इंटरनेट दिवस मनाया जाता है। इस क्रम में इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय भारत सरकार के निर्देशानुसार सुरक्षित इंटरनेट दिवस पर रायसेन स्थित शासकीय आईटीआई में जागरूकता कार्यशाला सम्पन्न हुई। कार्यशाला में एनआईसी के जिला सूचना-विज्ञान अधिकारी श्री दीपेंद्र कटियार ने युवाओं को सुरक्षित इंटरनेट दिवस विषय पर प्रस्तुतीकरण दिया। इस कार्यशाला का उद्देश्य जागरूकता बढ़ाना और इंटरनेट के सुरक्षित और जिम्मेदार उपयोग को बढ़ावा देना है। कार्यशाला में जिला सूचना-विज्ञान अधिकारी श्री दीपेंद्र कटियार ने इंटरनेट की हानियों के बारे मे विस्तार से बताया जैसे - इंटरनेट फ़िशिंग, विशिंग, स्मिशिंग, डिजिटल अरेस्ट साइबर ठगी, इंटरनेट एडिक्शन आदि।

इस दौरान सुरक्षित और जिम्मेदार इंटरनेट उपयोग विषय पर बनी वीडियो क्लिप भी दिखाई गई। साथ ही क्या-क्या सावधानियॉ बरतनी चाहिये उनको भी विस्तार से बताया गया। कभी भी कॉल्स पर अपनी संवेदनशील जानकारी जैसे ओटीपी आधार, पैन या बैंक विवरण साझा न करें। अपनी व्यक्तिगत जानकारी ऑनलाइन साझा न करें और अपनी डिजीटल पहचान को सुरक्षित रखें। अनियंत्रित आधार भुगतान सूचनाओं से सतर्क रहें। वास्तविक कूरियर सेवाएं बिना बुकिंग किए पार्सल के लिए कोई शुल्क नहीं लेती। कभी भी अज्ञात नंबरों से आने वाले लिंक पर क्लिक न करें जो केवायसी अपडेट के बहाने आपकी संवेदनशील जानकारी साझा करने के लिए निवेदन करें। कार्यशाला में बताया गया कि उच्चलाभ के प्रति प्रेरित करने वाले ऑनलाइन निवेश ऑफरों से बचना चाहिए। कभी भी अज्ञात नंबरों से आने वाली कॉल्स पर अपनी व्यक्तिगत जानकारी या पैसों से संबंधित मांग को पूरा न करें। अपने मोबाइल पर ऐप्स की नियमित जॉच करें- अनावश्यक अनुमतियॉ रद्द करें और अनुपयोगी ऐप्स को हटा दें। इसके अतिरिक्त कभी भी भुगतान प्राप्त करने के लिये क्यूआर कोड स्कैन या ओटीपी या पिन साझा न करें, ये स्कैम के तरीके हो सकते हैं। कोई सरकारी एजेंसी (पुलिस, सीबीआई, ईडी) वीडियो या वॉयस कॉल्स के माध्यम से आपकी जांच या गिफ्तारी नहीं कर सकती। कार्यशाला में शिक्षक तथा आईटीआई के प्रशिक्षणार्थी उपस्थित रहे।

मंदिरम्

37

नाचना हिंदू मंदिर, मध्य प्रदेश

नाचना हिंदू मंदिर, जिन्हें नाचना-कुथारा में नाचना मंदिर या हिंदू मंदिर भी कहा जाता है, पन्ना जिले, मध्य प्रदेश, भारत में भुमरा और देवगढ़ के साथ मध्य भारत में सबसे पहले जीवित पत्थर के मंदिर हैं। उनकी डेटिंग अनिश्चित है, लेकिन उनकी शैली की तुलना उन संरचनाओं से की जा सकती है जिन्हें दिनांकित किया जा सकता है, कुछ नाचना मंदिर 5वीं या 6वीं शताब्दी के गुप्त साम्राज्य के युग के विभिन्न प्रकार के हैं। चतुर्मुख मंदिर 9वीं शताब्दी का है। ये मंदिर हिंदू मंदिर वास्तुकला की उत्तर भारतीय शैली को दर्शाते हैं।

नर्मदापुरमः ट्रक में घुसी कार, तीन दोस्तों की मौत

शादी समारोह में शामिल होने गए थे, शाजापुर में बस-कार की टक्कर, युवक की मौत

नर्मदापुरम (नप्र)। नर्मदापुरम में बुधवार रात एक तेज रफ्तार कार ट्रक से पीछे से जा टकराई। कार सवार तीन दोस्तों की मौके पर ही मौत हो गई। एक युवक घायल है, उसे सिर और हाथ में गंभीर चोट आई है। हादसे में कार के आगे का हिस्सा बुरी तरह पिचक गया। एक्सीडेंट इटारसी रोड पर बुधवार रात करीब 2.30 बजे नवोदय विद्यालय पंवारखेड़ा और कन्या स्कूल के सामने हुआ।

टीआई प्रवीण चौहान ने बताया- हादसे में संदीप कुमार (37) पिता गोपीचंद मूलचंदानी, सूरज (35) पिता सुंदरलाल आहूजा और सागर (37) पिता जयराम नवलानी की मौत हो गई। संस्कार (24) पिता वासुदेव अदनानी को पहले नर्मदा हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया। हालत गंभीर होने पर भोपाल के बंसल हॉस्पिटल रेफर किया है। उसके सिर में गहरी चोट है। हाथ फ्रैक्चर है और पसली टूटी है।

दूसरा हादसा शाजापुर जिले के शुजालपुर में हुआ। यहां यात्री बस और कार की भिड़ंत में भाई की मौत हो गई। बहन घायल है। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार के परखच्चे उड़ गए और युवक ड्राइविंग सीट में बुरी तरह फंस गया। उसे 2 घंटे बाद दो जेसीबी मशीन की मदद से निकाला जा सका। बहन ने अस्पताल में बताया कि उसे कार में नींद लग गई थी। हादसा कैसे हुआ पता नहीं। इसके बाद जब होश में आई तो पता चला कि वो एंबुलेंस में है।

शादी समारोह के बाद इटारसी रोड पर गए थे चारों- परिजन के अनुसार, चारों युवक शहर के एक रिसॉर्ट में शादी समारोह में गए थे। इसके बाद पवारखेड़ा के पास इटारसी रोड पर क्यों गए, इसकी वजह अभी स्पष्ट नहीं हो पाई है। हादसे के बाद डायल 100 और एम्बुलेंस स्टाफ ने मौके पर पहुंचकर मृतकों को जिला अस्पताल और घायल को नर्मदा हॉस्पिटल भिजवाया। देहात थाना पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने बताया कि चारों दोस्तों के परिवार के शहर में अलग-अलग व्यावसायिक प्रतिष्ठान हैं।

सागर नवलानी की मौत की खबर सुनकर पिंक एवेन्यू कॉलोनी स्थित घर पर भीड़ लग गई। दोपहर 3 बजे के बाद उसका अंतिम संस्कार किया जाएगा। लोगों ने बताया कि सागर का 6 महीने का एक बेटा है।

बाइक फिसलने से युवती की मौत, साथी युवक गंभीर

सिवनी जिले के घंसौर में एक सड़क हादसे में 22 वर्षीय युवती की मौत हो गई, जबकि उसके साथी युवक को गंभीर हालत में जबलपुर रेफर किया गया है। घटना गुरुवार दोपहर करीब 12 बजे अगरिया गांव के पास हुई।रितांशी परते (22) और राहुल धुर्वे (22) घंसौर से कहानी की ओर बाइक पर जा रहे थे। अगरिया गांव के पास एक मोड़ पर बाइक अनियंत्रित होकर फिसल गई, जिससे दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। आसपास के लोगों ने तुरंत घंसौर पुलिस और 108 एंबुलेंस को सूचना दी।घायलों को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने रितांशी को मृत घोषित कर दिया।

सीधी में दो ऑटो की टक्कर, हादसे में 2 महिलाओं समेत 6 यात्री घायल

सीधी जिले के चुरहट विधानसभा क्षेत्र के साडा गांव में गुरुवार शाम करीब 4 बजे दो ऑटो रिक्शा की आमने-सामने की टक्कर में 6 लोग घायल हो गए। घायलों में 2 महिलाएं और 4 पुरुष शामिल हैं। घायलों को एम्बुलेंस की मदद से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया। जहां पर सभी की हालत स्थिर है। पुलिस दुर्घटना के बारे में पता लगा रही है।

दिल्ली से बुलेट चलाकर छतरपुर जा रहा एयरपोर्ट एम्पलाई ट्रक से टकराया, मौत

झांसी में गुरुवार को सड़क हादसे में एक युवक की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि उसका दोस्त घायल है। वे दिल्ली से बुलेट चलाकर छतरपुर जा रहे थे। यहां उन्हें मामेरे भाई की शादी में शामिल होना था। लेकिन 350 किलोमीटर के सफर के बाद उनकी बाइक आगे चल रहे एक ट्रक से टकरा गई। बेटे की मौत के बाद मां का रो रोकर बुरा हाल है। हादसा नवाबाद थाना क्षेत्र के सखी के हनुमान मंदिर के पास हुआ है। हादसे के बाद ड्राइवर ट्रक लेकर भाग गया। पुलिस ने शव कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने प्रयागराज में संतों का लिया आशीर्वाद

भोपाल (नप्र)। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने महाकुंभ मेला क्षेत्र प्रयागराज में संतजनों से सौजन्य भेंट की और शुभाशीष प्राप्त किया। उप

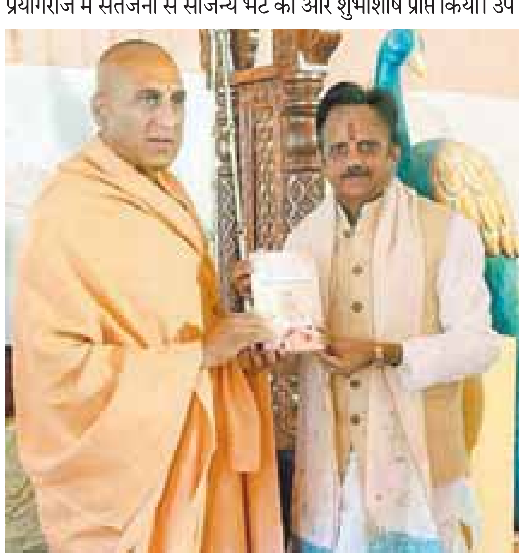

मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कार्ष्णि आश्रम (रमणरेती धाम) में कार्ष्णिपीठाधीश्वर श्री गुरुशरणानंद जी महाराज एवं श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के कोषाध्यक्ष स्वामी गोविंददेव गिरी जी महाराज से भेंट कर आशीर्वाद प्राप्त किया। उन्होंने शिविर में विभिन्न संतों का सान्निध्य भी प्राप्त किया। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने जूनापीठाधीश्वर श्री अवधेशानंद गिरि जी महाराज एवं स्वामी राघवाचार्य जी से भेंट कर उनका शुभाशीष प्राप्त किया।

उज्जैन के हेरिटेज होटल में मराठा वास्तुशैली और मॉर्डन टेक्नोलॉजी

उज्जैन (नप्र)। देशभर से महाकाल मंदिर में दर्शन के लिए आने वाले भक्तों को अब जल्द ही उज्जैन में हेरिटेज होटल की सुविधा भी मिलने लगेगी। मंदिर से महज 500 फीट दूरी पर बने महाराजवाड़ा को मध्यप्रदेश पर्यटन विकास निगम (एमपीटीडीसी) ने हेरिटेज होटल में तब्दील कर दिया है। सीएम डॉ. मोहन यादव इस होटल का लोकार्पण कर सकते हैं।

एमपीटीडीसी ने रेनोवेशन के दौरान मराठा वास्तुशैली का पूरा ध्यान रखा है। खास बात यह है कि होटल में दो महाराजा और महारानी सुइट बनाए गए हैं, जो पूरी तरह एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) से संचालित होंगे। ऐसे में यहां आने वाले गेस्ट को इतिहास की झलक के साथ ही मॉडर्न टेक्नोलॉजी और लग्जूरियस लाइफ एक्सपीरियंस करने का मौका भी मिलेगा। होटल के कमरों से महाकाल मंदिर के शिखर के दर्शन होंगे।

हालांकि, इसके लिए यहां आने वाले मेहमानों को मोटी रकम अदा करना पड़ेगी। फिलहाल होटल के कमरों का किराया तय नहीं है, लेकिन बताया जा रहा है कि प्रीमियम कमरों के लिए एक रात का किराया 50 हजार रुपए तक हो सकता है।

बता दें कि पहले इस बिल्डिंग में सरकारी स्कूल का संचालन होता था। इसे हेरिटेज होटल में तब्दील करने में 18 करोड़ रुपए का खर्च आया है। कलेक्टर नीरज सिंह के अनुसार लोकार्पण के बाद हेरिटेज होटल को शुरू कर दिया जाएगा।होटल परिसर में आयरन वेस्ट से पांच कलाकृतियां बनाई गई हैं। दीवारों पर सुंदर नक्काशी और पेंटिंग की गई है।

आयरन वेस्ट से बनाई पांच कलाकृतियां

होटल से महाकाल लोक और महाकाल मंदिर का पूरा नजारा देखा जा सकेगा। यहां रुककर सुबह 4 बजे भस्म आरती में पहुंचना भी आसान होगा। रूफ टॉप से शिखर दर्शन के साथ होटल के राइट हैंड तरफ के कमरे से भी शिखर दर्शन हो सकेंगे। परिसर में आयरन वेस्ट से पांच कलाकृतियों का निर्माण भी किया गया है, जिसमें दो त्रिशूल, एक हाथी और दो अन्य मूर्तियां बनाई गई हैं। होटल में लोहे के भव्य गेट लगाए गए हैं। पहले से लगे मराठाकालीन दो भव्य दरवाजों को भी वैसा ही रखते हुए उन्हें पेंट कर सुंदर बना दिया है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गुरुवार को समत्व भवन (मुख्यमंत्री निवास) में अनुसूचित जाति कल्याण विभाग द्वारा संचालित योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की।

कांग्रेस का दावा- सेवा भारती को सौंपी रेडक्रॉस बिल्डिंग

भोपाल (नप्र)। कांग्रेस ने दावा किया है कि भोपाल के इतवारा रोड स्थित रेडक्रॉस भवन को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अनुषांगिक संगठन सेवा भारती को दे दिया गया है। मध्यप्रदेश कांग्रेस मीडिया विभाग के अध्यक्ष और पूर्व मंत्री मुकेश नायक ने कहा है कि संघ संवैधानिक संस्थाओं पर कब्जा कर रहा है।

रेडक्रॉस सोसाइटी के सचिव रामेंद्र सिंह ने इस आरोप को गलत बताया है। उन्होंने कहा- हमीदिया, एम्स जैसे अस्पतालों में जो मरीज भर्ती होते हैं, उनके परिजन के रुकने की व्यवस्था रेडक्रॉस भवन में होगी। इसमें सेवा भारती के वॉलेंटियर मदद करेंगे। भवन सेवा भारती को नहीं दिया है।

जिस बिल्डिंग को लेकर विवाद हो रहा है, उसमें दिल्ली स्थित रेडक्रॉस हेडक्वार्टर से भेजे जाने वाले बर्तन, दवाइयां, कपड़े, कंबल और अनाज जैसी राहत सामग्री स्टॉक की जाती थी। देश के किसी भी हिस्से में बाढ़ या कोई प्राकृतिक आपदा आने पर यहीं से राहत सामग्री भेजी जाती थी।

पटवारी बोले- विचारधारा के प्रचार का माध्यम न बनाएं- कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा- कांग्रेस सरकारों में शुरू की गई संवैधानिक संस्थाओं और देश के संस्थागत ढांचे को भाजपा हमेशा से ही हड़पने का काम करती रही है। इसका ताजा उदाहरण भोपाल के रेडक्रॉस भवन को नियम विरुद्ध सेवा भारती को सौंपना है। यह भवन कांग्रेस सरकार के दौरान रेडक्रॉस सोसाइटी को दिया था, जो मूल रूप से सरकार की संपत्ति है। किसी राजनैतिक संगठन को इसे दिया जाना नियमों के विरुद्ध है।

खाली पड़े इस भवन का उपयोग करने के लिए किसी गैर राजनीतिक संगठन को क्यों नहीं चुना गया? क्या यह निर्णय सरकारी दबाव में लिया गया है। फैसले पर पुनर्विचार किया जाए और भवन का उपयोग वास्तव में निष्पक्ष जनहितैषी संगठनों के लिए किया जाए। यह भवन सभी समुदायों के लिए समान रूप से उपयोगी होना चाहिए, न कि किसी विशेष विचारधारा का प्रचार करने का माध्यम बनना चाहिए।

सस्ती दरों पर होने वाली जांचें बंद, सचिव चला रहे दवा दुकान- नायक ने कहा- रेडक्रॉस में सस्ती दरों पर होने वाली सोनोग्राफी, डायलिसिस, एंडोस्कोपी, ईको कार्डियोग्राम जैसी सुविधाएं बंद कर दी गई हैं। टीएनटी टेस्ट भी बंद कर दिए हैं। दवाइयों की दुकान संस्था के सचिव खुद चला रहे हैं।

नायक ने कहा- रेडक्रॉस सचिव ने एफडी तोड़कर खरीदी इनोवा

कांग्रेस मीडिया विभाग के अध्यक्ष मुकेश नायक ने कहा- मैंने भोपाल में रेडक्रॉस अस्पताल का शुभारंभ एक डॉक्टर के साथ कराया था। मैंने जब रेडक्रॉस संस्था को छोड़ा, तब उसमें 70 डॉक्टर सेवाएं देते थे। राजधानी के ज्यादातर मरीज इस संस्था में अपना इलाज सस्ती दरों पर कराने के लिए आते थे। मानवीय सेवा और आपदा नियंत्रण के लिए बनी रेडक्रॉस पर संघ ने कब्जा जमा लिया है। इस संस्था का उपयोग अपने निजी स्वार्थों और सुविधाओं के लिए किया जा रहा है। यह अमर्यादित और नियमों के खिलाफ है।

मुख्यमंत्री ने बस दुर्घटना में श्रद्धालुओं की मृत्यु पर दुख व्यक्त किया

भोपाल(नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रयागराज महाकुंभ से मंदसौर लौट रही यात्री बस के 3 श्रद्धालुओं की असामयिक मृत्यु पर दुख व्यक्त किया है। उल्लेखनीय है कि दिल्ली-मुम्बई हाई-वे पर कोटा जिले के सिमलिया थाना क्षेत्र में यह दुर्घटना हुई। इसमें यात्रियों के गंभीर रूप से घायल होने की भी सूचना है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मृतकों के परिजन को 4-4 लाख और गंभीर रूप से घायलों को एक-एक लाख रूपए की आर्थिक सहायता राशि प्रदान करने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सभी घायलों के समुचित उपचार के लिए जिला प्रशासन मंदसौर को निर्देशित किया है और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बाबा महाकाल से दिवंगत आत्मा को अपने चरणों में स्थान देने और शोकाकुल परिजन को यह गहन दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की है।

नायब तहसीलदार को डिमोशन कर पटवारी बनाया

आगर मालवा (नप्र)। मध्यप्रदेश में एक नायब तहसीलदार को डिमोशन कर पटवारी बना दिया गया। ये मामला आगर-मालवा जिले का है। कलेक्टर कार्यालय से बाकायदा इसका आदेश भी जारी हुआ है। नायब तहसीलदार पर भ्रष्टाचार और फर्जीवाड़े का आरोप है। नायब तहसीलदार का नाम अरुण चंद्रवंशी है। उन्हें पटवारी के रूप में उज्जैन जिले में पदस्थ किया गया है। एक शिकायत के बाद लोकायुक्त टीम ने अरुण चंद्रवंशी को लेकर जांच की थी, जिसमें पाया गया कि चंद्रवंशी ने नियमों के खिलाफ करीब 400 लोगों के गरीबी रेखा के राशन कार्ड एक-एक साल की अवधि के लिए बनाए थे। लोकायुक्त ने इस मामले में कार्रवाई के लिए आगर कलेक्टर राघवेंद्र सिंह को पत्र लिखा था। मंगलवार को कलेक्टर ने इस संबंध में आदेश जारी किए।

भारत का 'फूड बास्केट' बन रहा मध्यप्रदेश

नवाचार और विकास की संभावनाओं के प्रमुख केंद्र के रूप में बनाई पहचान

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश की उपजाऊ भूमि केवल भरपूर फसल ही नहीं, बल्कि नवाचार, सतत विकास और वैश्विक निवेश के नए द्वार भी खोल रही है। सरकार के इस रूपांतरणकारी प्रयास में दुनिया भर के निवेशकों को शामिल होने का आमंत्रण दिया जा रहा है। प्रदेश ने अपनी समृद्ध कृषि परंपरा और उन्नत कृषि तकनीकों के बल पर खुद को देश की 'फ़ूड बास्केट' के रूप में स्थापित किया है। राज्य को अब तक सात कृषि कर्मण पुरस्कार मिल चुके हैं, जो इसकी कृषि क्षेत्र में मजबूती को दर्शाते हैं।

मध्यप्रदेश में 'श्वेत क्रांति' का विस्तार- मध्यप्रदेश में 'श्वेत क्रांति' तेजी से अपने पैर पसार रही है। राज्य में 2012 से 2023 के बीच दूध उत्पादन में जबरदस्त वृद्धि दर्ज की गई है। इस विस्तार को डेयरी इन्वेस्टमेंट एक्सेलेरेटर जैसी योजनाओं से मजबूती मिली है, जो निवेशकों के लिए अनुकूल माहौल तैयार कर डेयरी उद्योग के विकास को प्रोत्साहित कर रही है। मध्यप्रदेश दूध उत्पादन और उपलब्धता में राष्ट्रीय स्तर पर अपनी स्थिति लगातार मजबूत कर रहा है। प्रति व्यक्ति दूध उपलब्धता (591 ग्राम प्रति दिन) में मध्यप्रदेश छठवें स्थान पर है। राष्ट्रीय सीएजीआर 6.18 प्रतिशत की तुलना में मध्यप्रदेश की वृद्धि दर 8.60 प्रतिशत है। देश के कुल दूध उत्पादन में मध्यप्रदेश का योगदान वर्ष 2023 में 8.73 प्रतिशत था।

खाद्य और डेयरी प्रोसेसिंग में एमएसएमई को बढ़ावा- राज्य सरकार सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को खाद्य और डेयरी प्रोसेसिंग में आगे बढ़ाने के लिए कई प्रोत्साहन योजनाएं चला रही है, जिनमें औद्योगिक विकास सब्सिडी, पेटेंट और गुणवत्ता प्रमाणन के लिए वित्तीय सहायता और बिजली शुल्क में छूट शामिल है।

पीएमएफएमई योजना से खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों को लाभ

प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यम (एमएसएमई) योजना के तहत क्रेडिट-लिंक्ड सब्सिडी से खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों को आर्थिक सहायता मिल रही है, जिससे इस क्षेत्र में नए निवेश को बढ़ावा मिल रहा है।

बड़े निवेशकों के लिए आकर्षक सुविधाएं

राज्य सरकार 50 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश करने वाले बड़े उद्योगों को विशेष प्रोत्साहन दे रही है। इसमें निर्यात इकाइयों को लाभ, हरित औद्योगिकीकरण (ग्रीन इंडस्ट्रियलाइजेशन) को बढ़ावा और कोल्ड चेन और वेयरहाउस जैसे खाद्य प्रसंस्करण बुनियादी ढांचे में सहयोग प्रदान किया जा रहा है। मध्यप्रदेश सरकार के इन प्रयासों से राज्य का खाद्य और डेयरी उद्योग नई ऊंचाइयों को छू रहा है। यह न केवल प्रदेश की अर्थव्यवस्था को मजबूती दे रहा है, बल्कि पूरे देश के डेयरी और खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण योगदान कर रहा है।

मध्यप्रदेश में निवेश की बयार : 'सीड टू शेल्फ' में वैश्विक निवेशकों का स्वागत

मध्यप्रदेश खाद्य प्र-संस्करण और कृषि क्षेत्र में निवेश के लिए एक प्रमुख केंद्र बनकर उभर रहा है। राज्य अपने समृद्ध प्राकृतिक संसाधनों, रणनीतिक नीतियों और सतत विकास के प्रति प्रतिबद्धता के कारण 'भारत की खाद्य टोकरी' की उपाधि का वास्तविक हकदार बना है। अब, यह ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2025 के जरिए वैश्विक निवेशकों को आकर्षित करने के लिए तैयार है।

खाद्य प्र-संस्करण में निवेश का हब बना मप्र

राज्य सरकार की निवेश नीति को उद्योग जगत के सकारात्मक रुझान से बल मिल रहा है। पेप्सी -को, कोका कोला और अमूल जैसी शीर्ष वैश्विक कंपनियां पहले ही राज्य में निवेश कर चुकी हैं, जिससे यह क्षेत्र निवेशकों के लिए और भी आकर्षक बन गया है।

म.प्र.में 3.7 डिग्री तक लुढ़का दिन का तापमान

भोपाल, इंदौर-ग्वालियर समेत 11 शहरों में 30 डिग्री से नीचे आया पारा, 2 दिन ऐसा ही रहेगा मौसम

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश में दिन के तापमान में फिर से गिरावट आई है। भोपाल, इंदौर, ग्वालियर समेत 11 शहरों में पारा 30 डिग्री से नीचे आ गया। ग्वालियर में 3.7 डिग्री की गिरावट के साथ पारा 27.8 डिग्री दर्ज किया गया। मौसम वैज्ञानिक प्रमेंद्र कुमार रैकवार के अनुसार अगले 2 दिन ऐसा ही मौसम रहेगा। फरवरी महीने में पारे में उतार-चढ़ाव की स्थिति बनी रहेगी।

मौसम वैज्ञानिक रैकवार ने बताया कि जम्मू-कश्मीर के ऊपर एक वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ) एक्टिव हुआ है। इस वजह से बुधवार को दिन के तापमान में गिरावट देखने को मिली है। रात में भी पारा लुढ़क सकता है। 14 और 15 फरवरी को भी मौसम का मिजाज ऐसा ही बना रहेगा। इसके बाद तापमान में बढ़ोतरी होगी। उन्होंने बताया, फरवरी में कई वेस्टर्न डिस्टरबेंस एक्टिव होंगे। इस वजह से पारे में उतार-चढ़ाव की स्थिति बनी रहेगी। फिलहाल बारिश के आसार नहीं है।

इन शहरों में लुढ़का दिन का तापमान

मौसम विभाग के अनुसार, बुधवार को भोपाल-इंदौर में 28.8 डिग्री, धार में 28.9 डिग्री, ग्वालियर में 27.8 डिग्री, नर्मदापुरम में 29 डिग्री, पचमढ़ी में 26.1 डिग्री, रायसेन में 28 डिग्री, नरसिंहपुर में 28 डिग्री, नौगांव में 28.1 डिग्री, सीधी में 29.8 डिग्री, मलाजखंड में 29.2 डिग्री सेल्सियस रहा।

दूसरी ओर, दमोह, जबलपुर, खजुराहो, मंडला, रीवा, सागर, सतना, सिवनी, टीकमगढ़, उमरिया, बैतूल, गुना, खंडवा, खरगोन, रतलाम, शिवपुरी और उज्जैन में पारा 30 डिग्री से अधिक दर्ज किया गया। खंडवा में सबसे ज्यादा 33.1 डिग्री और खरगोन में पारा 33 डिग्री दर्ज किया गया। इससे पहले मंगलवार-बुधवार की रात में भी तापमान में उतार-चढ़ाव की स्थिति देखने को मिली। शहडोल के कल्याणपुर में 9.3 डिग्री और पचमढ़ी में 9.7 डिग्री रहा। बाकी शहरों में पारा इससे अधिक दर्ज किया गया।